हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 11.02.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 197 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

बांग्लादेश में चुनाव से 2 दिन पहले हिंदू व्यापारी की हत्या

ढाका : बांग्लादेश में राष्ट्रीय संसदीय चुनाव से ठीक दो दिन पहले एक हिंदू व्यापारी की बेरहमी से हत्या का मामला सामने आया है। यह घटना देश के मयमनसिंह जिले में हुई, जिससे चुनावी माहौल में सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मृतक की पहचान 62 वर्षीय सुशेन चंद्र सरकार के रूप में हुई है, जो एक चावल व्यापारी थे और दक्षिणकांडा गांव के निवासी थे। उनकी दुकान "भाई भाई एंटरप्राइज" बोगरा बाजार चौराहे पर स्थित थी। पुलिस के अनुसार, यह हत्या 9 फरवरी की रात करीब 11 बजे हुई। अज्ञात हमलावरों ने सुशेन चंद्र सरकार पर धारदार हथियार से हमला किया, उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दुकान के अंदर ही छोड़ दिया और फिर शटर बंद कर फरार हो गए। जब देर रात तक सुशेन चंद्र सरकार घर नहीं लौटे, तो उनके परिजनों ने तलाश शुरू की। पुलिस के मुताबिक, परिवार के लोग जब दुकान पहुंचे तो उन्होंने उन्हें खून से लथपथ हालत में मृत पाया।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों 17 फरवरी को भारत दौरे पर आएंगे

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 17 फरवरी को भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों होराइजन 2047 रोडमैप के तहत भारत-फ्रांस द्विपक्षीय सहयोग को और सुदृढ़ करने पर व्यापक चर्चा करेंगे। दोनों नेता भारत-प्रशांत क्षेत्र सहित आपसी हित के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श करेंगे। बयान के अनुसार, राष्ट्रपति मैक्रों और प्रधानमंत्री मोदी मुंबई में संयुक्त रूप से भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष 2026 का उद्घाटन करेंगे।

स्पीकर के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस, 118 सांसदों के हस्ताक्षर

एजेंसी

नयी दिल्ली : संसद में जारी गतिरोध के बीच विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विपक्ष स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया है। मंगलवार को सचिवालय को स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दे दिया गया है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया कि स्पीकर को हटाने के लिए संविधान के अनुच्छेद 94-सी के तहत लोकसभा सचिवालय को नोटिस दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विपक्ष के 118 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। हस्ताक्षर करने वाले सांसदों में कांग्रेस, डीएमके, सपा के सांसद शामिल हैं। नोटिस में विपक्ष ने कहा है, लोकसभा स्पीकर लगातार विपक्षी सांसदों को

जनहित के मुद्दे उठाने से रोक रहे हैं। नोटिस में बताया गया कि अनुच्छेद 94(सी) के तहत नोटिस दिया गया है क्योंकि स्पीकर खुलेआम पक्षपात कर रहे हैं।

विपक्ष के आठ सांसदों को मनमाने ढंग से निलंबित कर दिया गया है; उन्हें केवल लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करने के लिए दंडित किया जा रहा है।

कई मौकों पर विपक्षी दलों के नेताओं को बोलने की अनुमति ही नहीं दी गई, जबकि यह उनका मौलिक अधिकार है। कांग्रेस सांसद और चीफ व्हिप के सुरेश ने कई विपक्षी पार्टियों की तरफ से लोकसभा सचिवालय को यह नोटिस दिया। गौरतलब है कि टीएमसी के सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं और न ही वे इस नोटिस का हिस्सा हैं।

लोकसभा में राहुल गांधी को न बोलने देने का आरोप लगाते हुए विपक्ष हंगामा कर रहा है। दरअसल 2 फरवरी को राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान पूर्व सेना प्रमुख की अप्रकाशित किताब में कथित तौर पर लिखी गई बातों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। हालांकि सरकार ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार के दबाव में लोकसभा स्पीकर ने राहुल गांधी को सदन में नहीं बोलने दिया। इसके बाद 4 फरवरी को पीएम मोदी का लोकसभा में संबोधन होना था, लेकिन इसे टाल दिया गया। अगले दिन लोकसभा स्पीकर ने कहा कि कई विपक्षी सांसदों का सदन में व्यवहार उग्र और लोकतांत्रिक गरिमा के अनुरूप नहीं था। ऐसे में प्रधानमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए उनका संबोधन रद्द कर दिया गया। विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर के दावे को खारिज कर दिया और स्पीकर के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई।

अविश्वास प्रस्ताव पर फैसला होने तक सदन में नहीं आएंगे स्पीकर ओम बिरला

नयी दिल्ली : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नैतिक आधार पर फैसला किया है कि वह अपने खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के निपटारे तक सदन में नहीं जाएंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उनका यह कदम कांग्रेस की ओर से आज उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के बाद आया। लोकसभा अध्यक्ष ने सदन के सचिव को निर्देश दिया कि वह उनके खिलाफ अविश्वास नोटिस की समीक्षा करें और उपयुक्त कार्रवाई करें। वहीं, भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया।

मरांग बुरु पारसनाथ में 'बाहा पर्व' को लेकर मुख्यमंत्री को दिया गया आमंत्रण

रांची : मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय, कांके रोड में मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मरांग बुरू जुग जाहेर बाहा बोंगा समिति, गिरिडीह के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को मरांग बुरू पारसनाथ में 18 से 21 फरवरी 2026 तक आयोजित होने वाले धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व के 'बाहा पर्व' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया। इस अवसर पर मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, दर्जा प्राप्त मंत्री फागू बेसरा एवं मरांग बुरू जुग जाहेर बाहा बोंगा समिति के मुख्य संरक्षक विष्णु किस्कू, संरक्षक महावीर मुर्मू, नाइके बाबा चंदूलाल टुडू, मांझी हड़ाम राजेश किस्कू, सुनील मुर्मू, संयोजक सुशील मुर्मू, मरंग गुरू संस्थान के अध्यक्ष शनिचर बेसरा, पूर्व जिला परिषद सदस्य माइनों हेंब्रम एवं समिति के सदस्य सुधीर बास्के, फागु मरांडी, सुरेश हेंब्रम, राजेश सोरेन, बाबूलाल सोरेन, हीरालाल टुडू, विनोद सोरेन सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अभिनेता रणवीर सिंह को धमकी भरा मैसेज, करोड़ों की फिरौती मांगी

मुंबई : अभिनेता रणवीर सिंह को धमकी मिलने की खबर सामने आई है। इसके बाद उनपर खतरा मंडराता हुआ नजर आ रहा है। इसको देखते हुए पुलिस ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है। रणवीर सिंह को वाट्सएप मैसेज के जरिए धमकी मिली है। उनसे करोड़ों रूपए की फिरौती की मांग की गई है। पुलिस के अनुसार, रणवीर सिंह को उनके व्हाट्सएप पर एक वॉइस नोट प्राप्त हुआ है।

जेपी नड्डा और इरफान अंसारी ने दिखाई एकजुटता, झारखंड में एमडीए अभियान शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में फाइलेरिया के खिलाफ एक व्यापक और सुनियोजित अभियान की मंगलवार को औपचारिक शुरूआत हो गई। राज्य के 14 जिलों में लागू मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम का वर्चुअल शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने किया। यह अभियान न केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की सक्रियता को दर्शाता है, बल्कि उस अदृश्य बीमारी से निर्णायक टकराव का संकेत भी देता है, जिसने वर्षों से समाज के कमजोर तबकों को चुपचाप प्रभावित किया है।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर लेकिन रोकी जा सकने वाली बीमारी है और इसके उन्मूलन के लिए सामूहिक जिम्मेदारी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत राज्य के 91 प्रखंडों में लगभग एक करोड़ 75 लाख लोगों को फाइलेरिया रोधी दवाएं दी जाएंगी। 11 जिलों में डीईसी और अल्बेंडाजोल, जबकि कोडरमा, पाकुड़ और सिमडेगा में डीईसी, अल्बेंडाजोल और आइवरमेक्टिन की तीन दवाओं का सेवन कराया जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी बूथों और घर-घर जाकर लोगों को निःशुल्क दवाएं खिलाएंगे। दो वर्ष से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती महिलाएं और गंभीर रूप से बीमार लोगों को छोड़कर सभी को स्वास्थ्यकर्मियों की निगरानी में दवा लेनी होगी और दवाएं खाली पेट नहीं ली जाएंगी।

भारत ने सऊदी अरब के 'वर्ल्ड डिफेंस शो' में दिखाई स्वदेशी हथियारों की ताकत

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने 'इंडिया पवेलियन' का किया उद्घाटन

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारत ने सऊदी अरब के रियाद में हुए वर्ल्ड डिफेंस शो में स्वदेशी हथियारों के जरिए अपनी ताकत दिखाई है। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने इंडिया पवेलियन का उद्घाटन किया, जिसमें भारत में बने हथियारों का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने सऊदी अरब के रक्षा उद्योगों और रक्षा मंत्रालय की प्रदर्शनी का भी दौरा किया, ताकि उनकी स्वदेशी तकनीक की समीक्षा की जा सके।

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ रियाद में 8-9 फरवरी को हुए वर्ल्ड डिफेंस शो में हिस्सा लेने गए थे। उन्होंने सऊदी अरब के सहायक रक्षा मंत्री डॉ. खालिद बिन हुसैन अल-बियारी के साथ दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने सऊदी अरब जनरल अथॉरिटी फॉर डिफेंस डेवलपमेंट के गवर्नर डॉ. फलेह बिन अब्दुल्ला अल-सुलेमान से भी मुलाकात की और भारत के वैश्विक निर्यात केंद्र के तौर पर उभरने पर जोर दिया। मंत्री संजय सेठ ने सऊदी अरब के अधिकारियों को भारत का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया, ताकि रक्षा प्रौद्योगिकी के विकास पर चर्चा की जा सके। रक्षा राज्यमंत्री ने सऊदी अरब के जनरल अथॉरिटी ऑफ मिलिट्री इंडस्ट्रीज के गवर्नर अहमद बिन अब्दुल अजीज अल ओहाली से मुलाकात की और सामरिक सहयोग तथा दोनों देशों के सप्लाई चेन इकोसिस्टम को मजबूत करने के बारे में चर्चा की। उन्होंने भारत की रक्षा क्षमताओं का सीधा अनुभव लेने के लिए एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल के भारत दौरे का भी प्रस्ताव रखा। भारतीय दूतावास में भारतीय और सऊदी डिफेंस कंपनियों के प्रमुखों को दिए अपने भाषण में रक्षा राज्यमंत्री ने डिफेंस जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए भारत और सऊदी अरब के बीच संयुक्त सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' विजन के तहत भारत की प्रतिबद्धता जताई।

साइबर सुरक्षा देश की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा : शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के एक कार्यक्रम में कहा कि साइबर सुरक्षा अब केवल तकनीकी मुद्दा नहीं रह गया है बल्कि यह देश की आंतरिक सुरक्षा से सीधे तौर पर जुड़ चुका है। देश के डेटा को हर हाल में सुरक्षित करना होगा।

सीबीआई ने आयोजित साइबर सक्षम धोखाधड़ी से निपटने और उसके पूरे तंत्र को ध्वस्त करने के विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन यहां 10 और 11 फरवरी तक चलेगा। इस अवसर पर गृह मंत्री ने सीबीआई के नए साइबर अपराध प्रकोष्ठ का उद्घाटन किया। साथ ही भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) के अंतर्गत स्टेट साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (एस4सी) डैशबोर्ड की भी शुरूआत की।

इस मौके पर गृह मंत्री ने कहा कि यह दोनों ऐसी इकाइयां हैं, जिसमें अलग-अलग विभाग और एजेंसियां एक ही प्लेटफॉर्म पर साइबर अपराध से निपटने के लिए काम कर रही हैं। जब सभी प्रयास एक दिशा में होते हैं, तभी अपेक्षित परिणाम मिलते हैं। पिछले 11 वर्षों की भारत की डिजिटल यात्रा में साइबर सुरक्षा सबसे अहम विषय बनकर उभरी है।

अमित शाह ने कहा कि पहले देश में डिजिटल सेवाओं के करीब 25 करोड़ उपयोगकर्ता थे, जो अब 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुके हैं। एक जीबी डेटा की कीमत में करीब 97 प्रतिशत की कमी आई है। दुनिया के हर दूसरे डिजिटल लेन-देन भारत में हो रहे हैं। 97 करोड़ से अधिक जनधन खातों और देश के संगठनों के

संवेदनशील डेटा की सुरक्षा अब बड़ी चुनौती है।

गृह मंत्री ने बताया कि हाल के वर्षों में सीबीआई ने 20 हजार करोड़ रुपये के बैंक फ्रॉड मामलों की जांच की है, जिनमें से 8 हजार करोड़ रुपये की राशि को फ्रीज किया गया है। इसके अलावा 12 लाख सिम कार्ड रद्द करवाए गए हैं। वर्ष 2025 तक 20 हजार 853 साइबर अपराधियों को पकड़ा गया है।

उन्होंने कहा कि 30 नवंबर 2025 तक देशभर से 23 लाख 61 हजार साइबर शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें एक मामला अकेले 20 हजार करोड़ रुपये के फ्रॉड से जुड़ा था, जिसमें 8 हजार करोड़ रुपये फ्रीज किए गए। दिसंबर 2025 तक 12 लाख सिम कार्ड ब्लॉक किए जा चुके हैं। अमित शाह ने म्यूल अकाउंट (धोखाधड़ी के उद्येश्य से बनाये गए फर्जी खाते) की समस्या पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज म्यूल खाते सर्विस की तरह खरीदे और बेचे जा रहे हैं। रिजर्व बैंक और गृह मंत्रालय ने मिलकर म्यूल अकाउंट हंटर ऐप तैयार किया है, जिसे सभी सरकारी और निजी बैंकों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 1930 हेल्पलाइन को और अधिक प्रभावी बनाना होगा। रिस्पांस टाइम बेहद कम होना चाहिए। यदि कोई पीड़ित समय पर कॉल करता है और कॉल रिसीव नहीं होती तथा उसका पैसा निकल जाता है, तो इससे 1930 की साख प्रभावित होती है। हर घंटे करीब 100 लोग साइबर अपराध के शिकार हो रहे हैं और जांच की गति को लगातार तेज किया जा रहा है।

गृह मंत्री ने बताया कि अब तक आई4सी से 795 संस्थान जुड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि सभी संस्थानों को मिलकर काम करना होगा। यदि पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए, तो साइबर अपराध भविष्य में साइबर संकट का रूप ले सकता है।

भारत और सेशेल्स ने हिंद महासागर क्षेत्र में द्विपक्षीय रक्षा संबंध बढ़ाने पर जोर दिया

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारत यात्रा पर आए रिपब्लिक ऑफ सेशेल्स के विदेश मंत्री जनरल माइकल एंसेलम मार्क रोसेट से मंगलवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने नई दिल्ली में मुलाकात की। दोनों पक्षों ने रक्षा सहयोग मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने भारत और सेशेल्स के बीच बढ़ते रक्षा और सुरक्षा सहयोग की समीक्षा करने के साथ ही हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा में योगदान देने और द्विपक्षीय रिश्ते बढ़ाने पर जोर दिया।

दोनों पक्षों ने भारत और सेशेल्स के सशस्त्र बलों के बीच होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास 'लामित्ये' और क्षमता निर्माण पहल का भी स्वागत किया और संबंध मजबूत

करने पर सहमत हुए। वार्ता के दौरान प्रशिक्षण, हाइड्रोग्राफी, जहाजों और एयरक्राफ्ट विजिट्स, डिफेंस डेलीगेशन विजिट्स और मैरीटाइम सिक्योरिटी के फील्ड में कोऑपरेशन पर भी चर्चा हुई। रक्षा सचिव ने अंतरराष्ट्रीय बेड़े की समीक्षा के साथ-साथ अगले हफ्ते विशाखापट्टनम में होने वाले समुद्री अभ्यास 'मिलन' में सेशेल्स की तरफ से हिस्सा लेने का स्वागत किया। दोनों पक्षों ने सभी क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए आपसी और समग्र उन्नति पर भी चर्चा की, जो भारत का सभी क्षेत्रों में समावेशी, सहयोगी और टिकाऊ सुरक्षा और विकास का विजन है। उन्होंने साझा चुनौतियों, खासकर समुद्री क्षेत्र, क्षमता निर्माण और विकास साझेदारी से निपटने के लिए मिलकर काम करने के तरीके के महत्व पर जोर दिया।

एक नजर

नगर भवन में मोटिवेशनल सह कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बरही : नगर भवन में श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के तत्वाधान में बच्चों के उज्वल भविष्य को दिशा देने हेतु एक भव्य मोटिवेशनल सह कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय ड्रीम बिग सीबीएसई टुडे, आईएएस-आईपीएस टुमॉरो रखा गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि गुरुकुल के निदेशक जेपी जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक राकेश कुमार ने की, जबकि संचालन का दायित्व अमरजीत पांडेय ने बखूबी निभाया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके पश्चात मुख्य अतिथि को बुके, शॉल एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। अपने प्रेरणादायी संबोधन में मुख्य अतिथि जेपी जैन ने कहा कि शिक्षण संस्थान की स्थापना और शिक्षा देना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। उन्होंने शिक्षा को समाज निर्माण की आधारशिला बताते हुए कहा कि जैसे मूर्तिकार मूर्ति गढ़ता है, शिल्पकार शिल्प रचता है और जौहरी हीरे को तराशता है, उसी प्रकार शिक्षक विद्यार्थियों के भविष्य का निर्माण करते हैं। जेपी जैन ने छात्रों को परीक्षा की तैयारी के महत्वपूर्ण टिप्स देते हुए कहा कि दसवीं की परीक्षा में उत्तर इतने सुंदर और प्रभावशाली लिखें कि परीक्षक को यह महसूस हो कि परीक्षार्थी ने पूरे मनोयोग से अध्ययन किया है ।

बड़कागांव प्रखंड में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की गई बैठक

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की की गई बैठक इस बैठक में मुख्य रूप से संगठन को मजबूत करने और बड़कागांव की जनता की आवाज बनने का निर्णय किया गया। बैठक में यहां भी कहा गया कि बड़कागांव कि जन समस्या को समाधान करने का हर समय प्रयास किया जाएगा यह संगठन ने निर्णय लिया संगठन ने अगला बैठक की तिथि 16 फरवरी 2026 को बड़का गांव हाई स्कूल ग्राउंड में करने का निर्णय लिया मौके पर उपस्थित सक्रिय सदस्य विजय साहू, जिला उपध्यक्ष दिलेश्वर महतो,जिला संगठन मंत्री अनिल राज, जिला प्रवक्ता ईश्वर कुमार, प्रखंड अध्यक्ष अशोक महतो, सक्रिय सदस्य राजबल प्रसाद,विकास कुमार, प्रदीप महतो, रमन महतो, दीपक कुमार, सुरेंद्र राणा उपस्थित थे।

जिला स्तरीय किसान मेला सह फसल प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड मैदान में मंगलवार को जिला स्तरीय कृषि मेला सह फसल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि विधायक मनोज कुमार, जिला जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, एसडीओ जोहन टुड्डू, जिला कृषि पदाधिकारी रायमनी हेंब्रम, बरही प्रखंड प्रमुख मनोज रजक, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर एवं स्थानीय मुखिया संघ अध्यक्ष विजय यादव शामिल हुए। जहां सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित एवं फीता काटकर कृषि मेला का उद्घाटन किया। इस दौरान विधायक ने कृषि मेले में लगे स्टॉलो का निरीक्षण कर जायजा लिया तथा मेले में प्रदर्शित कृषि उपकरण, तकनीकी नवाचार, जैविक

उत्पादों, फसलों, फल, फूल और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। साथ ही इस कृषि मेले में कई लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। चौपारण के रामपुर पैक्स, बरकट्ठा के जेएसएलपीएस एवं बरही के जेएसएलपीएस के दीदियों के बीच ट्रैक्टर की चाभी सौंपी गई। साथ ही इस कृषि मेले में जिला के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे 108 किसानों के बीच उत्कृष्ट उत्पाद के लिए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विधायक ने कहा कि इन स्टालों के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और संसाधनों की जानकारी मिल रही है, जो किसानों के उत्पादन को बढ़ाने और लागत कम करने में सहायक होगी। साथ ही कहा कि यह मेला किसानों के लिए नयी तकनीकों, जैविक खेती और मत्स्य पालन में उन्नति के अवसर प्रदान करेगा। जिला जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव ने कहा कि तकनीकी ढंग से खेती करने की सलाह पर अमल करें तो किसान अधिक लाभान्वित होंगे। मुखिया संघ अध्यक्ष विजय यादव ने कहा कि कृषि मेला का उद्देश्य तकनीक, उन्नत बीज, मशीनरी और सरकारी योजनाओं से सीधे रूबरू कराना है। यह मेला खेती में नवाचार को बढ़ावा देने, उत्पादकता बढ़ाकर किसानों की आय दोगुनी करना है। मौके पर जिप सदस्या प्रीति गुप्ता, भाजपा नेता भगवान केशरी, कृषि एवं विभागीय पदाधिकारी, जिला के सभी प्रखंडों के बीटीएम एवं एटीम समेत सैकड़ों किसान मित्र मौजूद थे।

लोकनाथ महतो ने की राजईशु होम्स प्राइवेट लिमिटेड का उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग रोड स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक के ऊपर तल्ले में राजईशु होम्स प्राइवेट लिमिटेड का उद्घाटन पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार एवं समाजसेवी गंगा सावा ने फीता काटकर किया। मौके पर संचालक दुलारचंद कुमार उर्फ अरुण ने बताया कि यह संस्था प्रॉपर्टी क्रय - विक्रय एवं निवेश करने का काम करेगी जिससे यहां के लोगों को आसान होगा। पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि अगर इस तरह की संस्था यहां खुलता है तो भोले - भाले ग्रामीणों को खरीद-बिक्री करना आसान होगा। गंगा साव ने कहा कि आज कल लोगों को जमीन लेने एवं भवन बनाने के लिए हजारीबाग जाना पड़ता था, लेकिन अब या संस्था बड़कागांव में स्थापित होने से बड़कागांव केरेडारी के लोगों

को आसान होगा। कोई व्यक्ति अगर जमीन लेना चाहे या भवन लेना चाहे तो बड़कागांव के इस ऑफिस से संपर्क कर सकते हैं। मौके पर पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार,पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर, समाजवसेवी गंगा साव, सोनू इराकी, रोशन ठाकुर, दशरथ साव, दुलार चंद उर्फ अरुण,शंकर राणा ,सुखदेव राणा, निरंजन यादव ,प्रवीण महतो, उमेश महतो, दिनेश राणा, विजय महतो, अजीत कुमार, सुनील करमाली, संदीप कुमार ,कमलेश कुमार, सुरेंद्र कुमार, मनोज पांडेय, लक्ष्मी कुमारी,नेहा कुमारी आदि मौजूद थे।

बड़कागांव के नंदनी ज्वेलर्स में हुए लुटकांड व गोलीबारी को लेकर पीड़ित परिवार से मिले विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : 7 फरवरी को बड़कागांव दैनिक बाजार दुर्गा मंदिर के समीप नंदिनी ज्वेलर्स में हुई 25 लाख के जेवरात की लूट व गोलिबारी को लेकर बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने पीड़ित प्रभु सोनी एवं उनके परिवार वालो से मिले। पीड़ित परिवार वालों नें विधायक के समक्ष घटना कि आप बीती सुनाई। जिसके बाद घटना का जायजा लेते हीं विधायक नें बड़कागांव डीएसपी एवं हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन को तुरंत ही फोन कर आरोपियों कि जल्द गिरफ्तारी की मांग की। जिसपर एसपी ने कहा कि बड़कागांव डीएसपी और थाना प्रभारी से लगातार बातें हो रही है जल्द ही इस मामले का उद्वेदन कर दिया जाएगा। साथ हीं व्यापारियों को

आश्वासन देते हुए कहा कि बड़का गांव में इतनी बड़ी घटना घट जाना निंदा की बात है पूरे बड़का गांव विधानसभा में जल्द ही सुरक्षा कड़ी कर दी जाएगी । फिलहाल सीसीटीवी और अन्य सभी पहलु पर जांच की जा रही है। जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी हो जाएगी। वहीं क्षेत्र में पुलिस की ओर ज्यादा गश्त बढ़ाई जाएगी। जेवरात की लूट एवं दीनदहाड़े गोलिबारी की वारदात के बाद बड़कागांव के कारोबारियों और पीड़ित परिवार के लोगों ने विधायक रौशन लाल चौधरी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इसके अलावा एसपी ने उचित सुरक्षा का भरोसा दिलाया। मौके पर शामिल लोगों में मुख्य रूप से आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाह, आजसू नेता शशि मेहता, पूर्व मुखिया विष्णु रजक, तपेश्वर कुमार तापस, रुपेश वर्मा, सरोज सोनी, धीरेंद्र सोनी, अमित महतो, लक्ष्मी सोनी, संदीप सोनी, आदित्य विश्वकर्मा, संतोष विश्वकर्मा, दीपक ठाकुर, पंकज कुमार, दिनेश कुमार, प्रकाश सोनी सहित अन्य दर्जनों लोग शामिल थे।

बड़कागांव में इंडियन ओवरसीज बैंक नए शाखा का हुआ उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग रोड स्थित रिलायंस ट्रेंड्स के बगल में इंडियन ओवरसीज बैंक के नए बैंक शाखा का शुभारंभ हुआ। वहीं बैंक की 90 वां स्थापना दिवस भी मनाया गया । स्थापना दिवस अवसर पर पूरे देश में एक साथ 90 बैंकों का शुभारंभ हुआ। हालांकि इसके पूर्व पूरे देश में 3500 से अधिक इंडियन ओवरसीज बैंक की शाखा संचालित है। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि इंडियन ओवरसीज बैंक रीजनल मैनेजर मनीष कुमार एवं पूर्व विधायक लोकनाथ महतो के हाथों फीता काटकर एवं भीमराव अंबेडकर तथा बैंक के संस्थापक एम सीटी एम चिदंबरम चटिआर की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

मौके पर रीजनल मैनेजर मनीष कुमार ने कहा कि बेहतर भविष्य के लिए सेविंग बहुत जरूरी है। बैंक आपके विश्वास पर खड़ा उतरेगी खाता खुलाएं अपने भविष्य को सवांरे। वहीं पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि आज के समय में बैंक के बिना कोई काम नहीं होता है। मैं बैंक कर्मियों से अपील करता हूं कि जनता के बीच अपना व्यवहार एवं अपने विश्वास को बनाएं रखना अत्यंत जरूरी है। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से विधायक रोशन लाल चौधरी, शाखा प्रबंधक विकास कुमार, केनरा बैंक प्रबंधक शशि कुमार बागे, सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, हजारीबाग शाखा मैनेजर आशीष कुमार, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह, दिनेश सिन्हा, सोहनलाल मेहता, मनोज दांगी, पंसस कृष्णा राम ,बैजनाथ महतो, कृष्ण प्रसाद, अरुण प्रसाद, राजकिशोर प्रसाद, वीरेंद्र प्रसाद ,कमलेश श्रीवास्तव, सुरेंद्र महतो, सूरज कुमार, रंजीत पंडित, के अलावा दर्जनों लोग उपस्थित थे।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नामांकन को लेकर अहम बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, मानगढ़ चौपारण में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के नामांकन को लेकर विद्यालय प्रबंधन समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने की, जबकि संचालन विद्यालय की सहायक शिक्षिका संघमित्रा कुमारी ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि छात्राओं का नामांकन सरकार द्वारा निर्धारित पात्रता एवं दिशा-निदेर्शों के अनुरूप पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से किया जाएगा। साथ ही यह भी तय किया गया कि नामांकन प्रक्रिया मार्च माह के भीतर हर हाल में पूर्ण कर ली जाएगी, ताकि क्षेत्र की कोई भी जरूरतमंद एवं योग्य छात्रा नामांकन से वंचित न रह जाए। बैठक के दौरान विद्यालय परिसर में निमार्णाधीन चहारदीवारी की गुणवत्ता पर असंतोष व्यक्त किया गया तथा संबंधित विभाग के कार्यपालक

अभियंता से संपर्क कर सुधारात्मक कार्रवाई कराने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा छात्राओं की भोजन व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए रोटी मेकर की आवश्यकता पर चर्चा हुई, जिस पर विधायक निधि से रोटी मेकर उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई। इसके साथ ही विद्यालय की अन्य आवश्यकताओं, संसाधनों की कमी एवं छात्राओं से जुड़ी समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई तथा सभी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने पर सहमति बनी। बैठक में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास हेतु मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

रॉयल ऑर्किड इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने किया आईसीएआर गोरियाकरमा का भ्रमण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : रॉयल ऑर्किड इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने आईसीएआर गोरिया करमा का भ्रमण कर संस्थान से संबंधित जानकारी प्राप्त की। संस्थान हेड डॉ एसके मल्होत्रा के निर्देशन में बच्चों ने संस्थान का भ्रमण किया और जायजा लिया।

भ्रमण का उद्देश्य

यह शैक्षिक भ्रमण निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखकर आयोजित किया गया था: छात्रों को कृषि अनुसंधान एवं नवाचार की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना। आधुनिक कृषि तकनीकों, फसल प्रबंधन तथा सतत कृषि के प्रति समझ विकसित करना।

वास्तविक परिस्थितियों के माध्यम से अवलोकन एवं विश्लेषणात्मक कौशल का विकास करना।

भ्रमण का विवरण

विद्यालय का दल प्रातः 11:00 बजे आईसीएआर परिसर पहुँचा, जहाँ डॉ. एस. के. मल्होत्रा द्वारा

सभी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। भ्रमण के दौरान निम्नलिखित गतिविधियां शामिल रहीं:

अनुसंधान प्रयोगशालाओं, प्रायोगिक खेतों एवं ग्रीनहाउस का निर्देशित भ्रमण। मृदा परीक्षण, फसल संकरण तथा कृषि यंत्रों से संबंधित प्रदर्शन। वैज्ञानिकों के साथ संवादात्मक सत्र, जिसमें कृषि नवाचारों एवं करियर के अवसरों पर चर्चा हुई। प्रश्नोत्तर सत्र, जिसमें छात्रों ने कृषि एवं अनुसंधान पद्धतियों से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

प्रमुख अवलोकन एवं सीख

छात्रों ने मृदा उर्वरता प्रबंधन एवं जल संरक्षण की उन्नत तकनीकों का अवलोकन किया।

"सेवा ही श्रेष्ठ साधना है", विहिप के सेवा प्रकल्प में छात्रों के बीच नवीन वस्त्रों का हुआ वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : "सेवा ही श्रेष्ठ साधना है, जो मानव को देवत्व की ओर ले जाती है और उपयुक्त समय आने पर ईश्वर के दर्शन का माध्यम बनती है।" इस पवित्र विचार को धरातल पर उतारते हुए विश्व हिंदू परिषद हजारीबाग के सेवा प्रकल्प 'बिरसा विद्या मंदिर', डेमोटांड़ में एक भव्य वस्त्र वितरण समारोह संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के माध्यम से न केवल छात्रों की सहायता की गई, बल्कि समाज में सेवा और समरसता का संदेश भी प्रसारित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रभक्ति के गीतों और सेवा के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बरही के क्षेत्रीय पदाधिकारी एवं सेवा प्रमुख श्री त्रिवेणी साहू जी मुख्य रूप से

उपस्थित रहे। उनके साथ विहिप के प्रांत संगठन मंत्री श्री चितरंजन जी ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में सह जिला मंत्री गुरुदेव गुप्ता, पूर्णकालिक कार्यालय प्रभारी संजय सिंह जी और संघ के प्रथम वर्ग प्रशिक्षित श्री रंजीत चंद्रवंशी जी ने भी अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। अतिथियों का स्वागत विद्यालय प्रबंधन और स्थानीय कार्यकताओं द्वारा किया गया। छात्रों के चेहरों पर बिखरी मुस्कान समारोह के दौरान विद्यालय में अध्ययनरत दर्जनों छात्रों के बीच नवीन वस्त्रों का वितरण किया गया। नए कपड़े पाकर बच्चों के चेहरों पर जो संतोष और प्रसन्नता दिखी, उसने कार्यक्रम के उद्देश्य को सार्थक कर दिया। उपस्थित पदाधिकारियों ने अपने हाथों से बच्चों को उपहार स्वरूप वस्त्र भेंट किए और उन्हें मन लगाकर शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित किया। संबोधन के दौरान प्रांत संगठन मंत्री श्री चितरंजन जी ने कहा कि सेवा कार्य केवल मदद नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारा कर्तव्य है। उन्होंने बिरसा विद्या मंदिर जैसे प्रकल्पों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संस्थान ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा की अलख जगाने के साथ-साथ संस्कारों का भी बीजारोपण कर रहे हैं। त्रिवेणी साहू जी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। संघ और परिषद का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज के उत्थान के लिए समर्पित है और भविष्य में भी इस तरह के सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रशासन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भारी संख्या में स्थानीय गणमान्य व्यक्ति और संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित थे, जिन्होंने इस पुनीत कार्य की सराहना की।

संक्षिप्त खबरें

चौपारण में संपूर्णता अभियान 2.0 का आगाज, शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति का संकल्प

चौपारण : आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के अंतर्गत संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ मंगलवार को प्रखंड सभागार में किया गया। अभियान का उद्देश्य स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, शिक्षा, पशु टीकाकरण एवं कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निर्धारित छह नीति सूचकांकों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करना है। यह अभियान 28 जनवरी 2026 से 14 अप्रैल 2026 तक मिशन मोड में संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य कर लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छ पेयजल व कार्यरत शौचालय तथा विद्यालयों में छात्राओं के लिए शौचालय की उपलब्धता को प्राथमिकता बताया। इसके लिए डीएमएफटी, 15वें वित्त एवं मनरेगा फंड से आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। कार्यक्रम की शुरूआत बीडीओ नितेश भास्कर, बीईओ राकेश कुमार, मुखिया संघ अध्यक्ष बीरेंद्र यादव व अन्य मुखियाओं द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद सभी पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को अभियान की सफलता हेतु शपथ दिलाई गई। बीईओ राकेश कुमार ने बताया कि प्रखंड के 161 विद्यालयों में छात्राओं के लिए शौचालय की व्यवस्था 14 अप्रैल तक सुनिश्चित की जाएगी। वहीं पशुपालन विभाग द्वारा अगले सप्ताह से पंचायतवार शिविर लगाकर पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा। बाल विकास परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय व पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। मौके पर नीति आयोग के कर्मी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं मुखिया उपस्थित थे।

बड़कागांव के नंदनी ज्वेलर्स में हुए लुटकांड व गोलीबारी को लेकर पीड़ित परिवार से मिले अंबा प्रसाद

बड़कागांव : 7 फरवरी को बड़कागांव दैनिक बाजार दुर्गा मंदिर के समीप नंदिनी ज्वेलर्स में हुई 25 लाख के जेवरात की लूट व गोलिबारी को लेकर बड़कागांव पुर्व विधायक अंबा प्रसाद ने पीड़ित प्रभु सोनी एवं उनके परिवार वालो से मिले ।पीड़ित परिवार वालों नें पुर्व विधायक अंबा प्रसाद के समक्ष घटना कि आप बीती सुनाई। जिसके बाद घटना का जायजा लेते ही पुर्व विधायक ने हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन को तुरंत ही फोन कर आरोपियों कि जल्द गिरफ्तारी की मांग की ।जिस पर एसपी ने कहा कि बड़कागांव डीएसपी और थाना प्रभारी से लगातार बातें हो रही है जल्द ही इस मामले का उद्वेदन कर दिया जाएगा। साथ ही व्यापारियों को आश्वासन देते हुए कहा कि बड़कागांव में इतनी बड़ी घटना घट जाना निंदा की बात है पूरे बड़कागांव विधानसभा में जल्द ही सुरक्षा वयवस्था कड़ी कर दी जाएगी ।फिलहाल सीसीटीवी और अन्य सभी पहलु पर जांच की जा रही है ।जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी हो जाएगी। वहीं क्षेत्र में पुलिस की ओर ज्यादा गशती बढ़ाई जाएगी ।जेवरात की लूट एवं दीनदहाड़े गोलिबारी की वारदात के बाद बड़कागांव के कारोबारियों और पीड़ित परिवार के लोगों ने पुर्व विधायक अंबा प्रसाद से कड़ी कार्रवाई की मांग की है ।इसके अलावा एसपी ने उचित सुरक्षा का भरोसा दिलाया ।मौके पर शामिल लोगों में मुख्य रूप से मुखिया तकरीमउल्लाह खान , बड़कागांव पूर्वी जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि सह समाज सेवी दीपक करमाली,कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, गौतम कुशवाहा , रंजीत सिंहा सहित अन्य दर्जनों लोग शामिल थे।

चौरसिया जूस कॉर्नर का हुआ शुभारंभ

बड़कागांव : बड़कागांव हजारीबाग रोड के बैंक ऑफ इंडिया के बगल में चौरसिया जूस कॉर्नर का शुभारंभ मुखिया संघ के अध्यक्ष मंडल सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, पूर्व मुखिया पारसनाथ प्रसाद अपने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। मौके पर मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार ने कहा कि चौरसिया जूस कॉर्नर खुल जाने से आम लोगों को जूस पीकर अपने स्वास्थ्य बनाने में सहूलियत मिलेगा ।लोगों को जूस पीने के लिए इधर-उधर जाना पड़ता था। अब चौक पर जूस कॉर्नर हो जाने से नागरिकों को लाभ मिलेगा। वहीं चौरसिया जूस कॉर्नर के संचालक ब्रह्मदेव कुमार चौरसिया ने कहा कि हमारे यहां सभी प्रकार के जूस उपलब्ध है हम मिलावटी जूस नहीं देते हैं। शुद्धता ही हमारी पहचान है। मौके पर मुख्य रूप से आजसू केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष रवि राम, कांग्रेस के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, दिनेश सिंहा , विनोद राम, कांग्रेस युवा नेता गौतम कुशवाहा, शिवम कुमार , सत्यम कुमार, पप्पू प्रजापति,रवि चौरसिया ,सोनाली चौरसिया ,मुन्नी देवी ,आरती चौरसिया सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक क्विंटल जावा महुआ किया नष्ट, अवैध शराब कारोबार पर शिकंजा

बड़कागांव : बड़कागांव जिला प्रशासन के निर्देश पर सीकरी ओपी क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, के भंडारण एवं बिक्री के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सीकरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 100 किलोग्राम जावा महुआ जब्त कर उसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया । सोमवार की अहले सुबह सीकरी ओपी प्रभारी राम कुमार राम के नेतृत्व में पुलिस बल ने सीकरी गांव में छापेमारी की। इस दौरान गांव में अवैध रूप से संग्रहित जावा महुआ एवं शराब बनाने की भट्ठियों को चिन्हित कर पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी के अलावें अजय कुमार भगत समीर ओझा परमानंद प्रभात कुमार सहित सशस्त्र पुलिस बल की अहम भूमिका रही। पुलिस की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। थाना प्रभारी राम कुमार राम ने बताया कि नगर निकाय चुनाव को ध्यान में रखते हुए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

एक नजर

झारखंड के विभिन्न जिलों में 11 फरवरी से बादल छाने की संभावना

रांची : झारखंड के विभिन्न जिलों में बुधवार और गुरुवार को आंशिक बादल छाने की संभावना है। इससे अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 02 से 03 डिग्री की वृद्धि होगी। यह जानकारी मौसम विभाग ने मंगलवार को दी। मौसम विभाग के अनुसार, 13 फरवरी से मौसम साफ होगा। सुबह में कुहासा छाया रहेगा और बाद में मौसम पूरी तरह से साफ हो जाएगा। विभाग का कहना है कि राज्य भर में अगले दो दिनों में तापमान में बढ़ोत्तरी के बाद अगले तीन दिनों में इसमें 02 डिग्री की गिरावट दर्ज की जाएगी। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 32 डिग्री और सबसे कम तापमान तापमान गुमला में 5 .5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मंगलवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ और मध्यम दर्जे की गति से हवा चली। इन दिनों पछुआ हवाओं के प्रभाव के कारण कई जिलों में तापमान में कमी दर्ज की जा रही है। कई जिलों में अधिकतम तापमान में वृद्धि दर्ज हुई है। इससे राज्य भर में गर्मी और ठंड दोनों की स्थिति बनी हुई है।

191 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ का किया गया आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 191 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया राम सिया राम सिया राम जय जय राम के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। मंदिर के आचार्य ने यजमान सुनील मोदी को अखण्ड ज्योति प्रज्वलित करवाई । पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया। भक्तजन श्री हनुमान जी की आराधना में लीन थे। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मण्डल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया अशोक लड़ियां कोषाध्यक्ष मनोज खेतान आशा मोदी अंकित संकेत ऋषभ हर्ष प्रणव आदि भक्त उपस्थित थे। रंग रंगीलो श्री श्याम फागण अमृत महोत्सव की तैयारियां प्रारंभ श्री श्याम मित्र मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि आगामी 20 फरवरी शुक्रवार से लेकर 28 फरवरी शनिवार तक फागुन महोत्सव को लेकर वृहद पैमाने पर तैयारी की जा रही है ।

माण्डर में आजीविका न्याय सलाह केंद्र का हुआ उद्घाटन

▶ 115 महिला उद्यमियों को मिला करीब 60 लाख रुपये का सीईएफ सहयोग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची जिले के माण्डर प्रखंड में मंगलवार को ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई. माण्डर आजीविका न्याय सलाह केंद्र, एकल सुविधा केंद्र तथा माण्डर आजीविका महिला संकुल संगठन के कार्यालयों का विधिवत उद्घाटन किया गया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में न्याय सलाह केंद्र खोलने को मंजूरी दी गई थी। इस अवसर पर झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर, आर्थिक रूप से सशक्त एवं अधिकार-संपन्न बनाने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं को न केवल रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, बल्कि न्याय एवं विभिन्न सरकारी सेवाओं तक उनकी आसान और सुलभ पहुंच भी सुनिश्चित की जा रही है। डरऋपरियोजना के तहत महिलाओं को आर्थिक संबल कार्यक्रम के दौरान डरऋ परियोजना के अंतर्गत सखी मंडल से जुड़ी 115 महिला उद्यमियों को कुल 59,72,000 की सामुदायिक उद्यम निधि प्रदान की गई। इसके साथ ही लाभुक महिलाओं के बीच आजीविका से जुड़ी विभिन्न परिसंपत्तियों का भी वितरण किया गया। मंत्री ने कहा कि यह सहायता महिलाओं को स्वरोजगार, आर्थिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन की ओर आगे बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगी.न्याय और सेवाओं तक आसान पहुंच का माध्यम बनेंगे केंद्र

मंत्री ने कहा कि आजीविका न्याय सलाह केंद्र और एकल सुविधा केंद्र ग्रामीण महिलाओं के लिए न्याय, आजीविका तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं और सेवाओं तक एकीकृत एवं सुलभ पहुंच उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बनेंगे। कार्यक्रम के दौरान जेंडर शपथ के माध्यम से सामाजिक समानता, सम्मान और जागरूकता का संदेश भी दिया गया।

महिला केंद्रित योजनाएं ग्रामीण विकास की नींव : शिल्पी नेहा तिर्की

इस अवसर पर झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि महिला केंद्रित योजनाएं राज्य के समग्र ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं और इससे गांवों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति सशक्त होगी। कार्यक्रम में जिला एवं प्रखंड स्तर के प्रशासनिक अधिकारी, आजीविका मिशन से जुड़े प्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

झारखंड में 10 हजार करोड़ रुपये गायब बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार से मांगा जवाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में राज्य के खजाने से करीब 10,000 करोड़ रुपये के कथित तौर पर गायब होने के आरोपों को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राज्य सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए। मरांडी ने कहा कि राज्य के वित्त मंत्री द्वारा बार-बार हिसाब मांगे जाने के बावजूद संबंधित विभागों की ओर से कोई जवाब नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वित्त मंत्री के निर्देश पर इस मामले में अधिकारियों को बैठक बुलाने को कहा गया था, लेकिन न तो बैठक हुई और न ही किसी स्तर पर जवाब देना जरूरी समझा गया। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकारी खजाने से लगातार राशि निकाली जा रही है, लेकिन वह पैसा कहां और किस मद में खर्च हुआ, इसका कोई लेखा-जोखा उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से वित्त मंत्री के निर्देशों की खुली अवहेलना की जा रही है, उससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि सरकार की ओर से अधिकारियों को चुप्पी साधने का निर्देश दिया गया है। बाबूलाल मरांडी ने सत्ता के केंद्रीकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस कोटे के मंत्रियों को पूरी तरह पंगु बना दिया गया है और वे अपने-अपने विभागों में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला अब राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन चुका है। मरांडी के अनुसार, मुख्य सचिव द्वारा पिछले तीन महीनों से जांच से जुड़ी फाइल को दबाकर रखना और सरकार की ओर से कोई स्पष्ट जवाब न दिया जाना संदेह को और गहरा करता है।

हुनर है उड़ने की, हर सपने को जीने की.. हां मैं नारी हूं, 38 महिलाओं को मिला नारी सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रविवार को प्रेस क्लब, करमटोली चौक, मोराबादी, रांची में वाम्स इवेंट्स द्वारा नारी सशक्तिकरण का संदेश देने हेतु "नारी सम्मान समारोह" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रांची शहर के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही 38 महिलाओं को सम्मानित किया गया। इससे पूर्व आयोजित छह सीजन में वाम्स इवेंट्स द्वारा 170 से अधिक महिलाओं को सम्मानित किया जा चुका है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. मंजू मिन्ज रहीं।

उद्देश्य और संदेश

वाम्स के डायरेक्टर वसीम आलम ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रही महिलाओं का मनोबल बढ़ाना है, ताकि वे आगे भी समाजहित में प्रेरणादायक कार्य करती रहें। समारोह के दौरान सम्मानित महिलाओं ने अपने संघर्ष और सफलता की कहानियां साझा कीं तथा अन्य महिलाओं को आत्मविश्वास, स्वाभिमान और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य हासिल करने का आह्वान किया।

सम्मानित महिलाएं

रीना अग्रवाल, सोनाली भट्टाचार्य , सुनीता सर्राफ, अंशु माला कर्ण, डॉ. परमिंदर कौर, डॉ. श्वेता प्रिया ,संगीता सिन्हा, श्वेता सिंह,सुशीला लकड़ा ऊषा रानी तिग्गा, वंदना उपाध्याय, रानी सिंह शगुफ्ता यास्मीन,रश्मि एम. खलखो, सिंधु बाला, ममता वर्मा , लक्ष्मी कुमारी, डोमा शेर्पा मनीषा साहू, मारिया साहब, मौसमी कंवल, वंदना लाल, अनुपमा कच्छप, अंतरा दुबे, पद्मा प्रियदर्शिनी, नुसरत परवीन, अफीफा शमीम, डॉ. प्रियंका कुमारी, स्वीटी कुमारी, डॉ. सुष्मिता भांजा, नेहा थापा, महक रानी, गुंजन प्रिया, शिफा सिद्दीकी, सपना कुमारी, अनुरागिनी तिर्की, अमृता टोप्पो, सायका फलक, विशेष अतिथि साधना कुमार झा, हुमा अवधेश, अंकित टीम मेंबर्स, श्वेता शारना, नीलिमा हासा पूर्ति यदि आप चाहें तो मैं इसके लिए एक आकर्षक मुख्य हेडलाइन + सबहेडिंग के 3-4 विकल्प भी तैयार कर दूँ, जिससे खबर और प्रभावशाली लगे।

रांची महापौर पद की उम्मीदवार रोशनी खलको ने पदयात्रा कर किया जनसंपर्क, जनता से समर्थन की अपील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची की महापौर पद की उम्मीदवार रोशनी खलको ने मंगलवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पदयात्रा कर जनता से सीधे संपर्क किया और अपने चुनाव प्रचार को आगे बढ़ाया। रोशनी खलको ने एदलहातु बाबा टेंट हाउस से अपनी पदयात्रा की शुरूआत की और फूचका गलीअंतू चौक, हरिहर सिंह रोड होते हुए रिम्स तक जनसंपर्क किया। पदयात्रा के दौरान उन्होंने लोगों से मिलकर अपने विकास एजेंडे और योजनाओं का विवरण साझा किया। रोशनी खलको ने कहा ₹पदयात्रा के दौरान शहर के हर कोने से जनता का अनंत आशीर्वाद और प्यार मिल रहा है। लगातार मिल रहे आशीर्वाद से यह महसूस हो रहा है कि रांची की जनता ने अपना फैसला सुना दिया है, यह यात्रा रांची के विकास के लिए संकल्पों की यात्रा है। महापौर प्रत्याशी ने जनता को भरोसा दिलाया कि उनकी प्राथमिकताओं में शहर के सीवरेज और ड्रेनेज सिस्टम का सुधार, सभी वार्डों में जल स्त्रोतों का संरक्षण और खेल पार्कों का निर्माण शामिल रहेगा। उन्होंने कहा कि ये कदम रांची को एक स्मार्ट और नंबर वन शहर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण होंगे। इससे पहले मंगलवार सुबह प्रचार वाहन का शुभारंभ रांची से विधायक सी. पी. सिंह ने भगवा झंडा दिखाकर किया। इस मौके पर महापौर प्रत्याशी रोशनी खलको के साथ भाजपा रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, के. के. गुप्ता, और सैकड़ों समर्थक एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रांची में दो सगी बहनें संदिग्ध हालात में लापता, पुलिस ने तेज की तलाश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची से बच्चों के लापता होने के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला रातू थाना क्षेत्र के गोकुलधाम चटकपुर मिलन चौक का है, जहां से 8 फरवरी को दो सगी बहनें संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गईं। लापता बच्चियों की उम्र 16 वर्ष और 12 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस से मिली जानतकारी के अनुसार, 8 फरवरी को दोनों बहनें दुकान जाने की बात कहकर घर से निकली थीं, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटीं। जब काफी समय बीत जाने के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिला, तो परिजन चिंतित हो उठे। परिवार के सदस्यों ने पहले दुकान पर जाकर पूछताछ की, इसके बाद रिश्तेदारों, दोस्तों और आसपास के इलाकों में भी व्यापक खोजबीन की, लेकिन दोनों बच्चियों का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद बच्चियों के पिता सुजीत शर्मा ने रातू थाना में दोनों बेटियों की गुमशुदगी को लेकर लिखित आवेदन दिया। पिता ने पुलिस को बताया कि दोनों बच्चियां अक्टूबर 2025 में बिहार के जहानाबाद स्थित ननिहाल से रांची के रातू क्षेत्र आई थीं। उन्होंने बताया कि छोटी बच्ची कक्षा पांच में पढ़ती है, जबकि बड़ी बच्ची ने वर्ष 2025 में मैट्रिक की परीक्षा पास की है। एक साथ दो बच्चियों के लापता होने से परिवार पूरी तरह खौफजदा है। वहीं, आस-पड़ोस के लोग और स्थानीय निवासी भी इस घटना से दहशत में हैं।

फाइलेरिया रोगमुक्त देश बनाने में सहयोग करें सांसद-विधायक : जेपी नड्डा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

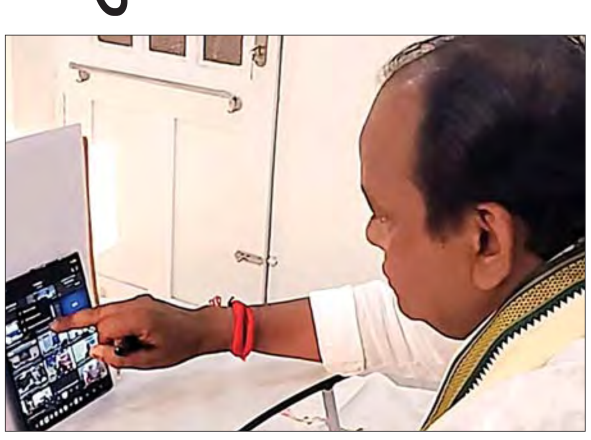

रांची : केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार का लक्ष्य वर्ष 2027 तक देश को पूर्णतः फाइलेरिया मुक्त बनाना है। जिसके लिए सभी जनप्रतिनिधियों मंत्री,सांसद एवं विधायक इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाते हुए लोगों के बीच जागरूकता अभि?यान चलाएं। फाइलेरिया मुक्त अभियान को जन-जन तक फैलाएं। ताकि देशभर से फाइलेरिया का पूरी तरह से खात्मा हो सके। केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश के सभी राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए बोल रहे थे। इसके साथ ही फाइलेरिया के रोकथाम एवं नियंत्रण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

श्री नड्डा ने बताया कि सरकार द्वारा निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं, इसलिए जनता से अपील है कि वे अभियान में शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि झारखंड सरकार इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने केंद्र सरकार से झारखंड के लिए विशेष ध्यान एवं अतिरिक्त वित्तीय सहायता का भी आग्रह किया,ताकि राष्ट्रीय कार्यक्रमों को राज्य में प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। फिलहाल ग्रामीण क्षेत्रों में सहिया कार्यकताओं के माध्यम से प्रचार-प्रसार एवं दीवार लेखन के जरिए जागरूकता बढ़ाई जा रही है। मंत्री अंसारी ने राज्य की प्रगति से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पूर्व में नौ जिलों में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को 100 प्रतिशत सफलता के साथ संचालित किया गया है, जहां व्यापक जागरूकता अभियान, दवा वितरण तथा मच्छर नियंत्रण के उपाय किए गए। सभी सिविल सर्जनों को जन-जागरूकता एवं रोकथाम के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

डीडीसी ने पहले खूद खाई फाइलेरिया की दवा, फिर खिलाई छात्राओं व कर्मियों को

रांची : कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कांके में मंगलवार को जिला स्तरीय फाइलेरिया मुक्ति कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विकास आयुक्त सौरव कुमार भुवानिया ने सबसे पहले खूद फाइलेरिया मुक्ति दवा का सेवन किया। इसके बाद विद्यालय की छात्रा सुषमा कुमारी (17 वर्ष) एवं निशा कुमारी (15 वर्ष) और सदर अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ प्रभात रंजन सहित अन्य स्वाथ्य कर्मी पदाधिकारियों ने दवा का सेवन करवाया। डीडीसी ने जिला के सभी नागरिकों को फाइलेरिया की दवा खाने के लिए अपील की। उन्होंने कहा की दवा पूरी तरह सुरक्षित है। फाइलेरिया का कोई उपचार नहीं है लेकिन दवा लेकर इस समय से पहले रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि रांची के 14 प्रखंड में इसे एलिमिनेट किया जा चुका है, वही चार प्रखंड में इसे खत्म करने करने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा दवा का सेवन कराया जा रहा है। इन चार प्रखंड में 29 फाइलेरिया के एक्टिव केस है। दवा खाकर ही इससे बचाव किया जा सकता है, इसीलिए सभी जिलावासी इस दवा का सेवन अवश्य करें। भुवनिया ने बताया कि फाइलेरिया के विलोपन के लिए सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम (एमडीए) 10 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक रांची के चार प्रखंड राहे, सोनहातू, तमाड़ एवं कांके में अभियान के रूप में चलाया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

रांची में किन्नरों से मारपीट और पुलिस पर गाड़ी चढ़ाने के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

रांची : राजधानी रांची के कचहरी चौक के पास मंगलवार तड़के करीब तीन बजे मारपीट की घटना के बाद पुलिस और आरोपितों के बीच हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा ने इस बाबत बताया कि दो युवकों ने किन्नरों के साथ मारपीट की, जिसमें एक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। एसपी ने बताया कि दोनों आरोपितों ने पहले किन्नरों के साथ मारपीट की और फिर बोलेरो वाहन से उन्हें कुचलने की कोशिश की। विरोध करने पर वहां मौजूद लोगों के साथ भी हाथापाई की गई। घटना के बाद आरोपित वाहन लेकर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने पीछा किया, इस दौरान आरोपितों ने पुलिस वाहन को भी टक्कर मारने का प्रयास किया। एसपी के अनुसार, मांडर थाना क्षेत्र के बरकी गांव की ओर भागते समय पुलिस ने नाकेबंदी कर बोलेरो (नंबर जेएच 01एफडी-5302) को रोकने की कोशिश की, लेकिन आरोपितों ने वाहन तेज गति से चलाते हुए पुलिसकर्मियों को भी नुकसान पहुंचाने की कोशिश की, जिसमें एक होमगार्ड जवान भी घायल हो गया। स्थिति को नियंत्रित करने और आत्मरक्षा में पुलिस की ओर से फायरिंग की गई, जिसमें एक गोली वाहन की आगे की सीट पर बैठे व्यक्ति को लगी। बाद में घायल को अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गुरफान अंसारी (30) और इस्तियाक अंसारी (25), निवासी नगड़ी थाना क्षेत्र रांची के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, इस्तियाक अंसारी के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

सदर अस्पताल में सिकल सेल मरीजों के लिए पेशेंट सपोर्ट ग्रुप वर्कशॉप

रांची : राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन के तहत सदर अस्पताल, रांची के ऑडिटोरियम में मंगलवार को पेशेंट सपोर्ट ग्रुप के लिए एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम ब्लड कोषांग राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और यूनिसेफ झारखंड के संयुक्त सहयोग से संपन्न हुआ। वर्कशॉप में सिकल सेल से पीड़ित लगभग 315 मरीजों और उनके अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में राज्य ब्लड सेल के नोडल पदाधिकारी डॉ प्रमोद कुमार सिंह, डिप्टी डायरेक्टर हेल्थ सर्विसेज व हेमेटोलॉजिस्ट डॉ अभिषेक रंजन, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ विमलेश कुमार सिंह और यूनिसेफ के स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉ वानेश माथुर मौजूद रहे। कार्यशाला का उद्देश्य सिकल सेल रोग से प्रभावित मरीजों और उनके देखभालकताओं को रोग प्रबंधन, नियमित इलाज और मानसिक सहयोग से जोड़ना था। विशेषज्ञों ने समय पर जांच, हाइड्रॉक्सी यूरिया दवा के नियमित सेवन, संतुलित आहार, संक्रमण से बचाव और दर्द की स्थिति में त्वरित इलाज की आवश्यकता पर जानकारी दी। इंटरेक्टिव काउंसलिंग सत्र के दौरान मरीजों और परिजनों ने अपनी समस्याएं साझा कीं, जिनका समाधान विशेषज्ञों द्वारा किया गया। इस अवसर पर जेनेटिक काउंसलिंग, परिवार स्क्रीनिंग और सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी भी दी गई। एनएचएम और यूनिसेफ प्रतिनिधियों ने वर्ष 2047 तक सिकल सेल उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्क्रीनिंग, उपचार और जनजागरूकता को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम का समापन रोगी सहायता समूह को जिला और प्रखंड स्तर तक विस्तारित करने के संकल्प के साथ किया गया, ताकि प्रभावित लोगों को निरंतर चिकित्सा और सामाजिक सहयोग मिल सके।

एक्सआइएसएस और चेंबर के बीच हुआ एमओयू, व्यापारियों को मिलेगा लाभ

रांची: राज्य के उद्योग, व्यापार और कौशल विकास को नई दिशा देने की दिशा में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण पहल की गई। एक्सआइएसएस, रांची और फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के बीच कॉलेज परिसर में एक सहयोग समझौता किया गया। इस एमओयू पर एक्सआइएसएस की ओर से निदेशक फादर जोसेफ मारियानुस कुजूर और चेंबर की ओर से अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने हस्ताक्षर किया। मौके पर चेंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि यह एमओयू राज्यि के उद्योग और व्यापार जगत के लिए बेहद लाभकारी साबित होगा। इससे उद्योगों को स्किल्ड और इंडस्ट्री-रेडी मानव संसाधन उपलब्ध होगा, वहीं युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के बेहतर अवसर मिलेंगे। एमओयू के तहत इंडस्ट्रियल स्किल गैप एनालिसिस, इंडस्ट्री-रेडी पाठ्यक्रम निर्माण, संरचित इंटर्नशिप और प्लेसमेंट, सीएसआर आधारित ग्रामीण विकास, सतत विकास लक्ष्यों पर संयुक्त शोध और नीति-निर्माण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग किया जाएगा। इससे झारखंड के एमएसएमई, उद्योग और व्यापारिक संस्थानों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा। चेंबर अध्यक्ष ने कहा कि चेंबर उद्योग और शिक्षा के बीच की दूरी को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और यह एमओयू राज्य के आर्थिक, सामाजिक एवं औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा। वहीं चेंबर के सह सचिव नवजोत अलंग ने कहा कि यह एमओयू उद्योग और शिक्षा जगत के बीच मजबूत समन्वय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे छात्रों को व्यावहारिक अनुभव और उद्योगों को योग्य मानव संसाधन मिलेगा। सह सचिव रोहित पोद्दार ने कहा कि राज्य आधारित उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप स्किलिंग पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, ताकि राज्य के स्थानीय युवाओं को यहीं पर बेहतर रोजगार और करियर के अवसर उपलब्ध कराए जा सके। उद्योग और शैक्षणिक संस्थान के इस सहयोग से ऐसा कौशल विकास मॉडल तैयार किया जाएगा, जो स्थानीय संसाधनों, उद्योग और मानव क्षमता को जोड़ते हुए झारखंड के आर्थिक विकास को मजबूती देगा।

एक नजर

मतदान पदाधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न

कोडरमा : जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, कोडरमा ऋतुराज के निदेशानुसार एवं वरीय प्रशिक्षण प्रभारी-सह-उप विकास आयुक्त रवि जैन के मार्गदर्शन में मतदान पदाधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रथम पाली में द्वितीय मतदान पदाधिकारियों तथा दूसरी पाली में तृतीय मतदान पदाधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कोषांग के सहायक नोडल पदाधिकारी-सह-जिला शिक्षा अधीक्षक अजय कुमार की देखरेख में संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर सुदीप सहाय, अश्विनी तिवारी, मनोज चौरसिया, संजय सुमन, उमेश सिन्हा, रामचंद्र ठाकुर, राजेश्वर पाण्डेय, दिलीप बरनवाल एवं रविकांत रवि द्वारा मतदान कर्मियों को शांतिपूर्ण एवं त्रुटिरहित निर्वाचन संपन्न कराने के महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। मास्टर ट्रेनर अश्विनी तिवारी व प्रशिक्षक सुदीप सहाय ने मतदान पदाधिकारियों को उनके दायित्वों की जानकारी दिये।

मध्यस्थता के जरिए लंबित मामलों का निपटाएं मामला : पीडीजे

सिमडेगा : नालसा के तत्वावधान में झालसा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के संयुक्त सहयोग से न्याय तक सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्र के लिए मध्यस्थता 2.0 विशेष अभियान का संचालन किया जा रहा है। यह अभियान 2 जनवरी से 31 मार्च तक चलेगा। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर मंगलवार को प्रधान जिला जज सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार अध्यक्ष राजीव कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में न्यायिक पदाधिकारियों व अधिवक्ताओं के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की रूपरेखा, उद्देश्य एवं व्यवहारिक क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान पीडीजे राजीव कुमार सिन्हा ने कहा कि मध्यस्थता योग्य मामलों की शीघ्र पहचान कर उन्हें आपसी सहमति से त्वरित, सरल एवं कम खर्च में निपटाया जाए, ताकि आम लोगों को जल्द न्याय मिल सके और न्यायालयों पर लंबित मामलों का बोझ कम हो। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत वैवाहिक विवाद, सड़क दुर्घटना दावा मामले, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक विवाद, सेवा संबंधी मामले, समझौता योग्य आपराधिक प्रकरण, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, संपत्ति विभाजन, बेदखली,भूमि अधिग्रहण सहित अन्य मध्यस्थता योग्य दिवानी मामलों को शामिल किया गया है।

रणधीर वर्मा ट्रॉफी : गोड्डा पर 56 रन की जीत के साथ सिमडेगा फाइनल में

सिमडेगा: सिमडेगा के खिलाड़ियों ने रणधीर वर्मा ट्रॉफी में बाधाओं को फतह करते हुए चैंपियन बनने के करीब पहुंच चुकी है। धनबाद के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में मंगलवार को झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित रणधीर वर्मा ट्रॉफी के सेमी फाइनल में सिमडेगा की सीनियर क्रिकेट टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 09 विकेट खोकर 257 रन बनाए। सिमडेगा की तरफ से सबसे अधिक 103 रन सचिन पाल ने बनाए। जवाबी पारी खेलते हुए गोड्डा की टीम 39.3 ओवर में 201 रन बनाकर सिमट गई। सिमडेगा की तरफ से सबसे अधिक 04 विकेट जयप्रकाश यादव ने लिए। इस तरह गोड्डा की टीम को 56 रनों से करारी शिकस्त देकर सिमडेगा की टीम फाइनल में अपनी जगह बनाई। सिमडेगा की टीम 12 फरवरी को धनबाद के साथ फाइनल मैच खेलेगी। टीम सिमडेगा की जीत पर जेएससीए बोर्ड सदस्य श्रीराम पुरी, राजेश शर्मा, सिमडेगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष बिजय पूरी सहित एसोसिएशन के तौकीर उस्मानी, शशि मिश्रा, सुनील सहाय, सुशील श्रीवास्तव, कमल शर्मा, दिलीप तिर्की सहित समिति के सभी सदस्यों ने टीम को बधाई दी।

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान की हुई शुरूआत, एक लाख 84 हजार 20 लोगों को खिलाई जाएगी दवा

सामूहिक प्रयास से होगा फाइलेरिया का खात्मा : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सिमडेगा जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा फाइलेरिया उन्मूलन अभियान की शुरूआत कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, सिमडेगा में आयोजित एक कार्यक्रम के माध्यम से की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं स्वयं फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कर किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. सुन्दर मोहन सामाद, जिला शिक्षा अधीक्षक दीपक राम, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी, विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त महोदया के साथ उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने भी फाइलेरिया की दवा का सेवन किया तथा विद्यालय की सभी छात्राओं को दवा खिलाई गई। बच्चों को फाइलेरिया रोग के कारण, बचाव एवं दवा सेवन की सही प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर एवं दीर्घकालिक बीमारी है, जो मच्छरों के काटने से फैलती है और धीरे-धीरे शरीर को कमजोर बना देती है। सिमडेगा जंगलों से घिरा जिला है, जहां मच्छरों की संख्या अधिक होने के कारण फाइलेरिया का खतरा भी ज्यादा रहता है, इसलिए इस बीमारी से बचाव अत्यंत आवश्यक है। उपायुक्त ने छात्राओं को नियमित रूप से दवा खाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने परिवार और आस-पड़ोस के लोगों को भी दवा सेवन के लिए जागरूक करें। उन्होंने मच्छरदानी के नियमित उपयोग, साफ-सफाई और मच्छरों से बचाव के अन्य उपाय अपनाने की सलाह दी। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत दी जा रही दवा खाली पेट न लें तथा दवा हमेशा स्वास्थ्य कर्मियों के सामने ही सेवन करें। दवा लेकर घर न जाएं, बल्कि मौके पर ही उसका सेवन करें, ताकि अभियान को सफल बनाया जा सके। सिविल सर्जन डॉ. सुन्दर मोहन सामाद ने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को लेकर पिछले 10झ15 दिनों से व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही थीं और जिले भर में प्रचार-प्रसार किया गया है। उन्होंने बताया कि यह अभियान 11 फरवरी से 25 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान जिले के 1,84,020 लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एएनएम, सहिया एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर लोगों को दवा खिलाएंगे। सिविल सर्जन ने दवा सेवन से संबंधित सावधानियों की जानकारी देते हुए बताया कि दवा भोजन करने के बाद ही लें। गंभीर बीमारी से पीड़ित व्यक्ति, गर्भवती महिलाएं तथा दो वर्ष से कम आयु के बच्चों को यह दवा नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सिमडेगा जिले को वर्ष 2027 तक फाइलेरिया मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यदि सभी लोग नियमित रूप से दवा का सेवन करें, तो यह लक्ष्य समय से पहले भी प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने पोलियो उन्मूलन अभियान का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार सामूहिक प्रयास से देश पोलियो मुक्त हुआ, उसी तरह फाइलेरिया को भी जड़ से समाप्त किया जा सकता है। उपायुक्त ने जानकारी दी कि सिमडेगा, कोलेबिरा और पाकरटांड़ प्रखंडों में यह अभियान आज से 25 फरवरी तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाने के लिए सभी वर्गों का सहयोग आवश्यक है। कार्यक्रम के समापन के बाद उपायुक्त सिमडेगा द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय परिसर से फाइलेरिया जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को फाइलेरिया से बचाव एवं दवा सेवन के प्रति जागरूक करेगा।

सतगावां में बाजार से पायल व नकदी चोरी अज्ञात महिला के खिलाफ मामला दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

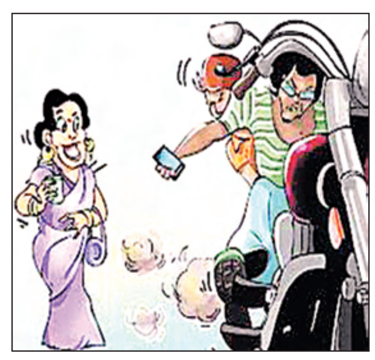

कोडरमा : सतगावां थाना क्षेत्र अंतर्गत चोरी की एक घटना को लेकर थाना में आवेदन दिया गया है। आवेदन देने वाली महिला मंजू कुमारी, पति विकास कुमार, ग्राम महथाडीह, पोस्ट नन्दूडीह, प्रखंड सतगावां, जिला कोडरमा (झारखंड) की स्थायी निवासी बताई जाती हैं। आवेदन के अनुसार मंजू कुमारी सोमवार दिनांक 09 फरवरी 2026 को बासोडीह बाजार में पैसा निकासी करने के बाद जेवरात एवं नगदी अपने पास रखी थीं।

उन्होंने बताया कि एक भरी चांदी की पायल एवं तीन हजार रुपये नगद प्लास्टिक के छोटे पर्स में रखकर प्लास्टिक के थैले में रखा हुआ था।पीड़िता के अनुसार जब वह बासोडीह बाजार स्थित रसमहल होटल के पास नाश्ता करने के लिए अंदर जा रही थीं, उसी दौरान एक अज्ञात महिला ने मौके का फायदा उठाते हुए प्लास्टिक के थैले के अंदर हाथ डालकर पर्स निकाल लिया और फरार हो गई। घटना के बाद पीड़िता ने सतगावां थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आसपास के क्षेत्र में पूछताछ की जा रही है।

नगर परिषद चुनाव : भाजपा समर्थित प्रत्याशी पंकज वर्णवाल के समर्थन में महिलाओं की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : आगामी झुमरी तिलैया नगर परिषद चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी समर्थित अध्यक्ष पद के प्रत्याशी पंकज वर्णवाल के समर्थन में महिलाओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य टॉर्च (बैटरी टॉर्च) छाप पर अधिक से अधिक मत दिलाकर प्रत्याशी को भारी बहुमत से विजयी बनाना रहा। इस दौरान महिलाओं ने चुनावी रणनीति, संगठनात्मक मजबूती और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की तथा एकजुट होकर चुनावी मैदान में पूरी ताकत से उतरने का संकल्प लिया। बैठक की अध्यक्षता शर्मिला गौतम ने की, जबकि संचालन सविता देवी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा नेता नितेश चंद्रवंशी ने कहा कि भाजपा समर्थित प्रत्याशी पंकज वर्णवाल को बैटरी टॉर्च छाप पर भारी मतों से विजयी बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने महिलाओं से घर-घर जाकर जनसंपर्क करने और भाजपा की नीतियों व प्रत्याशी के विजन को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। अध्यक्ष पद के प्रत्याशी पंकज वर्णवाल ने माताओं एवं बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, वे उसे पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि यदि जनता उन्हें सेवा का अवसर देती है तो वे नगर परिषद क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करेंगे। नगर परिषद से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए आमजन सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं और समस्याओं का त्वरित व पारदर्शी समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

चीक बड़ाईक उत्थान समिति के पुनर्गठन पर विवाद, अध्यक्ष पद को लेकर विरोध

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जलडेगा : झारखंड चीक बड़ाईक उत्थान समिति प्रखण्ड कमेटी जलडेगा का पुनर्गठन दिनांक 08/02/2026, दिन रविवार को क्लब भवन जलडेगा में किया गया। पुनर्गठन की प्रक्रिया के तहत पुराने कमेटी को भंग करने की लिखित घोषणा प्रखण्ड अध्यक्ष द्वारा की गई, जिसे पर्यवेक्षक कृष्णा बड़ाईक ने स्वीकृति प्रदान की। तत्पश्चात अध्यक्ष पद के लिए संपति देवी, मोजेश बड़ाईक एवं माघु बड़ाईक ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। चुनाव प्रक्रिया के तहत उपस्थित जनसमूह से अपने पसंदीदा उम्मीदवार के पीछे खड़े होकर समर्थन देने को कहा गया। इस प्रक्रिया में लगभग 90 प्रतिशत उपस्थित लोगों ने माघु बड़ाईक के पक्ष में समर्थन जताया, जिसके बाद उन्हें अगले तीन वर्षों के लिए पुनः अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। हालांकि, समिति के पुनर्गठन और अध्यक्ष चुनाव प्रक्रिया को लेकर समाज के एक वर्ग ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विरोध कर रहे लोगों का आरोप है कि माघु बड़ाईक पिछले लगभग 15 वर्षों से लगातार अध्यक्ष पद पर बने हुए हैं और इस बार समाज के कई सदस्यों की मांग थी कि किसी नए व्यक्ति को नेतृत्व का अवसर दिया जाए। आरोप है कि पुराने पदाधिकारियों ने पहले से ही आपसी सहमति और पूर्व नियोजित व्यवस्था के तहत चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित किया तथा आम सदस्यों की बातों को नजरअंदाज करते हुए दबाव बनाकर पुराने अध्यक्ष को ही पुनः अध्यक्ष बनाया गया, जिसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया और पारदर्शिता के खिलाफ बताया जा रहा है। इसी क्रम में समाज के दूसरे पक्ष के लोगों ने अंचल अधिकारी को लिखित आवेदन सौंपकर माघु बड़ाईक को अध्यक्ष पद पर दी गई मान्यता को निरस्त करने का आग्रह किया है। आवेदन पत्र में माघु बड़ाईक पर सामाजिक पद का दुरुपयोग करने, समाज के लोगों को प्रताड़ित करने तथा अनैतिक व्यवहार करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मामले को लेकर समाज में चर्चा तेज है और प्रशासनिक स्तर पर निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है।

राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में सुरक्षित इंटरनेट दिवस का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सुरक्षित इंटरनेट दिवस -2026 के अवसर पर आज पॉलीटेक्निक कॉलेज सिमडेगा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं को सुरक्षित, जिम्मेदार एवं विवेकपूर्ण इंटरनेट उपयोग के प्रति जागरूक करना था, ताकि डिजिटल माध्यमों का सकारात्मक उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी गौरव कुमार एवम राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज सिमडेगा के प्राचार्य डा० संदीप शर्मा उपस्थित रहे। जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी गौरव कुमार ने उपस्थित विद्यार्थियों एवम शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युग डिजिटल युग है, जिसमें इंटरनेट ने सूचना, शिक्षा, संचार एवं सेवाओं को अत्यंत सरल बना दिया है। हालांकि, इसके साथ ही साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, फर्जी सूचनाएं, डेटा चोरी एवं सोशल मीडिया के दुरुपयोग जैसी चुनौतियां भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के प्रति जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी व्यक्तिगत जानकारी, जैसे आधार, बैंक विवरण, ओटीपी, पासवर्ड आदि को किसी के साथ साझा नहीं करना चाहिए तथा संदिग्ध लिंक, ई-मेल एवं कॉल से सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखें और उन्हें सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के बारे में मार्गदर्शन दें।

सड़क के अभाव में कंधे पर उठी लाश, सरईपानी गांव में सिस्टम की नाकामी उजागर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : जिले के कुरडेग प्रखंड के बड़की बिऊरा पंचायत अंतर्गत सरईपानी गांव में घटी घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच की खाई कितनी भयावह है। यहां सड़क के अभाव में एक मृत व्यक्ति के शव को एम्बुलेंस से उतारकर ग्रामीणों को खाट के सहारे कंधे पर ढोकर घर तक ले जाना पड़ा। यह घटना न सिर्फ एक परिवार के दर्द की कहानी है, बल्कि यह पूरे प्रशासनिक तंत्र पर एक कठोर सवाल और करारा तमाचा है। जिस देश में डिजिटल इंडिया, स्मार्ट गांव और हर घर तक सुविधा पहुंचाने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, उसी देश के इसी गांव में आज भी सड़क जैसी बुनियादी सुविधा नसीब नहीं है। सरई पानी गांव तक पक्की सड़क नहीं होने के कारण एम्बुलेंस गांव की सीमा से बाहर ही खड़ी रह गई। इसके बाद शुरू हुआ वह अमानवीय सफर, जिसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया।

श्रमदान से बनी सड़क, पहली बारिश में हुई बर्बाद

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले साल प्रशासन से बार-बार गुहार लगाने के बाद भी जब कोई सुनवाई नहीं हुई, तो उन्होंने खुद श्रमदान कर सड़क बनाई। बिना मशीन, बिना तकनीकी सहायता, बिना सरकारी सहयोग के ग्रामीणों ने उम्मीद के सहारे रास्ता तैयार किया। लेकिन यह सड़क स्थायी नहीं थी। पहली ही बारिश में जगह-जगह गड्ढे बन गए, मिट्टी बह गई और रास्ता पूरी तरह खराब हो गया। आज हालत यह है कि न एम्बुलेंस गांव में घुस सकती है, न कोई अन्य आपात वाहन। बारिश के मौसम में गांव का संपर्क लगभग पूरी तरह कट जाता है। एक बुजुर्ग ग्रामीण ने भारी मन से कहा हमने अपनी ताकत से सड़क बनाई थी, लेकिन सरकार ने कभी झांक कर भी नहीं देखा। आज लाश ढोनी पड़ी, कल किसी जिंदा मरीज को ढोना पड़ेगा। एक महिला ग्रामीण रोते हुए बोली गर्भवती महिलाएं हों या बीमार बच्चे, सब भगवान भरोसे हैं। सड़क नहीं है तो अस्पताल कैसे पहुंचें? क्या हम इंसान नहीं हैं? चुनाव के समय नेता हाथ जोड़कर आते हैं, फोटो खिंचवाते हैं। जीतने के बाद गांव का नाम तक भूल जाते हैं। आज अगर सड़क होती तो यह अपमान नहीं झेलना पड़ता। विकास के दावों पर बड़ा सवाल, यह घटना सरकारी योजनाओं की असलियत उजागर करती है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना हो या अन्य विकास योजनाएं कागजों में सब कुछ पूरा दिखाया जाता है, लेकिन सरई पानी गांव की तस्वीर कुछ और ही बयां करती है।

संक्षिप्त खबरें

केतुंगा धाम में महाशिवरात्रि की भव्य तैयारी 15 फरवरी को निकलेगी शिव बारात

बानो : केतुंगा धाम न्यास समिति एवं मानव धर्म रक्षक संघ की संयुक्त बैठक केतुंगा धाम परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष सुकरा केरकेट्टा ने की। बैठक में आगामी महाशिवरात्रि महोत्सव को भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि मंदिर परिसर की साफ-सफाई एवं रंग-रोगन कार्य शीघ्र पूर्ण कराने हेतु अतिरिक्त कर्मियों की नियुक्ति का निर्णय लिया गया है। 15 फरवरी को सायं 6:30 बजे से भव्य शिव बारात एवं महाशिवरात्रि मेला आयोजित किया जाएगा। महाशिवरात्रि अवसर पर 8 प्रहरी अखंड हरि कीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए कीर्तन मंडलियों को आमंत्रण देने का निर्णय लिया गया। साथ ही महाशिवरात्रि की रात्रि में धार्मिक-सांस्कृतिक नागपुरी गीत-नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसके लिए नया मंच निर्माण किया जाएगा।मंच निर्माण की जिम्मेदारी कर्मवीर साहू एवं विनोद साहू को सौंपी गई है। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रमुख के रूप में अजीत साहू का चयन किया गया, जबकि मंच संचालन का दायित्व मनोज दास गोस्वामी एवं संजय साहू को दिया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी बिल्लू राम अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राजकुमार साहू तथा थाना प्रभारी,बानो मानव मयंक को आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए भंडारा व्यवस्था, वाहन पार्किंग एवं सुरक्षा, तथा दुकान व्यवस्था पर विशेष चर्चा की गई। दुकान व्यवस्था को लेकर 12 फरवरी को न्यास समिति की बैठक होगी, जिसमें सभी दुकानदारों को बुलाया जाएगा। दुकान आवंटन लॉटरी के माध्यम से होगा तथा निर्धारित सहयोग राशि जमा करना अनिवार्य होगा। स्वास्थ्य एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए मानव धर्म रक्षक संघ के कार्यकताओं के साथ-साथ अजीत साहू एवं बिल्कु महतो को स्वास्थ्य प्रमुख नियुक्त किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बानो एवं सोय अस्पताल से सहयोग लिया जाएगा। साथ ही थाना प्रभारी बानो, पुलिस अधीक्षक एवं अनुमंडल पदाधिकारी सिमडेगा को पत्राचार किया जाएगा। प्रकाश एवं ध्वनि व्यवस्था की जिम्मेदारी रोहित सिंह एवं रोहित साहू को दी गई। 12 फरवरी तक मंदिर परिसर एवं शिशु मंदिर के सभी कक्षाओं में विद्युत व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सभी सदस्यों से पड़ोसी ग्रामों में सहयोग राशि संग्रह कार्य में तेजी लाने का आग्रह किया गया। साथ ही शीघ्र दर्शन व्यवस्था के तहत 51 की सहयोग राशि पर भक्तों को शीघ्र दर्शन की सुविधा देने का निर्णय लिया गया, जबकि बीमार, असहाय, वृद्ध, दिव्यांग एवं गर्भवती महिलाओं को नि:शुल्क शीघ्र दर्शन का लाभ दिया जाएगा। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने महाशिवरात्रि महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

फाइलेरिया उन्मूलन की दिशा में बड़ा कदम एम.डी.एआई.डी.ए 2026 का हुआ शुभारंभ

कोडरमा : राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत समाहरणालय परिसर में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम (एम.डी.एआई.डी.ए 2026) का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ऋतुराज, अपर समाहर्ता पूनम कुजूर, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ. मनोज सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। तत्पश्चात उपायुक्त ने स्वयं डीईसी एवं कृमिनाशक दवा अल्बेंडाजॉल का सेवन कर अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया। इसके साथ ही उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने भी दवा की निर्धारित खुराक ली। इस अवसर पर उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन के उद्देश्य से जिले में 10 से 25 फरवरी 2026 तक वृहद स्तर पर मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एम.डी.ए) अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 10 फरवरी को बूथ स्तर पर तथा 11 से 25 फरवरी तक घर-घर जाकर लोगों को डीईसी एवं अल्बेंडाजॉल की निर्धारित खुराक खिलाई जाएगी। उपायुक्त ने आमजन से अपील की कि सभी स्वस्थ व्यक्ति फाइलेरिया उन्मूलन हेतु दवा का अवश्य सेवन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि 2 वर्ष से कम आयु के बच्चे, गर्भवती महिलाएं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को छोड़कर सभी को यह दवा लेनी चाहिए। दवाएं पूरी तरह सुरक्षित एवं विश्वसनीय हैं। कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. पी. मिश्रा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक महेश कुमार, जिला कार्यक्रम समन्वयक (सहिया) पंकज कुमार, जिला वीबीडी सलाहकार कृष्ण कांत मणि, जिला शहरी कार्यक्रम प्रबंधक विनित अग्निहोत्री, दीपेश कुमार, शम्भु कुमार, ललन कुमार राणा, अभिनाश आनंद, प्रमोद कुमार मधुकर सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मी एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा समर्थित प्रत्याशी पंकज वर्णवाल के चुनावी कार्यालय का हुआ उद्घाटन

झुमरी तिलैया : झुमरी तिलैया नगर परिषद चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी समर्थित अध्यक्ष पद के प्रत्याशी पंकज वर्णवाल के चुनावी कार्यालय का भव्य उद्घाटन रामसन होटल, झुमरी तिलैया में किया गया। चुनावी कार्यालय का उद्घाटन भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा एवं कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव के कर-कमलों द्वारा किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, समर्थक, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि पंकज वर्णवाल एक कर्मठ, जुझारू और जनसेवा के प्रति समर्पित प्रत्याशी हैं। उनके नेतृत्व में झुमरी तिलैया नगर परिषद का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने कार्यकताओं से एकजुट होकर चुनाव में जुटने और भाजपा समर्थित प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। विधायक डॉ. नीरा यादव ने अपने संबोधन में कहा कि झुमरी तिलैया को एक सशक्त, स्वच्छ और सुव्यवस्थित नगर परिषद की आवश्यकता है, जिसे पंकज वर्णवाल पूरा करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि जनता का भरपूर समर्थन इस बार भाजपा समर्थित प्रत्याशी को मिलेगा। कार्यक्रम में प्रत्याशी पंकज वर्णवाल ने सभी अतिथियों, कार्यकताओं एवं आम नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे नगर के विकास, स्वच्छता, बेहतर नागरिक सुविधाओं और पारदर्शी प्रशासन के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने जनता से सहयोग और आशीर्वाद की अपील की। उदघाटन कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अनूप जोशी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नितेश चंद्रवंशी, विरेन्द्र सिंह, प्रकाश राम,अर्जुन साव, अम्बिका सिंह,लक्ष्मण नायक, देवनारायण मोदी, जयप्रकाश राम,विजय यादव,बेदु साव, चन्द्रशेखर जोशी, सुभाष मोदी,मानिक चंद सेठ,सुरज मेहता,इन्द्रदेव बर्णवाल, नवीन चौधरी,पियुष सहल , राजेश वर्मा, श्रीकान्त गुप्ता, गौतम मोदी, राजकिशोर प्रसाद, रामचन्द्र राम, महादेव दास, संजय मोदी, अर्जुन सिंह ,टेकलाल मंडल, वीणा बर्णवाल,शीला देवी, मधु कुमारी, लक्ष्मी बर्णवाल, लीना देवी, प्रीति मोदी, पूजा देवी, काजल देवी, आदि उद्घाटन समारोह के दौरान पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा और भाजपा समर्थकों ने नारेबाजी कर प्रत्याशी के प्रति अपना समर्थन प्रकट किया।

एक नजर

पलामू में 1649 मतदानकर्मियों को मिला प्रशिक्षण

पलामू : नगर निकाय चुनाव 2026 को लेकर मंगलवार को मेदिनीनगर के गणेश लाल अग्रवाल कॉलेज में 1649 मतदानकर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण बैलेट पेपर के माध्यम से होने वाले मतदान को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया, ताकि सभी मतदानकर्मी मतदान प्रक्रिया को सुचारू और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न करा सकें। प्रशिक्षण दो पालियों में आयोजित किया गया। प्रथम पाली में 19 कमरों में पी–2 और पी–3 श्रेणी के 1085 मतदानकर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया, जबकि द्वितीय पाली में 14 कमरों में पीठासीन पदाधिकारी एवं पी–1 श्रेणी के 564 मतदानकर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। कुल 54 मास्टर ट्रेनर और 4 जिला प्रशिक्षकों ने मतदानकर्मियों को मतदान से पूर्व, मतदान के दौरान और मतदान के बाद की जाने वाली सभी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षकों ने बैलेट पेपर मतदान की संपूर्ण प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से समझाया। मतपेटी की तैयारी, बैलेट पेपर का सही उपयोग, मतदाता पहचान की प्रक्रिया, मतदान पर्ची जारी करना, गोपनीय मतदान सुनिश्चित करना, थर्ड पैकेट की तैयारी, खुले लिफाफे की प्रक्रिया, सीलिंग एवं पैकिंग की विधि सहित अन्य जरूरी प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। द्वितीय पाली का प्रशिक्षण का जायजा लेने मेदिनीनगर और हुसैनाबाद के सामान्य प्रेक्षक भी जीएलए कॉलेज पहुंचे। मौके पर अपर समाहर्ता कुंदन कुमार और प्रशिक्षण कोषांग को नोडल पदाधिकारी –सह– जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू भी उपस्थित रहीं।

फाइलेरिया उन्मूलन पखवाड़े में 09 लाख लोगों को दवा खिलाने का लक्ष्य

पूर्वी सिंहभूम : जिले में मंगलवार को फाइलेरिया उन्मूलन पखवाड़े का औपचारिक शुभारंभ किया गया। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने जुगसलाई स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, सुंदर नगर में बच्चों को एलबेंडाजोल और डीईसी की दवा खिलाकर अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर उपायुक्त ने स्वयं भी बच्चों के साथ दवा का सेवन किया। यह विशेष अभियान 10 से 25 फरवरी तक जिले के पोटका, पटमदा, जुगसलाई, मुसाबनी, घाटशिला और बोड़ाम—इन छह प्रखंडों में संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत लगभग 9 लाख लोगों को फाइलेरिया से बचाव के लिए एलबेंडाजोल और डीईसी की दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के पहले दिन सभी आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यालयों में विशेष बूथ बनाकर स्वास्थ्य कर्मी और आंगनवाड़ी सेविकाओं की ओर से दवा खिलाई गई। इसके बाद शेष दिनों में स्वास्थ्य कर्मी घर–घर जाकर लक्षित आबादी को दवा खिलाएंगे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2027 तक झारखंड को फाइलेरिया मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

अर्धनिर्मित डायवर्सन बना मुसीबत धूल और हादसों से राहगीर परेशान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर पेलौल गांव के समीप बनई नदी पर बनाया जा रहा अस्थायी डायवर्सन इन दिनों राहगीरों और स्थानीय ग्रामीणों के लिए भारी परेशानी का कारण बन गया है। पुल टूटने के बाद वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में तैयार किया जा रहा यह डायवर्सन अभी तक अधूरा है, जिसके कारण यहां से गुजरने वाले लोगों को रोजाना धूल, जाम और दुर्घटना के खतरे का सामना करना पड़ रहा है। अर्धनिर्मित डायवर्सन से लगातार उड़ रही धूल ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों, पैदल राहगीरों और आसपास के ग्रामीणों को सांस लेने में कठिनाई हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि धूल के कारण खांसी, एलर्जी और सांस संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। वहीं धूल की मोटी परत के कारण वाहन चालकों को रास्ता साफ नजर नहीं आता, जिससे अक्सर डायवर्सन के पास दुर्घटनाएं हो रही हैं। कई बार वाहन फिसलकर गिर जाते हैं या आमने-सामने टकराने की स्थिति बन जाती है। उल्लेखनीय है कि खूंटी-सिमडेगा रोड पर वर्ष 2007 में बना पुल 16 जून 2025 को भारी बारिश के कारण क्षतिग्रस्त होकर टूट गया था। इसके बाद आवागमन बहाल रखने के लिए बनई नदी पर 1 करोड़ 82 लाख रुपये की लागत से डायवर्सन निर्माण कार्य शुरू किया गया। हालांकि कार्य प्रारंभ हुए करीब आठ महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक यह पूरा नहीं हो पाया है। निर्माण की धीमी रफ्तार से लोगों में आक्रोश भी देखा जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों और वाहन चालकों का कहना है कि यह मार्ग राजधानी रांची और खूंटी के अलावा ओड़िशा और छत्तीसगढ़ के बीच महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। ऐसे में अधूरा डायवर्सन लोगों की जान जोखिम में डाल रहा है। लोगों ने विभाग से जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा करने और धूल से राहत के लिए नियमित पानी छिड़काव की मांग की है। इस संबंध में पथ निर्माण विभाग के कनीय अभियंता अमित कुमार ने बताया कि बहुत जल्द डायवर्सन पर पिचिंग का काम शुरू कर दिया जाएगा, इससे धूल की समस्या कम होगी और आवागमन सुगम हो सकेगा। विभाग ने आश्वासन दिया है कि कार्य को शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर डिजिटल जागरूकता कार्यशाला संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले में मंगलवार को 10 फरवरी सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर समाहरणालय सभागार में डिजिटल जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ उप विकास आयुक्त नागेंद्र पासवान ने किया। इस अवसर पर सुरक्षित तकनीक और सही विकल्प विषय के अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग पर विशेष रूप से चर्चा की गई। कार्यशाला में जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, सामान्य नागरिक और प्रज्ञा केंद्र संचालक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। प्रशिक्षण सत्र के दौरान डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा, इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव थौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार प्रयोग से जुड़े विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिक और विद्यार्थियों को डिजिटल मंचों के सुरक्षित, जिम्मेदार और प्रभावी उपयोग के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त नागेंद्र पासवान के नेतृत्व में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग को बढ़ावा देने के लिए शपथ दिलाई गई। कार्यशाला में जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी किशोर प्रसाद, ई-जिला प्रबंधक मनीष कुमार प्रसाद, निरीक्षक कुनाल कुमार, क्षेत्रीय समन्वयक तारक दास, मास्टर प्रशिक्षक रोहित राज और साइबर पीस फाउंडेशन सहित अन्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन वरूण ओझा ने किया।

चुनाव को लेकर द्वितीय और तृतीय मतदान अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : नगर पंचायत (आम) निर्वाचन के सफल संचालन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। उपायुक्त आर रॉनिटा के निर्देश पर मंगलवार को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कन्या विद्यालय में द्वितीय और तृतीय मतदान अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में कुल 124 मतदान अधिकारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण राज्य निर्वाचन आयोग की सामान्य प्रेक्षक रश्मि लकड़ा ने किया। सामान्य प्रेक्षक एवं अन्य अधिकारियों ने प्रशिक्षण कक्ष में चल रहे सत्रों का बारीकी से अवलोकन किया और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे मतदान अधिकारियों से प्रश्नोत्तरी के माध्यम से उनकी तैयारी और समझ का आकलन किया। अधिकारियों ने मतदान कर्मियों को गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण ग्रहण करने के निर्देश दिया। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनरों ने आदर्श आचार संहिता के महत्वपूर्ण प्रावधानों से अवगत कराया। साथ ही मतदान प्रक्रिया के प्रत्येक चरण—जैसे बूथ की संरचना, पीठासीन पदाधिकारी और अन्य मतदान अधिकारियों के बैठने की व्यवस्था, मतदान अभिकताओं की नियुक्ति और उनके बैठने की व्यवस्था—के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके अलावा मतदान में प्रयुक्त सभी प्रपत्र, पैकेट और मतपेटियों को खोलने, सील करने और उनके सुरक्षित संचालन की प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी कराया गया। मतदान अधिकारियों को मतपेटियों के संचालन की पूरी व्यावहारिक जानकारी दी गई, ताकि चुनाव के दौरान किसी प्रकार की त्रुटि न हो। जिला प्रशासन ने सभी मतदान अधिकारियों से अपील की है कि वे निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

सड़क निर्माण कार्य को निशाना बनाकर हाईवा फूंका, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सुदूरवर्ती आनंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रोबोकेरा इलाके में सोमवार की देर रात अज्ञात अपराधियों ने सड़क निर्माण कार्य को बाधित करने के उद्देश्य से बड़ी वारदात को अंजाम दिया। अपराधियों ने निर्माण स्थल पर खड़े एक हाईवा वाहन में आग लगा दी, जिससे वाहन का अधिकांश हिस्सा जलकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं मंगलवार सुबह सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया। जानकारी के अनुसार, भालडुंगी चौक से साड़ीबा तक लगभग 22 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है। बताया जा रहा है कि उक्त सड़क निर्माण कार्य रांची स्थित वैष्णवी कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा कराया जा रहा है, जिसके मालिक नीरज सिंह हैं। मंगलवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही आनंदपुर थाना प्रभारी प्रिंस झा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने जले हुए वाहन का निरीक्षण किया, आसपास के क्षेत्र की घेराबंदी कर साक्ष्य जुटाए और निर्माण कार्य में लगे कर्मियों से पूछताछ की। थाना प्रभारी प्रिंस झा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में असामाजिक तत्वों की संलिप्तता की आशंका है। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है और जल्द ही दोषियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।पुलिस इस बात की भी गंभीरता से जांच कर रही है कि कहीं इस आगजनी के पीछे किसी प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन की भूमिका तो नहीं है।

जुलूस में पिकअप ने किशोर को कुचला, मौत

पलामू : जिले के तरहसी थाना क्षेत्र के उदयपुरा–2 पंचायत के पिछुलिया धाम में मंगलवार को सड़क दुर्घटना में किशोर सोनू कुमार (12) की मौत हो गई। सोनू पांकी थाना क्षेत्र के लुकुआ निवासी विश्वनाथ मोची का पुत्र था। सोनू चौथी कक्षा का छात्र था। यह घटना सबरी पूजा के जल यात्रा जुलूस के दौरान हुई। जमुनियाडीह से जल लेने के लिए लोग पिछुलिया धाम आए हुए थे। सोनू कुमार अपनी साइकिल लेने के लिए सड़क पार कर रहा था। उसी समय ग्राम कसमार के जितेंद्र साव का सीमेंट लदा पिकअप (जेएच03 एडी 8669) उसी रास्ते से गुजर रहा था। तेज रफ्तार होने के कारण पिकअप ने सोनू कुमार को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

बिरसा कॉलेज में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, खूंटी इकाई की ओर से संचालित छात्र-केंद्रित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत मंगलवार को बिरसा कॉलेज में मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लेते हुए लोकतंत्र को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए मतदाताओं को उनके मतदान अधिकार, लोकतंत्र में वोट की भूमिका तथा जिम्मेदार नागरिक बनने के महत्व से अवगत कराना रहा। अभियान के दौरान विद्यार्थियों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया एवं निष्पक्ष, निर्भीक तथा विवेकपूर्ण मतदान करने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश मंत्री प्रकाश टूटी ने कहा ह्लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का वोट है। जब युवा जागरूक होकर मतदान करते हैं, तभी व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन संभव होता है। खूंटी की धरती बिरसा मुंडा की धरती है, जहां से स्वाभिमान और अधिकार की चेतना निकली है। आज उसी चेतना को मताधिकार के माध्यम से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं से किसी भी प्रकार के भय, लालच या दबाव से मुक्त होकर मतदान करने की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बिरसा कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ. चंद्र किशोर भगत ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों को समझना भी है। मतदाता जागरूकता जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को सजग नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। कॉलेज की प्राध्यापिका डॉ. जया भारती कुजूर ने कहा कि जनजातीय समाज के लिए मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व, संस्कृति और भविष्य को सुरक्षित रखने का सशक्त माध्यम है। राजकुमार गुप्ता ने कहा कि युवा वर्ग की सक्रिय भागीदारी के बिना लोकतंत्र अधूरा है। मतदान के प्रति उदासीनता सामाजिक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर नुकसानदायक है। वहीं डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि ह्मतदान केवल एक दिन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि निरंतर जागरूकता और जिम्मेदारी का विषय है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को सामूहिक मतदाता जागरूकता शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखने, अपने मताधिकार का शत-प्रतिशत उपयोग करने तथा समाज में मतदान के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बिरसा कॉलेज के शिक्षक, कर्मचारी एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

टाटा लीज नवीनीकरण पर मूलवासी मंच ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

पूर्वी सिंहभूम : झारखंड मूलवासी अधिकार मंच ने टाटा कंपनी के लीज नवीनीकरण से जुड़े मामलों को लेकर मंगलवार को उपायुक्त को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। मंच के मुख्य संयोजक हरमोहन महतो के नेतृत्व में दिए गए इस ज्ञापन में रैयतों, मूल निवासियों और विस्थापितों के संवैधानिक और वैधानिक अधिकारों की रक्षा की मांग की गई है। मंच ने आरोप लगाया कि वर्ष 2005 में हुए लीज नवीनीकरण के दौरान रैयतों और विस्थापितों को न्याय नहीं मिला, इसलिए इस प्रक्रिया की जिला स्तर पर पुनः समीक्षा और निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। ज्ञापन में कहा गया है कि लीज नवीनीकरण के समय कई रैयतों की जमीन या तो प्रक्रिया से छूट गई या जानबूझकर शामिल नहीं की गई। ऐसी सभी जमीनों को चिन्हित कर मूल रैयतों को वापस किया जाए। मंच का आरोप है कि बिना लीज या अधिग्रहण के कई भूमि पर कब्जा किया गया है, जिसकी पहचान कर सीएनटी–एसपीटी अधिनियम और भूमि सुधार कानून के तहत अवैध कब्जों पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। मंच ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के पुराने तालाबों, जलस्रोतों और गैर–मजरूआ जमीन को ग्रामसभा के हवाले करने तथा निजी और कॉरपोरेट कब्जा समाप्त करने की मांग की है। मंच ने मूल रैयत खतियानधारियों की जांच के लिए समिति गठित करने की भी मांग की है। ज्ञापन के साथ रैयतों की एक अतिरिक्त सूची संलग्न की गई है। झारखंड मूलवासी अधिकार मंच ने उपायुक्त से सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विचार कर जरूरी कार्रवाई करने का आग्रह किया है, ताकि रैयतों, मूल निवासियों और विस्थापितों को उनका हक और न्याय मिल सके।

नगर परिषद चुनाव में अनिल कुमार तिर्की की दमदार एंट्री, चुनावी कार्यालय का भव्य उद्घाटन

सिमडेगा : 10 फरवरी 2026 नगर परिषद अध्यक्ष पद के प्रत्याशी श्री अनिल कुमार तिर्की ने आज चुनावी मैदान में पूरे जोश और आत्मविश्वास के साथ कदम रखा। झूलन सिंह चौक के समीप उनके चुनावी कार्यालय का भव्य उद्घाटन किया गया, जिसने शहर की राजनीति में नई ऊर्जा भर दी। उद्घाटन कार्यक्रम की शुरूआत सोमनाथ पंडित द्वारा विधिवत पूजा अर्चना साथ की गई। इसके पश्चात समाज सेवी श्री जेम्स डुंगडुंग ने फीता काटकर चुनावी कार्यालय का औपचारिक उद्घाटन किया। इस दौरान समर्थकों और नागरिकों में पूरा उत्साह भरा रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समर्थक, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य रूप से श्री अनिल कुंडलना, श्री सफीक खान सहित कई प्रमुख चेहरे मौजूद थे, जिन्होंने एकजुट होकर श्री तिर्की को विजयी बनाने का संकल्प लिया। चुनावी कार्यालय के उद्घाटन को नगर परिषद चुनाव में शक्ति प्रदर्शन और मजबूत शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। उपस्थित जनसमूह ने श्री अनिल कुमार तिर्की के नेतृत्व में नगर के समग्र विकास, स्वच्छता, पारदर्शिता और जनहितकारी योजनाओं को आगे बढ़ाने की उम्मीद जताई। उद्घाटन के साथ ही यह कार्यालय अब चुनावी रणनीति, जनसंपर्क और संगठनात्मक गतिविधियों का मुख्य केंद्र बनेगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)–सह–उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा
(पंचायत शाखा)
आदेश

राज्य निर्वाचन आयोग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 370 दिनांक 06–02–2026 द्वारा स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के आदेश ज्ञापांक 1499(MD) दिनांक 30–01–2026 के आलोक में नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 के सभी मतदान केन्द्रों को "तम्बाकू मुक्त क्षेत्र" घोषित किया गया है।
अतः नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 के निमित कोडरमा जिलान्तर्गत झुमरी तिलैया नगर परिषद, कोडरमा नगर पंचायत, डोमचाँच नगर पंचायत क्षेत्र के सभी मतदान केन्द्रों को "तम्बाकू मुक्त क्षेत्र" घोषित किया जाता है। मतदान केन्द्र परिसर में किसी प्रकार का तम्बाकू पदार्थ या सिगरेट, बीड़ी, खैनी, गुटका, पान मसाला, जर्दा इत्यादि का उपयोग पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।

ह0/–
जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)
–सह–उपायुक्त, कोडरमा।

PR 372714 Panchayati Raj(25-26)D

व्यवहार न्यायालय, हजारीबाग
विज्ञापन सं0 : 01/2026

1. व्यवहार न्यायालय, हजारीबाग में रिक्त पदों पर सीधी नियुक्ति हेतु योग्य उम्मीदवारों से विहित पत्र मे स्वहस्तलिखित आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।
2- रिक्तियों की विवरणी निम्नांकित है:–

क्रम संख्या	पदनाम	(रिक्त पदों की संख्या श्रेणी अनुसार)						
		सामान्य	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	पिछड़ा वर्ग	अत्यंत पिछड़ा वर्ग	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)	कुल रिक्त पद
1.	पियून/आदेशपाल	00	00	01	00	00	00	01
2.	स्वीपर	01	00	00	00	00	00	01

3. शैक्षणिक योग्यता एवं वेतनमान :– पदों की शैक्षणिक योग्यता एवं वेतनमान निम्न है:–

क्रम संख्या	पदनाम	वेतनमान	योग्यता	भर्ती का तरीका
1.	पियून/आदेशपाल	18,000 – 56,900/– लेवल–1	मैट्रिक अथवा समकक्ष	स्क्रीनिंग टेस्ट एवं साक्षात्कार के आधार पर सीधी भर्ती।
2.	स्वीपर	18,000 – 56,900/– लेवल–1	मैट्रिक अथवा समकक्ष एवं इस क्षेत्र में दो वर्ष के अनुभव के साथ विशेष कार्य में प्रशिक्षित।	कौशल परीक्षा/ उपयुक्तता/ साक्षात्कार/ आउटसोर्सिंग के आधार पर सीधी भर्ती।

4. उम्मीदवार भारत का नागरिक हो, मानसिक, शारीरिक रूप से स्वस्थ हो, नैतिक चरित्र अच्छा हो एवं किसी आपराधिक आचरण वाले किसी मामले में वांछित या सजा याफ्ता न हो तथा विवाहित होने की स्थिति में उनका एक से अधिक जीवित पत्नी/पति न हो।
5. अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग (PwBD) एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) हेतु झारखण्ड सरकार द्वारा मान्य एवं निर्धारित अद्यतन आरक्षण नियम लागू होंगे। आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का आरक्षण संबंधी प्रमाण पत्र सक्षम पदाधिकारी द्वारा निर्गत होना चाहिए।
6. सरकारी नियमानुसार पद आरक्षित है। महिला, दिव्यांग एवं खेल–कूद कोटा के संदर्भ में नियमानुसार क्षैतिज आरक्षण का लाभ मान्य होगा।
7. उपरोक्त पदों पर उम्मीदवारों की उम्र सीमा दिनांक 01/08/2025 को कम से कम 18 वर्ष तथा सामान्य जाति के लिए अधिकतम 35 वर्ष, पिछड़ी जाति/अत्यंत पिछड़ी जाति के लिए अधिकतम 37 वर्ष, महिलाओं के लिए अधिकतम 38 वर्ष तथा अनुसूचित जाति/जनजाति (पुरूश/महिला) के लिए अधिकतम 40 वर्ष होनी चाहिए। (उम्मीदवार की उम्र सीमा एवं आरक्षण की सुविधा झारखण्ड राज्य द्वारा निर्धारित नियमावली के अनुसार होगी तथा आवेदक की सेवा शर्त व्यवहार न्यायालय नियमावली के अनुसार होगी।)
8. अपनी उम्र, शैक्षणिक तथा वांछित योग्यता से संबंधित प्रमाण पत्र की स्वअभिप्रमाणित प्रति एवं आरक्षित वर्ग के आवेदक आरक्षण से संबंधित प्रमाण पत्र की स्वअभिप्रमाणित प्रति आवेदन के साथ अवश्य संलग्न करें।
9. उम्मीदवार अपना स्वहस्तलिखित आवेदन पत्र एवं प्रवेश पत्र देवनागरी लिपि में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, हजारीबाग को संबोधित करते हुए विहित प्रारूप में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक **25.03.2026** के अंदर तक स्वयं या निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा कार्य दिवस को प्रातः 10.30 बजे से शाम 05.00 बजे तक जमा कर सकते हैं। उपरोक्त तिथि के उपरांत प्राप्त होने वाले आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जायेंगे।
10. आवेदक, आवेदन पत्र के साथ 3 अद्यतन पासपोर्ट साइज का फोटोग्राफ संलग्न करें, जिसमें एक आवेदन पत्र पर, दूसरा प्रवेश पत्र पर सटा रहना चाहिए एवं तीसरा अतिरिक्त होगा। स्व पता लिखा लिफाफा 25 से.मी. x 11 से.मी. (प्रवेश पत्र पर निर्गत करने हेतु) जिसपर 55 रूपये का डाक टिकट सटा हुआ हो, आवेदन–पत्र के साथ संलग्न हो।
11. महत्वपूर्ण निर्देश :–
I. आवेदन–पत्र के प्रपत्र 'क' एवं 'ख' के प्रारूप को पृथक पन्नों में आवेदन के साथ संलग्न करें। प्रपत्र 'क' के प्रारूप को हिंदी में भरें जो स्वहस्तलिखित एवं स्वहस्ताक्षरित हो। आवेदक प्रपत्र 'ख' को स्वहस्तलिखित प्रति में आवेदन के साथ संलग्न करें। प्रपत्र 'ख' की कंडिका 4 एवं 5 को छोड़कर अन्य कण्डिकाएँ आवेदक स्वयं भरें। आवेदन पत्र का प्रारूप व्यवहार न्यायालय, हजारीबाग की वेबसाइट **https://hazaribag.dcourts.gov.in/** से भी डाउनलोड किया जा सकता है।
II. आवेदकों को व्यवहार न्यायालय, हजारीबाग में आवेदन पत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक वांछित शैक्षणिक योग्यता प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
III. उम्मीदवार एक आवेदन पत्र पर केवल एक ही पद के लिए आवेदन कर सकते हैं।
IV. उपरोक्त वांछित सूचनाएँ किसी प्रकार से अपूर्ण होने पर अथवा वांछित प्रमाण–पत्र संलग्न नहीं रहने पर उम्मीदवार का आवेदन किसी भी समय रद्द कर दिया जायेगा और तत्संबंधी किसी भी प्रकार का पत्राचार अमान्य होगा।
V. आवेदक का प्रवेश पत्र, जिसमें परीक्षा/साक्षात्कार का स्थान एवं तिथि अंकित होगा, उनके दर्शाये गऐ पते पर डाक द्वारा भेजा जायेगा।
VI. उम्मीदवार द्वारा नियुक्ति प्रक्रिया को किसी भी रूप से प्रभावित करने के प्रयास को उनकी अयोग्यता मानते हुए उनकी अभ्यर्थिता तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी जाएगी।
VII. लिफाफे के ऊपर विज्ञापन संख्या, आवेदित पद का नाम एवं श्रेणी बड़े–बड़े एवं साफ अक्षरों में लिखा जाना आवश्यक है।
VIII. वर्तमान विज्ञापन में किसी भी प्रकार का संशोधन अथवा निरस्तीकरण का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
IX. परीक्षा/साक्षात्कार के लिए बुलाये जाने पर कोई मार्ग व्यय देय नहीं होगा।
X. उपरोक्त पदों की संख्या घट बढ़ सकती है।
XI. आवेदन भेजने का पता (निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट या हाथों हाथ)

सेवा में,
प्रभारी न्यायाधीश, व्यवहार न्यायालय, हजारीबाग।

ह0/–
प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश,
व्यवहार न्यायालय, हजारीबाग।

PR 372748 Law(25-26)D

ओटीटी की भाषा, हिन्दी और हम

चण्डीगढ़ के गुप्ता जी रविवार के दिन मनोरंजन के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर हिंदी वेब सीरीज देख रहे थे। उनका पांच साल का बेटा मोबाइल गेम में व्यस्त था। तभी टेलीविजन स्क्रीन पर पात्र अचानक से एक-दूसरे को जोर-जोर से गालियां देने लगे, जिसे देखकर उनका बेटा भी जोर-जोर से दोहराने लगा। गुप्ता जी रिमोट से सीरीज बंद कर देते हैं और मन ही मन सोचते हैं कि यह क्या हो रहा है? बचपन में तो हम अखबार पढ़कर भाषा सीखते थे। संपादकीय पन्नों से नए शब्द, मुहावरे और व्याकरण की बारीकियां आत्मसात करते थे। अब ये ओटीटी प्लेटफॉर्म्स बच्चों की जुबान गंदी कर रहे हैं। हिंदी न्यूज चैनल तो हिंग्लिश में ब्रेकिंग न्यूज चला रहे हैं। अंग्रेजी माध्यम स्कूलों से पढ़े पत्रकार "ग्राउंड जीरो" और "एक्सक्लूसिव" जैसे शब्द हिंदी में लिखकर प्रसारित कर देते हैं। ओटीटी ने "रियलिज्म" के नाम पर अश्लीलता की सारी हदें पार कर दी हैं। एक समय था जब हिंदी भाषा की शुद्धता, व्याकरण और वर्तनी का सबसे बड़ा शिक्षक अखबार हुआ करता था। 19वीं सदी के अंत से लेकर 20वीं सदी के अधिकांश भाग तक अखबार घर-घर में भाषा सिखाते थे। लोग संपादकीय, लेख और समाचार पढ़कर नए शब्द सीखते, मुहावरे समझते और व्याकरण की बारीकियां आत्मसात करते। हिंदी की लयबद्धता, संस्कृतनिष्ठ शब्दावली और उर्दू की मिठास का सुंदर संयोजन अखबारों की भाषा में झलकता था। वह दौर था जब भाषा को सम्मान दिया जाता था और उसे सँवारने का सतत प्रयास होता था। फिर, टेलीविजन का दौर आया। 1980-90 के दशक में दूरदर्शन पर सरकारी नियंत्रण के कारण भाषा काफी हद तक शुद्ध बनी रही, लेकिन निजी न्यूज चैनलों के उदय के साथ सब कुछ बदल गया। अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा ने नई पीढ़ी को हिंदी से दूर कर दिया। स्कूलों में अंग्रेजी को प्रधानता मिली, हिंदी को माध्यमिक भाषा का दर्जा दिया जाने लगा। अंग्रेजी माध्यम से पढ़े-लिखे युवा जब हिंदी न्यूज चैनलों में पत्रकार बने, तो उन्होंने हिंदी में अंग्रेजी के शब्दों को जबरदस्ती घुसेड़ना शुरू कर दिया। ब्रेकिंग न्यूज, ग्राउंड जीरो, एक्सक्लूसिव, स्पॉटलाइट, सोर्सेज के मुताबिक, डेवलपमेंट्स हो रहे है जैसे वाक्य आम हो गए। ब्रेकिंग न्यूज की होड़ में अनुवाद की जल्दबाजी ने व्याकरण और शुद्धता को ताक पर रख दिया। चैनलों पर चीख-चीखकर खबरें पढ़ी जाने लगीं, जिससे भाषा की मर्यादा भी कमजोर पड़ गई। लेकिन असली तबाही ओटीटी (ओवर-द-टॉप) प्लेटफॉर्म्स के साथ आयी। नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम वीडियो, डिज्नी प्लस, हॉटस्टार, जी फाइव आदि पर हिंदी वेब सीरीज ने भाषा की सारी पारंपरिक सीमाएं तोड़ दीं। संवाद अब शुद्ध हिंदी में नहीं, बल्कि हिंग्लिश, क्षेत्रीय बोलियों के मिश्रण और सबसे ज्यादा गालियों से भरे होते हैं। मिर्जापुर, सेक्रेड गेम्स, पाताल लोक, कॉलेज रोमांस, हॉस्टल डेज जैसी वेब सीरीज में हर दूसरे वाक्य में अश्लील शब्द सुनाई देते हैं। ये शब्द अब सिर्फ पात्रों की भाषा नहीं रहे, बल्कि युवाओं की रोजमर्रा की जुबान बनते जा रहे हैं। ओटीटी पर अश्लील कंटेंट की बाढ़ से न केवल संस्कृति का सत्यानाश हो रहा है, बल्कि समाज में भाषा की गंभीर समस्या भी उत्पन्न हो रही है। रियलिज्म और ऑथेंटिसिटी के नाम पर अश्लील सीन और संवाद आम हो गए हैं, लेकिन क्या वास्तविक जीवन में हर व्यक्ति हर वाक्य में गाली देता है? क्या कॉलेज के छात्रों की सामान्य भाषा इतनी गंदी होती है? यह सब युवा पीढ़ी पर गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव डाल रहा है। बच्चे और किशोर इन शब्दों को सुन-देखकर अपनी भाषा में शामिल कर लेते हैं, जिससे समाज में गाली-गलौज सामान्य लगने लगी है। 2025 में स्थिति और गंभीर हुई तो सरकार ने अश्लील और पोर्नोग्राफिक कंटेंट के खिलाफ सख्त कदम उठाए। जुलाई 2025 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म्स (जिनमें उल्लू, एएलटीटी, बिग शॉट्स, डेसिफ्लिक्स, नियॉनएक्स वीआईपी इत्यादि) को ब्लॉक कर दिया, क्योंकि ये अश्लील, वल्गर और पोर्नोग्राफिक सामग्री प्रसारित कर रहे थे। यह कार्रवाई आईटी एक्ट, 2000 और 2021 के इंटरमीडियरी गाइडलाइंस के तहत की गई।

लोकसभा-अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वासः लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

ललित गर्ग

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी लोकतंत्र के लिये एक चिन्ताजनक घटना है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, असहमति के सम्मान और संस्थागत विश्वास पर टिकी हुई एक जीवंत परंपरा है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसद इस लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ न केवल नीतियाँ बनती हैं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा बोलती है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की खबरें सामने आती हैं, तो यह घटना किसी एक व्यक्ति या दल तक सीमित न रहकर पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर देती है। विपक्षी दलों द्वारा यह आरोप लगाया जाना कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष को, सदन में बोलने का समुचित अवसर नहीं मिल रहा, और इसी आधार पर अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाना, एक गहरी चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि अध्यक्ष का पद परंपरागत रूप से सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन का प्रतीक माना जाता रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका केवल कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह सदन की गरिमा, लोकतांत्रिक मर्यादा और सभी पक्षों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की संवैधानिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं। यदि विपक्ष का एक बड़ा वर्ग यह महसूस करने लगे कि अध्यक्ष का व्यवहार पक्षपातपूर्ण है या उनकी आवाज को व्यवस्थित रूप से दबाया जा रहा है, तो यह केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि संस्थागत अविश्वास का संकेत होता है। 100 से अधिक सांसदों द्वारा हस्ताक्षर कर अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी यह दर्शाती है कि मामला क्षणिक आक्रोश का नहीं, बल्कि लंबे समय से पनप रही असहमति और संवादहीनता का परिणाम है। लोकसभा अध्यक्ष सदन के संरक्षक की भूमिका में होते हैं, जिनके प्रति विश्वास जरूरी होता है और उनसे भी निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि संख्या बल के आधार पर इस तरह का प्रस्ताव पारित होना कठिन है, लेकिन लोकतंत्र में कई बार प्रतीकात्मक कदम भी गहरे संदेश देते हैं। विपक्षी दलों द्वारा यह स्पष्ट करना कि वे टकराव के साथ-साथ सुलह का विकल्प भी खुला रखे हुए हैं, और इसी क्रम में विभिन्न विपक्षी नेताओं का अध्यक्ष से मुलाकात कर संवाद का प्रयास करना, इस बात का संकेत है कि अभी भी समाधान की गुंजाइश समाप्त नहीं हुई है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर संसद जैसे सर्वोच्च मंच पर संवाद की जगह हंगामा, नारेबाजी और गतिरोध क्यों हावी होता जा रहा है। क्या यह केवल सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास का परिणाम है, या फिर संसदीय परंपराओं के क्षरण का संकेत? विगत वर्षों में बार-बार यह देखने को मिला है कि महत्वपूर्ण विधेयकों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय सदन की कार्यवाही बाधित होती रही है। इससे न केवल विधायी कामकाज प्रभावित होता है, बल्कि जनता के बीच यह संदेश भी जाता है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि अपने दायित्वों के प्रति गंभीर नहीं हैं।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह असहमति को स्थान देता है। विपक्ष का काम केवल विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को जवाबदेह ठहराना और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना भी है। इसके लिए सदन में बोलने का अवसर, प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता और आलोचना का सम्मान अनिवार्य है। यदि विपक्ष यह महसूस करता है कि उसके लिए ये रास्ते संकुचित किए जा रहे हैं, तो उसका आक्रोश सड़कों या नारेबाजी के रूप में फूट पड़ता है, जो अंततः संसद की गरिमा को ही नुकसान पहुँचाता है। दूसरी ओर, विपक्ष द्वारा बार-बार सदन की कार्यवाही बाधित करना भी उतना ही गंभीर दोष है, क्योंकि इससे शासन की प्रक्रिया ठप होती है और जनता के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। इस दोतरफा अविश्वास और आक्रामकता के बीच लोकतंत्र का मूल उद्देश्य कहीं खोता हुआ दिखता है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यदि संसद बार-बार हंगामे, निलंबन और गतिरोध की खबरों में रहे, तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की लोकतांत्रिक छवि को प्रभावित करता है। विकास, नीति और जनकल्याण की चर्चा के स्थान पर यदि टकराव और अविश्वास केंद्र में आ जाए, तो यह भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। लोकतंत्र की मजबूती केवल मजबूत सरकार से नहीं, बल्कि मजबूत विपक्ष और निष्पक्ष संस्थानों से भी आती है। लोकसभा अध्यक्ष जैसे पद से अपेक्षा की जाती है कि वह न केवल नियमों का पालन कराए, बल्कि विश्वास का सेतु भी बने। वहीं विपक्ष से भी यह अपेक्षा है कि वह विरोध को रचनात्मक बनाए, न कि अवरोध का माध्यम।

आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद को फिर से संवाद का मंच बनाया जाए, जहाँ तीखी असहमति भी मर्यादा में व्यक्त हो और सत्ता व विपक्ष दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएँ। अविश्वास प्रस्ताव जैसे कदम यदि चेतावनी के रूप में लिए जा रहे हैं, तो उन्हें आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। प्रश्न यह नहीं है कि कौन सही है और कौन गलत, बल्कि यह है कि लोकतंत्र की संस्था को कैसे स्वस्थ, विश्वसनीय और प्रभावी बनाया जाए। जनता ने सांसदों को नारे लगाने या कार्यवाही बाधित करने के लिए नहीं, बल्कि देश के भविष्य पर गंभीर विमर्श के लिए चुना है। यदि संसद इस अपेक्षा पर खरी नहीं उतरती, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होती है।

यह भी तथ्य है कि लोकसभा अध्यक्ष के रूप में श्री ओम बिरला का संसदीय संचालन अब तक सामान्यतः अनुशासित, कार्यकुशल और नियमसम्मत माना जाता रहा है। उनके कार्यकाल में लोकसभा की कार्यवाही को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने, विधायी कार्यों को प्राथमिकता देने और विभिन्न दलों को साथ लेकर चलने का प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अनेक अवसरों पर उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है तथा संसदीय परंपराओं और नियमों के पालन पर बल दिया है। उनकी छवि एक ऐसे अध्यक्ष की रही है जो सदन को सुचारु रूप से चलाने के लिए होशियारी, धैर्य और व्यावहारिक समझ का प्रयोग करते हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, संसदीय मर्यादाओं का आग्रह और संवाद के लिए दरवाजे खुले रखने की प्रवृत्ति को देखते हुए उनके जैसे लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की स्थिति अपने आप में एक त्रासद और चिंताजनक घटना प्रतीत होती है। यह घटना व्यक्ति विशेष से अधिक उस माहौल की ओर संकेत करती है, जहाँ अविश्वास इतना गहरा हो चुका है कि संवाद और विश्वास के पुल कमजोर पड़ते जा रहे हैं।

अंततः यह समय आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर जिम्मेदारी स्वीकार करने का है। सत्तापक्ष को यह समझना होगा कि मजबूत विपक्ष लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी ताकत है। विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध की भी एक मर्यादा और रचनात्मकता होती है। और अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पदों को यह स्मरण रखना होगा कि उनकी निष्पक्षता केवल नियमों के पालन से नहीं, बल्कि व्यवहार और अवसर की समानता से भी सिद्ध होती है। यदि संसद को संवाद का मंच बनाए रखने में हम विफल रहते हैं, तो यह केवल एक सत्र या एक सरकार की विफलता नहीं होगी, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति हमारी सामूहिक असफलता मानी जाएगी। यही वह बिंदु है जहाँ हर नागरिक, हर जनप्रतिनिधि और हर संस्था को आत्मचिंतन करना होगा, ताकि विकास की राह में विनाश की संभावनाएँ नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास और लोकतांत्रिक परिपक्वता का मार्ग प्रशस्त हो सके।

एकात्म मानववाद के शिल्पकार : पंडित दीनदयाल उपाध्याय

विजय केसरी

महान राष्ट्रवादी, एकात्म मानववाद के शिल्पकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन भारत को सुसंस्कृत, सुसंगठित और मजबूत करने में बीता था। वे एकात्म मानववाद के प्रबल पक्षधर थे। उनकी दृष्टि विशुद्ध भारतीय है। उन्होंने भारत की सनातन विचारधारा को राष्ट्र के अनुकुल कहा था। उन्होंने एकात्म मानववाद की विचारधारा प्रस्तुत कर कहा था कि 'आर्थिक विकास का मुख्य उद्देश्य सामान्य मानव का सुख है'। आज की बदली परिस्थिति में राजनीति जिस दिशा में दौड़ रही है, जहां परिवारवाद, भाई भतीजावाद, जातिवाद और धर्मवाद की होड़ लगी हुई है। इस होड़ में भारत की एकता अखंडता और राष्ट्रवाद गुम होती चली जा रही है। यह बेहद चिंता की बात है। भारत की अखंडता को तोड़ने के लिए विश्व कई देश लगे हुए हैं। भारत का बिलकुल पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान किस तरह पाक प्रायोजित आतंकवादी भारत की एकता और अखंडता को एक साजिश के तहत तोड़ने में लगे हुए हैं, फलस्वरुप भारत सरकार को ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई करने के लिए विवश होना पड़ा था। कनाडा की सरकार किस तरह भारत की अखंडता को तोड़ने वाली शक्तियों को अपने यहां पनाना दे रही है। कनाडा सरकार की इस साज़िश अपरोक्ष रूप से चीन और पाकिस्तान जैसे देश भी शामिल है। देश की एकता और अखंडता के मुद्दे पर पक्ष और विपक्ष को एक होना बहुत जरूरी है। तभी देश की एकता और अखंडता अक्षुण्ण रह सकती है।

दीनदयाल उपाध्याय का मत है कि 'राजनीति का सही उद्देश मानव का कल्याण होना चाहिए। इस कल्याण में राष्ट्र सुसंस्कृत, सुसंगठित और मजबूत कैसे हो'। यह विचारधारा ही सच्चे अर्थों में एकात्म मानववाद है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा था कि 'भारत में रहने वाला और इसके प्रति ममत्व की भावना रखने वाला मानव समूह एक जन है। उनकी जीवन प्रणाली, कला, साहित्य, दर्शन सब भारतीय संस्कृति है। इसलिए भारतीय राष्ट्रवाद का आधार यह संस्कृति है। इस संस्कृति में निष्ठा रहे, तभी भारत एकात्म रहेगा।' पंडित दीनदयाल उपाध्याय के इस विचार पर समस्त देशवासियों को गहन चिंतन करने की जरूरत है। साथ ही इस विचारधारा को आत्मसात करने की जरूरत है। आज देश पर बाहरी साजिशें इस कदर हावी होती चली जा रही हैं, जो भारत को खंड खंड करने में तुली हुई हैं। कुछ साजिशें ऐसी रची गई हैं कि भारत को कैसे उसकी मूल संस्कृति से अलग कर दिया जाए। ये साजिशें देशवासियों के बीच फुट डालकर वैमनस्यता पैदा करना चाहती हैं। इन तमाम साजिशों से मुकाबला करने के लिए भारत को एक बार फिर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के विचार को समझने और आत्मसात करने की जरूरत है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के विचारधारा का मतलब है, भारत एक मजबूत राष्ट्र बने। इस राष्ट्र में रहने वाले हर व्यक्ति राष्ट्रवादी बनें। राष्ट्रप्रेम यहां के निवासियों में जागृत रहें। राष्ट्र निष्ठा की समूह सच्चे अर्थों में एकात्म मानववाद है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय 'वासुदेव कुटुंबकम' की विचारधारा भारतीय सभ्यता की देन है। इसी विचारधारा के अनुसार भारत में सभी धर्मों को समान अधिकार प्राप्त है। संस्कृति से किसी व्यक्ति, वर्ग, राष्ट्र आदि की बातें जो उसके मन, रुचि, आचार, विचार, कला, कौशल और सभ्यता की सूची होती है, पर विचार होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह जीवन की शैली है। देश के कई तथाकथित विद्वान गण भारत की संस्कृति, रीति रिवाज, भाषा, रहन-सहन को ही धर्म कहने में संकोच नहीं करते हैं, बल्कि ये धर्म नहीं हैं। वस्तुतः ये भारत की मूल संस्कृति है, जो भारत की जीवन शैली है। यहां विभिन्न धर्म, पंथ और विचार के लोग एक साथ जरूर रहते हैं। इसके बावजूद सबों की जीवन शैली एक है। सबो की राष्ट्रीयता एक है। सबो का राष्ट्रप्रेम एक है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अनुसार अगर राष्ट्र मजबूत होता है, तभी देश की जनता मजबूत होती है। अगर देश की जनता कमजोर होती है, तब राष्ट्र भी कमजोर होता है। एक राष्ट्र की मजबूती के लिए देश की जनता का मजबूत होना बहुत जरूरी है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का दृष्टिकोण मजबूत जनता और मजबूत राष्ट्र है। आज देश में जो हालात पैदा किए जा रहे हैं ,भारत को तोड़ने की कोशिश की जा रही है। यह यह एक विश्वव्यापी सोची समझी साजिश है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय जीवन दर्शन का बहुत ही गहराई के साथ अध्ययन किया था। भारत को विश्व मानचित्र पर कैसे एक मजबूत राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित करें? इस दिशा में उन्होंने जो एकात्म मानववाद का विचारधारा प्रस्तुत किया था, उसके पीछे बस! एक मात्र उद्देश्य यह था कि देशवासी सच्चे राष्ट्रभक्त बने।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का बचपन बहुत ही परेशानियों में बीता था। उनकी परेशानियों का मतलब है, उन्हें बचपन से ही अपने परिवार वालों को खोना पड़ा था। तीन साल की उम्र में उनके पिता का जाना। साथ साल की उम्र में माता का जाना । फिर नानी का गुजर जाना। इसके बाद अनुज भ्राता का गुजर जाना। अर्थात उन्नीस वर्ष की उम्र तक उनका परिवार के अनन्य सदस्यों से बिछड़ना हुआ था। यह बिछड़ना उन्हें परेशान जरूर किया था, लेकिन मन से वे उतने ही मजबूत थे। चूंकि उन्हें भावी भारत के एकात्म मानववाद की विचारधारा प्रस्तुत करना था। परिवारिक बिछड़न की पीड़ा इनके मन में जरूरत थी, इसके बावजूद वे एक नए भारत के निर्माण के सिद्धांत को प्रस्तुत करने में जुट गए थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद नाना के कहने पर उन्होंने प्रशासनिक सेवा की परीक्षा दी थी। वे इस परीक्षा में उत्तीर्ण भी हुए थे। लेकिन उन्हें अंग्रेजी सरकार में नौकरी करना उचित नहीं लगा था। उन्होंने नौकरी ना करने की बात अपने नाना से स्पष्ट रूप से कह दिया था। नाना के लाख समझाने के बावजूद पंडित दीनदयाल उपाध्याय नहीं माने थे। इसके अलावा भी वे कई और परीक्षाओं में भी उत्तीर्ण हुए थे। लेकिन उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत में नौकरी नहीं की थी। वे 1937 में राष्ट्रीय सेवक सेवक संघ से जुड़ गए थे। संघ के संस्थापक डॉ हेडगेवार का सानिध्य कानपुर में उन्हें मिला था। उन्होंने कानपुर में राष्ट्रीय सेवक संघ का प्रशिक्षण पूरा किया था। इस प्रशिक्षण के उपरांत वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जीवन वृति प्रचारक बन गए थे। वे आजीवन संघ के प्रचारक रहे थे। संघ के माध्यम से ही उपाध्याय जी को भारतीय राजनीति में लाया गया था । 21 अक्टूबर 1951 को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की अध्यक्षता में भारतीय जनसंघ पार्टी की स्थापना हुई थी। इस स्थापना में गुरुजी (गोलवलकर जी) की प्रेरणा निहित थी। 1952 में जनसंघ का प्रथम अधिवेशन कानपुर में हुआ था। उपाध्याय जी इस दल के महामंत्री बने थे। इस अधिवेशन में पारित 15 प्रस्तावों में से सात उपाध्याय जी ने ही प्रस्तुत किया था। डॉक्टर श्याम प्रसाद मुखर्जी ने उनकी कार्यकुशलता और क्षमता से प्रभावित होकर कहा कि 'यदि मुझे दीनदयाल उपाध्याय मिल जाए तो मैं भारतीय राजनीति का नक्शा ही बदल दूं'। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जिस आत्मविश्वास के साथ पंडित दीनदयाल उपाध्याय के संबंध में यह बात कही थी, निश्चित तौर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय का व्यक्तित्व और कृतित्व ऐसा ही था।

वे 1967 तक भारतीय जनसंघ के महामंत्री रहे थे। 1967 में कालीकट अधिवेशन में उपाध्याय जी भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। वे मात्र चालीस दिनों तक ही जनसंघ के अध्यक्ष रहे थे। 11 फरवरी 1968 की रात्रि में मुगलसराय स्टेशन पर उनकी हत्या कर दी गई थी। दूसरे दिन सुबह स्टेशन के पास ही उनकी लाश पड़ी हुई थी। लोग देखकर हतप्रभ हो गए थे। भारत को एकात्म मानववाद का सूत्र देने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय इस दुनिया में नहीं रहे। यह खबर आग की चिंगारी की तरह संपूर्ण देश में फैल गई थी। पुलिसिया अनुसंधान जरूर हुआ था, लेकिन हत्यारे पकड़े नहीं गए। उनकी हत्या एक विश्वव्यापी साजिश का हिस्सा था। अगर मैं ऐसा लिखता हूं तो कोई अतिशयोक्ति न होगी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद का जो विचार दिया, उस पर चलने की जरूरत है। सच्चे अर्थों में उनके प्रति यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

सूडोकु नवताल- 7702

★☆☆☆☆ सरल

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7701 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

संसद सत्रः संविधान का अपमान कौन कर रहा है

मृत्युंजय दीक्षित

वर्ष 2026 का बजट सत्र हल्ले-गुल्ले और अराजकता की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा है। यहाँ बजट के अतिरिक्त अन्य सभी विषयों को उठाए जाने का प्रयास हो रहा है। स्थितियां इतनी विकट हैं कि संसदीय इतिहास में पहली बार राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री लोकसभा में उत्तर नहीं दे सके और राष्ट्रपति का अभिभाषण बिना किसी चर्चा के पारित हो गया। यद्यपि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में 97 मिनट लंबा और प्रभावशाली उत्तर दिया। राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने विपक्ष द्वारा की गई सभी टिप्पणियों का संज्ञान लेते हुए अपनी बात रखी। प्रधानमंत्री मोदी का यह संबोधन देश के स्वर्णिम भविष्य और विकास की दिशा को भी दर्शाता है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण के समय हंगामा करके देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान करने के बाद जब समय आने पर राहुल गांधी को बोलने का अवसर दिया गया तो उन्होंने विषय से इतर जाकर पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की एक अप्रकाशित पुस्तक का उल्लेख करते हुए कथित चीनी घुसपैठ का मुद्दा उछालने का प्रयास किया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा नियमों के अंतर्गत व्यवस्था दिए जाने के बाद भी राहुल गांधी अपनी बात पर अड़े रहे। यह एक आश्चर्यजनक व्यवहार है कि नेता प्रतिपक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने के स्थान पर पुराने मुद्दे उठाए और उनको भी आपत्तिजनक रूप से रखकर देश की सेना और सदन का अपमान करें। लोकसभा में कांग्रेस तथा इंडी गठबंधन की महिला सांसदों ने जिस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी का रास्ता रोकने की योजना बनायी और लोकसभा अध्यक्ष को प्रधानमंत्री से सदन में न आने का अनुरोध करना पड़ा, वो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना ये है कि यही लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बातें करते हैं।

राज्यसभा में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में भाग न लेकर विपक्षी दलों ने न केवल राष्ट्रपति पद का अपमान किया है अपितु एक गरीब परिवार से निकल कर आई आदिवासी महिला का भी अपमान किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में राहुल गांधी व कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को गद्दार कहने पर भी राहुल गांधी को घेरा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इनका अहंकार सातवें आसमान पर पहुंच गया है । कांग्रेस छोड़कर कितने ही लोग निकले हैं, किसी और को तो गद्दार नहीं कहा, ये सिख हैं इसलिए कहा, ये सिखों का, गुरुओं का अपमान था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लोकसभा में चेयर पर कागज फेकें गए जब असम के सदस्य चेयर की कुर्सी पर विराजमान थे- क्या यह असम का अपमान नहीं? जब आंध्र प्रदेश के एक दलित सदस्य चेयर की कुर्सी पर बैठे थे तब उन पर भी कागज फेंके गए क्या यह एक दलित बेटे और संविधान का अपमान नहीं है?

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आखिर कांग्रेस उनके लिए कब्र खुदेगी का नारा क्यों देती है ? हमने जम्मू -कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाई इसलिए या हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से उबारा है इसलिए? प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि ये कौ-सी मोहब्बत की दुकान है जो देश के किसी नागरिक की कब्र खोदने के सपने देखती है? प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं देश के युवाओं के लिए मजबूत जमीन तैयार कर रहा हूं तो कांग्रेस मोदी की कब्र खोदने के कार्यक्रम करवा रही है। हमने नार्थ ईस्ट में बम-बंदूक और आतंक का जो साया बना रहता था वहां शांति और विकास की राह अपनाई इसलिए वह मोदी की कब्र खोद रहे हैं। पाकिस्तानी आतंकवादियों को घर में घुसकर मारते हैं, ऑपरेशन सिंदूर करते हैं और इसलिए वे मोदी की कब्र खोदना चाहते हैं। मोदी तेरी कब्र खुदेगी ये जो उनके भीतर नफरत भरी हुई है मोहब्बत की दुकान में जो आग भरी पड़ी हुई है, उसका कारण है कि कांग्रेस इस बात को पचा नहीं पा रही है कि कोई और क्यों प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा है, ये तो हमारा पैतृक अधिकार था इसलिए वे हताशा में मोदी की कब्र खोदने के नारे लगा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को ये सहन नही हो रहा हे कि जो समस्याएं उसने 60 सालो में पाल-पोस कर बड़ी की थीं मोदी उनका एक- एक करके समाधान क्यों कर रहा है? कांग्रेस को ये सब पसंद नहीं आ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूरोपियन यूनियन और फिर अमेरिका के साथ जो व्यापार समझौते हुए उनके विषय में जानकारी देते हुए बताया कि अब पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है और समझौते कर रही है। कांग्रेस को भी यह अवसर मिला था, उन्होंने यह क्यों नही कर दिखाया?

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन के माध्यम से कांग्रेस,लेफ्ट व डीएमके सहित टीएमसी पर भी तीखा हमला बोला और उन्होंने बंगाल की टीएमसी सरकार को देश की सबसे निर्मम बताते हुए कहा कि यह लोग अपने अंदर नहीं झाकते अपितु हमको यहां बैठकर उपदेश देते हैं। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा सांसद सदानंद मास्टर के भाषण का संज्ञान लेते हुए वैचारिक सहिष्णुता की चर्चा की, ज्ञातव्य है कि सदानंद मास्टर के दोनों पैर वामपंथी विचारधारा के लोगों ने निर्ममता से केवल उनकी विचारधारा अलग होने के कारण काट दिए थे।

संसद के वर्तमान सत्र में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने जो रवैया अपनाया है उसने देश के वास्तविक मुद्दों को उठाने का एक सुनहरा अवसर खो दिया है। प्रधानमंत्री मोदी व भाजपा को घेरने के बजाय उन्होंने भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी को ही अपने ऊपर आक्रमण करने का अवसर दे दिया है। भाजपा अब सिख व दलित सांसदों के अपमान का राजनैतिक लाभ उठाने का पूरा प्रयास करेगी।

दैनिक पंचांग

11 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

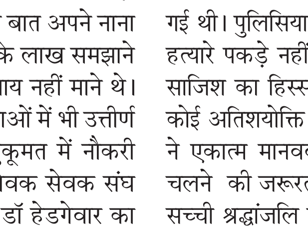

बुधवार 2026 वर्ष का 42 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** नवमी 09.59 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 10.53 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 02.30 बजे रात्र को समाप्त। **करण** गर 09.59 बजे तदनन्तर वणिज 23.13 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 23.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 14° 06'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872617
जूलियन दिन 2461082.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान **तारीख** 22
विशेष पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुण्यतिथि।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	06.45 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मीन	08.18 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	09.48 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.29 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.27 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.40 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	17.56 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.08 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.19 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	00.34 ब.से
12.00 से 1.30 बजे तक		धनु	02.50 बजे से
		मकर	04.55 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

ट्रेनिंग में अनुपस्थित रहने वाले 239 कर्मियों को शो-कोज

धनबाद : जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)-सह-उपायुक्त आदित्य रंजन ने नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 के लिए आहूत प्रथम प्रशिक्षण सत्र में अनुपस्थित रहने वाले 239 कर्मियों को शो-कोज किया है। उपायुक्त ने बताया कि नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 के सफल संचालन के लिए उपरोक्त 239 कर्मियों की प्रतिनियुक्ति मतदान कार्य के निमित्त मतदान दल के कर्मी के रूप में की गई है। इस आशय का नियुक्ति-पत्र उनको पूर्व में ही प्रेषित किया जा चुका है। लेकिन वे प्रशिक्षण के लिए निर्धारित तिथि को प्रशिक्षण-सत्र में अनुपस्थित पाए गए। उपायुक्त ने बताया कि निर्वाचन जैसे अतिमहत्त्वपूर्ण कार्य में, प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहना उनकी स्वेच्छाचारिता, लापरवाही, कर्तव्यहीनता के साथ सांवैधानिक दायित्वों का भी उल्लंघन है। इसलिए प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले सभी 239 कर्मियों को 24 घंटे के अन्दर अपना स्पष्टीकरण कार्मिक कोषांग को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

एक्सएलआरआइ में रिकॉर्ड प्लेसमेंट, औसत पैकेज 31.40 लाख

पूर्वी सिंहभूम : एक्सएलआरआइ, जमशेदपुर और एक्सएलआरआइ दिल्ली-एनसीआर के दो वर्षीय पीजीडीएम (बिजनेस मैनेजमेंट) और पीजीडीएम (ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट) प्रोग्राम के 2024-26 बैच की फाइनल प्लेसमेंट प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। इस प्लेसमेंट सीजन में 576 छात्रों को कुल 578 जॉब ऑफर्स मिले, जिनमें 576 घरेलू और दो अंतरराष्ट्रीय ऑफर्स शामिल हैं। प्लेसमेंट प्रक्रिया में कुल 145 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया, जिनमें 25 कंपनियां पहली बार एक्सएलआरआइ के साथ जुड़ीं। छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि लगभग 42.5 प्रतिशत छात्रों को समर इंटर्नशिप के आधार पर ही प्री-प्लेसमेंट ऑफर्स मिल गए थे। वेतन पैकेज के मामले में भी इस वर्ष उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली। पूरे बैच का औसत वेतन 31.40 लाख रुपये प्रति वर्ष रहा, जबकि मीडियन वेतन 29 लाख रुपये दर्ज किया गया।

इंदीपीढ़ी नाला पुल निर्माण की गुणवत्ता पर विधायक ने जताई नाराजगी

खूंटी : खूंटी के विधायक रामसूर्या मुंडा ने इंदीपीढ़ी पंचायत अंतर्गत इंदीपीढ़ी नाला में निमार्णाधीन पुल का मंगलवार को स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुल निर्माण कार्य में गंभीर तकनीकी खामियां और गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर विधायक ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण के क्रम में विधायक ने पाया कि पुल की ढलाई निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं की गई है तथा निर्माण में प्रयुक्त सामग्री भी अपेक्षित गुणवत्ता की नहीं है। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने विधायक को बताया कि ठेकेदार द्वारा गांव में रेंट पर ली गई भूमि का भुगतान अब तक नहीं किया गया है। साथ ही संबंधित भूमि का मुआवजा लंबित है और पिछले 15 दिनों से कार्यरत मजदूरों को मजदूरी भी नहीं मिली है। इस पर विधायक रामसूर्या मुंडा ने संवेदकों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि हेमंत सरकार ग्रामीणों के हित में अनेक विकास योजनाएं चला रही है, लेकिन यदि संवेदक मनमानी करेंगे और ग्रामीणों के साथ समन्वय स्थापित नहीं करेंगे, तो इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि खूंटी में घटिया और असंतोषजनक निर्माण कार्य स्वीकार्य नहीं है तथा ग्रामीणों के साथ इस प्रकार का व्यवहार पूर्णतः अस्वीकार्य है।

रामगढ़ में गृह रक्षकों की बहाली को लेकर प्रक्रिया तेज, जिला स्तरीय समिति की अहम बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : झारखंड गृह रक्षा वाहिनी अंतर्गत रामगढ़ जिले में गृह रक्षकों की बहाली को लेकर मंगलवार को उपायुक्त कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज ने की, जबकि पुलिस अधीक्षक अजय कुमार भी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक के दौरान रामगढ़ जिले में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लिए गृह रक्षकों की बहाली से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति ने बहाली प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुचारु रूप से संपन्न कराने को लेकर आवश्यक दिशा-निदेर्शों पर मंथन किया। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने पर बल दिया गया कि योग्य अभ्यर्थियों को अवसर मिले और चयन प्रक्रिया में सभी नियमों का पालन किया जाए। अधिकारियों ने बताया कि गृह रक्षक व्यवस्था जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, आपदा प्रबंधन, यातायात नियंत्रण तथा विभिन्न प्रशासनिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे में समय पर बहाली कर मानव संसाधन को सशक्त बनाना आवश्यक है। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि बहाली प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा ताकि किसी प्रकार की असुविधा या भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। बैठक के दौरान संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया, ताकि बहाली से जुड़ी सभी तैयारियां समय पर पूरी की जा सकें। साथ ही आवश्यक दस्तावेजों, शारीरिक दक्षता परीक्षण और अन्य प्रक्रियाओं को लेकर रूपरेखा तैयार करने पर जोर दिया गया। जिला प्रशासन ने संकेत दिया कि जल्द ही गृह रक्षकों की बहाली से संबंधित विस्तृत जानकारी सार्वजनिक की जाएगी, जिससे इच्छुक अभ्यर्थी समय रहते आवेदन प्रक्रिया में भाग ले सकें। बैठक के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि प्रशासन जिले में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

गोला में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान की शुरूआत 1.72 लाख लोगों को दवा खिलाने का लक्ष्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोला : फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से प्रखंड को पूरी तरह मुक्त करने के उद्देश्य से मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, गोला परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी के साथ 10 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक चलने वाले मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि सरकार की पहल के तहत फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मी, सहिया और सेविकाएं घर-घर जाकर लोगों को एल्बेंडाजोल सहित आवश्यक दवाएं खिलाएंगी। यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है और फाइलेरिया, जिसे आम भाषा में हाथीपांव कहा जाता है, से बचाव में अत्यंत प्रभावी है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि फाइलेरिया का प्रारंभिक चरण में कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखता, लेकिन समय के साथ यह गंभीर रूप ले सकता है। ऐसे में दवा का नियमित और सामूहिक सेवन ही इस बीमारी को जड़ से समाप्त कर सकता है। उन्होंने दो वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों से दवा सेवन करने की अपील की और कहा कि गर्भवती महिलाओं, दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों तथा गंभीर बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों को दवा नहीं दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी की गई है। पूरे प्रखंड क्षेत्र में कुल 262 लोगों की एक विशेष टीम गठित की गई है, जिसमें सहिया, आंगनबाड़ी सेविका और 27 सुपरवाइजर शामिल हैं। ये सभी अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर दवा वितरण और लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं। बताया गया कि इस अभियान के तहत पूरे गोला प्रखंड में कुल 1,72,410 लोगों को फाइलेरिया की दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए माइक्रो प्लान तैयार कर प्रत्येक गांव और टोले को कवर किया जा रहा है।

तिलैया थाना क्षेत्र से 40 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले में अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत तिलैया थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 40 लीटर अवैध देशी महुआ शराब जब्त की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कोडरमा अनुदीप सिंह के निदेर्शानुसार की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि खरेडवा निवासी महेश सिंह अपने हीरो होंडा मोटरसाइकिल संख्या JH12R-0749 पर अवैध महुआ शराब लेकर तिलैया बस्ती होते हुए तिलैया डैम की ओर जाने वाला है। सूचना के आधार पर तिलैया थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर गैस गोदाम गली में वाहन जांच शुरू की गई। जांच के दौरान संदिग्ध मोटरसाइकिल को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक मोटरसाइकिल खड़ी कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पीछा किया, परंतु वह भागने में सफल रहा। बाद में पुलिस ने मोटरसाइकिल की तलाशी ली, जिसमें दो जरीकन में रखी कुल 40 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद की गई। इस संबंध में तिलैया थाना कांड संख्या 39/26 दिनांक 10 फरवरी 2026 को धारा 272/274/275/3(5) बीएनएस एवं धारा 47 (ए)(एफ) उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले में अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती के साथ जारी रहेगा। आम नागरिकों से अवैध शराब से संबंधित सूचना देने की अपील की गई है, सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

उपायुक्त न किया डिस्पैच और रिसीविंग सेंटर का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : उपायुक्त आदित्य रंजन ने मंगलवार को शाम नगर निकाय चुनाव को सुचारू एवं त्रुटि रहित संपन्न कराने के लिए न्यू टाउन हॉल के पास स्थित मटेरियल कोषांग, गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक स्थित रिसीविंग सेंटर व स्ट्रोंग रूम, बिरसा मुंडा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स स्थित डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया। गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में उन्होंने धनबाद नगर निगम के लिए ग्राउंड, फर्स्ट एवं सेकंड फ्लोर पर तैयार हो रहे काउंटिंग हॉल, स्ट्रांग रूम, रिजर्व स्ट्रांग रूम तथा चिरकुंडा नगर परिषद के लिए तैयार हो रहे काउंटिंग हॉल व स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान संपन्न होने के बाद मतदान सामग्री रिसीव करने के लिए चिह्नित स्थलों का भी निरीक्षण किया। इसके बाद उपायुक्त ने बिरसा मुंडा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में तैयार हो रहे डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया। जहां सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा निवार्ची पदाधिकारियों के बैठने का स्थान, वाहनों की पार्किंग, कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट एवं बड़े अक्षरों में साइन बोर्ड लगाने, सभी कार्य 16 फरवरी तक संपन्न कर लेने तथा 17 फरवरी को सभी निवार्ची पदाधिकारी व मतदान कर्मियों को अपने-अपने स्थान का भौतिक सत्यापन कर लेने का निर्देश दिया।

पश्चिम सिंहभूम को नक्सल मुक्त बनाने को लेकर ऑपरेशन 'मेघाबुरु' पर उच्चस्तरीय मंथन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिले को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त करने के लक्ष्य के साथ सुरक्षा एजेंसियों ने अभियान को निर्णायक चरण में पहुंचा दिया है। इसी क्रम में मंगलवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिरीक्षक साकेत कुमार सिंह और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के महानिरीक्षक अनूप बिरथरे जिला मुख्यालय चाईबासा पहुंचे। यहां ऑपरेशन 'मेघाबुरु' के तहत चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों की समीक्षा और आगामी निर्णायक कार्रवाई की रणनीति तय करने के लिए उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की जा रही है। दरअसल, हाल के दिनों में सारंडा के घने जंगलों में हुई बड़ी मुठभेड़ को सुरक्षा बलों की अहम सफलता माना जा रहा है, जिसमें 17 नक्सलियों को मार गिराया गया था। इस मुठभेड़ में आनंद जैसे कुख्यात माओवादी नेता के मारे जाने से संगठन को बड़ा झटका लगा है। इसके बाद संकेत मिले हैं कि सारंडा, पोड़ाहाट और आसपास के दुर्गम वन क्षेत्रों में भी इसी तरह के बड़े और निर्णायक ऑपरेशन लगातार चलाए जाएंगे, जिससे कि नक्सलियों की बची-खुची ताकत को भी पूरी तरह समाप्त किया जा सके। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों के सामने चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं। खुफिया सूत्रों के अनुसार, सारंडा के जंगलों में अब भी कई बड़े माओवादी नेता सक्रिय हैं, जिनमें करोड़ों रुपये के इनामी मिसिर बेसरा जैसे कुख्यात नक्सली शामिल बताए जाते हैं। ऐसे में निर्धारित समय-सीमा के भीतर पश्चिमी सिंहभूम को नक्सल मुक्त करना सुरक्षा बलों के लिए एक कठिन, लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण लक्ष्य बना हुआ है। इस दौरान सीआरपीएफ आईजी साकेत कुमार सिंह और एसटीएफ आईजी अनूप बिरथरे के हेलीकॉप्टर से चाईबासा पहुंचने पर टाटा कॉलेज मैदान में कोल्हान पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) अनुरंजन किस्पोट्टा और पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित रेणु ने उनका स्वागत किया। इसके बाद ऑपरेशन मेघाबुरु और जिले में चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों को लेकर बैठकों का सिलसिला शुरू हुआ। प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों का दावा है कि आने वाले दिनों में नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई और तेज की जाएगी, जिससे कि क्षेत्र में स्थायी शांति, विकास और सामान्य जनजीवन की बहाली सुनिश्चित की जा सके।

बलकुदरा माइंस में मजदूरों की हुंकार, 12 फरवरी की हड़ताल को सफल बनाने का एलान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : बलकुदरा माइंस में 12 फरवरी को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में संयुक्त मोर्चा की ओर से पिट मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में कोयला कर्मियों ने भाग लिया और हड़ताल को पूरी तरह सफल बनाने का आह्वान किया गया। पिट मीटिंग की शुरूआत बलकुदरा माइंस के सीसीएल कर्मचारी, हजारी बाबू पद पर कार्यरत रहे उमेंद्र कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। उमेंद्र कुमार का 8 फरवरी 2026 को मेडिका अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था। उपस्थित मजदूरों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को नमन किया। सभा की अध्यक्षता लखेंद्र राय ने की, जबकि संचालन संजय मिश्रा ने किया। वक्ताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि लागू किए गए चार लेबर कोड मजदूरों के हित में नहीं हैं, बल्कि यह कोयला कर्मियों के अधिकारों और भविष्य को कमजोर करने की साजिश है। कोल फील्ड मजदूर यूनियन के सचिव पप्पू सिंह ने कहा कि जिस तरह लोग अपनी जमीन के एक-एक इंच की रक्षा के लिए एकजुट होकर खड़े हो जाते हैं, उसी तरह आज अपनी नौकरी, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए भी संगठित संघर्ष की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ईसीएल और बीसीसीएल में हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं, जहां कर्मचारियों को बिजली जैसी बुनियादी सुविधा तक नहीं मिल रही है और लगभग 500 कर्मचारियों के स्थानांतरण के आदेश जारी किए जा चुके हैं। वहीं सीसीएल के कई क्षेत्रों में इस महीने रविवार और पीएचडी कार्य का भुगतान भी नहीं हो पाया है।वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार योजनाबद्ध तरीके से मजदूर सुविधाओं में कटौती कर रही है और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को निजी हाथों में सौंपने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। नए माइंस आउटसोर्सिंग के माध्यम से खोले जा रहे हैं, जबकि विभागीय माइंस खोलने की कोई पहल नहीं हो रही है। कोल इंडिया को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर बेचने की साजिश का आरोप भी लगाया गया।

संक्षिप्त खबरें

रामगढ़ में गूंजा आत्मबोध का संदेश, स्वामी युगल शरण के प्रवचनों से साधकों में जागृति

रामगढ़ : शहर में आध्यात्मिक साधना और आत्मचिंतन का विशेष वातावरण देखने को मिल रहा है। प्रतिदिन सुबह 7 बजे से स्वामी युगल शरण के सान्निध्य में आयोजित साधना कक्षा में बड़ी संख्या में साधक भाग ले रहे हैं। इस कक्षा में केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि प्रैक्टिकल साधना का अभ्यास भी कराया जा रहा है, जिससे साधकों में आत्मबोध और आंतरिक जागृति का अनुभव हो रहा है। सुबह की कक्षा में स्वामी युगल शरण ने पूर्व पक्ष रखते हुए गूढ़ प्रश्न सामने रखे—मैं कौन हूं, मनुष्य दुख क्यों भोगता है और इन दुखों का स्थायी समाधान क्या है। इसके पश्चात उत्तर पक्ष में उन्होंने शास्त्रों और अनुभव के आधार पर इन प्रश्नों का स्पष्ट समाधान प्रस्तुत किया, जिससे साधकों को आत्मचिंतन की नई दिशा मिली। शाम साढ़े पांच बजे से चल रही 21 दिवसीय प्रवचन श्रृंखला के 11वें दिन स्वामी युगल शरण ने वास्तविक संत की पहचान और उनसे जुड़ी सावधानियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि शास्त्रों में संत को पहचानने के लिए स्पष्ट लक्षण बताए गए हैं और विवेकशील साधक इन्हीं के आधार पर सही मार्गदर्शन प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि वास्तविक संत वही होता है, जो शास्त्रों का गहन ज्ञान रखने के साथ-साथ ब्रह्मनिष्ठ हो और जिसने स्वयं परमात्मा का अनुभव किया हो। ऐसे संत संसार में उलझाने के बजाय उससे मुक्त होने का मार्ग दिखाते हैं। वे चमत्कारों या सिद्धियों का प्रदर्शन नहीं करते और न ही आशीर्वाद या अभिशाप का सहारा लेते हैं। दीक्षा भी तभी दी जाती है, जब साधक पूरी तरह पात्र बन जाता है। स्वामी युगल शरण ने यह भी कहा कि संत की पहचान बाहरी वेशभूषा से नहीं, बल्कि उनके आंतरिक भाव और वाणी के प्रभाव से होती है। वास्तविक संत की वाणी हृदय को स्पर्श करती है और शंकाओं का समाधान करती है। उन्होंने बताया कि संत के संग से साधक के भीतर ईश्वरीय प्रेम का संचार होता है, जो अत्यंत दुर्लभ और बहुमूल्य निधि है। प्रवचन के दौरान ईश्वरीय प्रेम, कृष्ण प्रेम और अष्ट सात्विक लक्षणों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जब संत को भगवान के नाम, रूप, गुण और लीला का वातावरण मिलता है, तब यह प्रेम स्वतः प्रकट हो जाता है। प्रवचन के माध्यम से साधकों को विवेक, शरणागति और सच्चे गुरु की पहचान का स्पष्ट मार्गदर्शन मिला।

रामगढ़ में भक्ति और ज्ञान की सरिता, संगीतमय श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

रामगढ़ : शहर में आध्यात्मिक चेतना और धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संगीतमय श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ महोत्सव का भव्य आयोजन शुरू हो गया है। यह पावन अनुष्ठान 10 फरवरी 2026 से 18 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। आयोजन स्थल गोला रोड स्थित निवास स्थान, यूको बैंक के समीप निर्धारित किया गया है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है। श्रीमद्भागवत कथा का वाचन अयोध्या धाम से पधारे आचार्य व्यास महाराज द्वारा किया जा रहा है। कथा के दौरान प्रतिदिन श्रीमद्भागवत के विविध प्रसंगों का संगीतमय वर्णन, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। कथा श्रवण के माध्यम से श्रद्धालुओं को जीवन में भक्ति, वैराग्य और सदाचार का संदेश दिया जाएगा। महोत्सव की शुरूआत मंगलवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुई। इस शोभा यात्रा में 108 श्रद्धालु महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भाग लिया। कलश यात्रा निवास स्थान से प्रारंभ होकर दामोदर नदी पहुंची और विधि-विधान के पश्चात पुनः आयोजन स्थल पर लौटकर संपन्न हुई। आकर्षक झांकियों और भक्ति गीतों के बीच पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आया। कार्यक्रम के अंतर्गत 11 फरवरी से कथा का नियमित शुभारंभ होगा। 12 फरवरी को हिरण्याक्ष वध एवं जड़भरत प्रसंग, 13 फरवरी को गज-ग्राह उद्धार, 14 फरवरी को कृष्ण जन्म महोत्सव, 15 फरवरी को बाल लीला, 16 फरवरी को गोवर्धन पूजा एवं छप्पन भोग, 17 फरवरी को सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष और शुकदेव विदाई का प्रसंग प्रस्तुत किया जाएगा। 18 फरवरी को हवन एवं पूर्णाहुति के साथ महोत्सव का समापन होगा। इस धार्मिक आयोजन के आयोजक रामबिलास प्रसाद अग्रवाल, माया देवी और देवेंद्र अग्रवाल हैं। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्रीमद्भागवत कथा श्रवण का पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

स्वस्थ पंचायत की ओर मजबूत कदम, बुधबाजार दोतल्ला में 15 दिवसीय फाइलेरिया मुक्ति अभियान का शुभारंभ

भुरकुंडा : रीवर साइड बुधबाजार दोतल्ला पंचायत के दुंदुवा टीकाकरण केंद्र पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से 15 दिवसीय फाइलेरिया मुक्ति अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से बचाना और इसके प्रति व्यापक जागरूकता फैलाना है। अभियान की शुरूआत पंचायत मुखिया सत्यवंती देवी ने स्वयं डीईसी और एल्बेंडाजोल दवाओं का सेवन कर तथा उपस्थित ग्रामीणों और बच्चों को दवा खिलाकर की। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बताया कि फाइलेरिया मच्छर के काटने से फैलने वाला संक्रामक रोग है, जिसे आम बोलचाल की भाषा में हाथीपांव कहा जाता है। यह बीमारी शुरूआती अवस्था में बिना किसी स्पष्ट लक्षण के भी हो सकती है, जिससे समय पर पहचान करना कठिन हो जाता है। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया के लक्षणों में बुखार, हाथ-पैर में दर्द व सूजन, पुरुषों के जननांगों के आसपास दर्द या सूजन तथा अंडकोष में सूजन शामिल हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फाइलेरिया रोधी दवाएं शरीर में मौजूद परजीवियों को नष्ट करती हैं। दवा सेवन के बाद कुछ लोगों को हल्का बुखार, सिर या शरीर में दर्द, उल्टी या त्वचा पर चकत्ते हो सकते हैं, लेकिन इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि ये लक्षण सामान्य होते हैं और कुछ समय में स्वतः समाप्त हो जाते हैं। मुखिया ने कहा कि जब पूरे समुदाय के लोग एक साथ इस दवा का सेवन करते हैं, तभी फाइलेरिया पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। दवा का सेवन स्वास्थ्यकर्मी या सहिया की उपस्थिति में चबाकर करना आवश्यक है। यह दवा दो वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारी से पीड़ित व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी।

डोमचांच नगर पंचायत के अध्यक्ष उम्मीदवार पप्पु मेहता का चुनावी कार्यालय का किया गया उद्घाटन

कोडरमा : डोमचांच नगर पंचायत चुनाव को देखते हुए आज दिन मंगलवार को पप्पू मेहता के द्वारा डोमचांच के अलग अलग स्थान में कार्यालय का उद्घाटन किया गया डोमचांच बाजार में लाला बाबू होटल के बगल में बाजार रोड में दूसरा कार्यालय और तीसरा डोमचांच ढाब रोड बाघा कोठी के बगल में कार्यालय का उद्घाटन किया किया जिसमें पप्पू मेहता के सैकड़ों समर्थक ने कार्यालय के उद्घाटन में हिस्सा लिया।

समहरणालय सभागार में सुरक्षित इंटरनेट दिवस का आयोजन, डिजिटल सुरक्षा को लेकर किया गया जागरूक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सुरक्षित इंटरनेट दिवस-2026 के अवसर पर आज समहरणालय सभागार में जिला प्रशासन के तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं एवं सरकारी कर्मियों को सुरक्षित, जिम्मेदार एवं विवेकपूर्ण इंटरनेट उपयोग के प्रति जागरूक करना था, ताकि डिजिटल माध्यमों का सकारात्मक उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत तथा जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी उमेश कुमार उपस्थित रहे। अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज

का युग डिजिटल युग है, जिसमें इंटरनेट ने सूचना, शिक्षा, संचार एवं सेवाओं को अत्यंत सरल बना दिया है। हालांकि, इसके साथ ही साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, फर्जी सूचनाएं, डेटा चोरी एवं सोशल मीडिया के दुरुपयोग जैसी चुनौतियां भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के प्रति जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी व्यक्तिगत जानकारी, जैसे आधार, बैंक विवरण, ओटीपी, पासवर्ड आदि को किसी के साथ साझा नहीं करना चाहिए तथा संदिग्ध लिंक, ई-मेल एवं कॉल से सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखें और उन्हें सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के बारे में मार्गदर्शन दें। जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी उमेश कुमार ने अपने संबोधन में सोशल मीडिया के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करना आवश्यक है, ताकि फर्जी खबरों एवं भ्रामक सूचनाओं के प्रसार को रोका जा सके। उन्होंने साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल संबंधित साइबर हेल्पलाइन एवं पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सुरक्षित एवं नैतिक उपयोग पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने बताया कि एआई तकनीक जहां एक ओर कार्यक्षमता बढ़ाने में सहायक है, वहीं इसके दुरुपयोग से निजात एवं सुरक्षा पर खतरा भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए एआई आधारित टूल्स का उपयोग सोच-समझकर एवं जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए। इस अवसर पर डिजिटल गोपनीयता, डेटा संरक्षण, ऑनलाइन शिष्टाचार एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रस्तुति भी दी गई। प्रतिभागियों को यह जानकारी दी गई कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी या ऑनलाइन अपराध की स्थिति में राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क किया जा सकता है।कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं अन्य प्रतिभागी उपस्थित थे। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

एक नजर

भगवा को लेकर आपत्तिजनक बयान पर सवर्ण आर्मी और सनातन उत्सव समिति का विरोध

पूर्वी सिंहभूम : हाल ही में बाबर खान की ओर से भगवा को लेकर दिए गए आपत्तिजनक बयान को लेकर जिले में राजनीतिक और सामाजिक संगठनों के बीच तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। सवर्ण आर्मी और सनातन उत्सव समिति ने इस बयान को सनातन परंपरा, सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक सौहार्द पर सीधा आघात बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है। सवर्ण आर्मी के संयोजक अप्पू तिवारी ने मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भगवा किसी एक राजनीतिक दल या संगठन का प्रतीक नहीं, बल्कि यह भारत की सनातन संस्कृति, त्याग, तपस्या और राष्ट्रबोध का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की भाषा का प्रयोग करोड़ों आस्थावान लोगों की भावनाओं को आहत करता है। उन्होंने कहा कि मेयर चुनाव जैसे संवेदनशील माहौल में इस तरह के बयान समाज को बांटने और तनाव बढ़ाने वाले हैं। अप्पू तिवारी ने प्रशासन से मांग की कि बाबर खान के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्रवाई की जाए और उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाई जाए। वहीं, सनातन उत्सव समिति के संस्थापक चिंटू सिंह ने भी इस बयान पर कड़ा एतराज जताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सभी को है, लेकिन यह स्वतंत्रता किसी समुदाय, आस्था या सांस्कृतिक प्रतीक के अपमान की अनुमति नहीं देती। उनके अनुसार, चुनावी समय में इस तरह के वक्तव्य आदर्श आचार संहिता और संवैधानिक मूल्यों की भावना के विपरीत माने जा सकते हैं। दोनों संगठनों ने प्रशासन से अपेक्षा जताई कि ऐसे मामलों में विधिसम्मत संज्ञान लिया जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति समाज में वैमनस्य फैलाने वाले बयान देने का दुस्साहस न कर सके और शहर में शांति एवं सौहार्द बना रहे।

सड़क निर्माण कार्य को निशाना बनाकर हाईवा फूंका, जांच में जुटी पुलिस

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सुदूरवर्ती आनंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रोबोकेरा इलाके में सोमवार की देर रात अज्ञात अपराधियों ने सड़क निर्माण कार्य को बाधित करने के उद्देश्य से बड़ी वारदात को अंजाम दिया। अपराधियों ने निर्माण स्थल पर खड़े एक हाईवा वाहन में आग लगा दी, जिससे वाहन का अधिकांश हिस्सा जलकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं मंगलवार सुबह सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया। जानकारी के अनुसार, भालडुंगी चौक से साड़ीबा तक लगभग 22 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है। बताया जा रहा है कि उक्त सड़क निर्माण कार्य रांची स्थित वैष्णवी कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा कराया जा रहा है, जिसके मालिक नीरज सिंह हैं। मंगलवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही आनंदपुर थाना प्रभारी प्रिंस झा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने जले हुए वाहन का निरीक्षण किया, आसपास के क्षेत्र की घेराबंदी कर साक्ष्य जुटाए और निर्माण कार्य में लगे कर्मियों से पूछताछ की। थाना प्रभारी प्रिंस झा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में असामाजिक तत्वों की संलिप्तता की आशंका है। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है और जल्द ही दोषियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस इस बात की भी गंभीरता से जांच कर रही है कि कहीं इस आगजनी के पीछे किसी प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन की भूमिका तो नहीं है।

सुरक्षित बचपन के लिए 'दामिन पहल' के तहत विद्यालय स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड में झारखण्ड विकास परिषद् द्वारा सुरक्षित बचपन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एफएक्सबी इंटरनेशनल परियोजना के अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय चिलगोजोरी में स्कूली बच्चों एवं किशोर-किशोरियों के साथ एक विद्यालय स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परियोजना समन्वयक मनोरंजन सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य बाल संरक्षण एवं शिक्षा सुनिश्चित करना व तस्करी, बाल विवाह बाल यौन शोषण पर रोक लगाना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों और किशोरों को उनके अधिकारों सुरक्षा और संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना था। वहीं कार्यक्रम के दौरान गुड टच एवं बैड टच, मानव बाल तस्करी, बाल संरक्षण तथा बाल विवाह जैसे गंभीर मुद्दों पर विस्तार से जानकारी दी गई। बच्चों को सरल भाषा और उदाहरणों के माध्यम से यह समझाया गया कि वे किसी भी प्रकार की असुरक्षित स्थिति में किस प्रकार प्रतिक्रिया करें और सहायता कहाँ से प्राप्त करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाध्यापिका तेरेसा सोरेन ने की उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों की सुरक्षा केवल परिवार या विद्यालय की ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें सुरक्षित भविष्य की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

रेलवन ऐप के प्रचार हेतु साहिबगंज स्टेशन पर डिजिटल जागरूकता अभियान का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : डिजिटल इंडिया मिशन एवं भारतीय रेल की डिजिटल यात्री सेवा विस्तार की परिकल्पना के अनुरूप मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में रेलवन ऐप के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मालदा, कार्तिक सिंह के पर्यवेक्षण में साहिबगंज रेलवे स्टेशनों पर रेलवन ऐप डिजिटल जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। जबकि साहिबगंज स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रभावी जन-जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर पूर्व रेलवे उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें

डिजिटल माध्यमों के उपयोग तथा रेलवन ऐप की उपयोगिता को सरल एवं रोचक ढंग से प्रदर्शित किया गया। अभियान के दौरान यात्रियों को रेलवन ऐप को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में अपनाने की सुविधा, सरलता एवं कार्यक्षमता के बारे में जागरूक किया गया। अभियान के दौरान रेलवन ऐप की प्रमुख विशेषताओं की जानकारी दी गईः, एक ही प्लेटफॉर्म से आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट की बुकिंग, लाइव ट्रेन ट्रैकिंग, पीएनआर स्थिति एवं कोच स्थिति की जानकारी, डिजिटल प्लेटफॉर्म टिकट बुकिंग की सुविधा, डिजिटल भुगतान के माध्यम से अनारक्षित टिकट पर 3% की छूट, आर वोलेट रिचार्ज पर 3% बोनस, रेल मदद रिफंड अनुरोध एवं यात्रा फीडबैक जैसी यात्री सेवाएं,ल। यह पहल यात्रियों को सुरक्षित, स्मार्ट एवं सुविधाजनक डिजिटल सेवाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर जिले में एमडीए कार्यक्रम का जिला स्तरीय उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाने के उद्देश्य से मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम का जिला स्तरीय उद्घाटन हाई स्कूल नगरपालिका कन्या विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डीसी हेमंत सती एवं सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों का पारंपरिक रूप से बुके देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीसी ने कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर लेकिन पूरी तरह रोके जा सकने वाला रोग है। समय पर और सही तरीके से दवा सेवन कर जिले को इस बीमारी से मुक्त किया जा सकता है। उन्होंने एमडीए कार्यक्रम की सफलता के लिए सामूहिक जागरूकता,

जनसहभागिता एवं स्वास्थ्य विभाग तथा समुदाय के बीच बेहतर समन्वय पर विशेष बल दिया। एमडीए कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य फाइलेरिया उन्मूलन के तहत सामुदायिक स्तर पर एवं एल्बेंडाजोल दवाओं का वितरण सुनिश्चित करना है। इस अभियान के तहत स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर दवाओं का वितरण करेंगे, ताकि सभी पात्र व्यक्तियों तक दवा पहुँचे और वे इसका सेवन सुनिश्चित करें।कार्यक्रम के तहत 2 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों के लिए दवा सेवन अनिवार्य है। गर्भवती महिलाएँ, गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति एवं 2 वर्ष से कम आयु के बच्चों को डीईसी दवा नहीं दी जाएगी। वहीं 1 से 2 वर्ष के बच्चों को एल्बेंडाजोल की आधी गोली दी जाएगी। अंत में सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें और अपने परिवार के प्रत्येक पात्र सदस्य को दवा सेवन अवश्य कराएँ, ताकि जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाया जा सके।

प्रखंड स्तरीय किसान मेला-सह-कृषि प्रदर्शनी आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले का आकांक्षी प्रखण्ड लिट्टीपाड़ा स्तिथ कार्यालय परिसर में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड सरकार के अंतर्गत आत्मा, पाकुड़ के सौजन्य से नीति आयोग के संपूर्णता अभियान के तहत प्रखण्ड स्तरीय किसान मेला- सह-कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया। किसान मेले का मुख्य उद्देश्य किसानों को नवीन कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों, आधुनिक कृषि यंत्रों एवं सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना था। मेले में किसानों द्वारा उत्पादित फल, सब्जी एवं विभिन्न फसलों का प्रदर्शन किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा। इस

अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसानों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। साथ ही किसानों के बीच किसान क्रेडिट कार्ड ऋण स्वीकृति पत्र एवं सॉयल हेल्थ कार्ड का वितरण किया गया, जिससे किसानों को कृषि कार्यों में आर्थिक एवं तकनीकी सहायता मिल सके। कार्यक्रम में प्रखण्ड एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी, कृषि वैज्ञानिक, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। उपस्थित पदाधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाने तथा सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

नगर परिषद चुनाव दुमका की दिशा व दशा तय करेगा : आदित्य साहू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दुमका : आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी की नगर परिषद प्रबंधन समिति की बैठक स्थानीय होटल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रूपेश मंडल ने की, जबकि प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि नगर परिषद चुनाव केवल एक पद का चुनाव नहीं है, बल्कि यह दुमका की दिशा और दशा तय करने वाला चुनाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते वर्षों में नगर परिषद में अव्यवस्था, भ्रष्टाचार और

जनविरोधी कार्यशैली के कारण जनता परेशान रही है। भाजपा इस चुनाव के माध्यम से नगर परिषद को भ्रष्टाचार से मुक्त कर पारदर्शी, जवाबदेह और जनहितकारी प्रशासन स्थापित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता इस चुनाव को मिशन के रूप में लड़ेगा। मतदान के दिन पार्टी के कार्यकर्ता सभी बूथों पर पूरी मजबूती के साथ तैनात रहेंगे। बूथ कमेटी, पन्ना प्रमुख और सक्रिय कार्यकर्ता मतदाताओं को संगठित कर यह सुनिश्चित करेंगे कि एक-एक वोट भाजपा समर्थित प्रत्याशी के पक्ष में पड़े। उन्होंने कहा कि संगठन की असली ताकत बूथ से निकलती है और इसी ताकत के बल पर भाजपा यह चुनाव जीतेगी। आदित्य साहू ने कहा कि दुमका नगर को अब खोखले वादों और दिखावटी राजनीति से मुक्ति चाहिए। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर भाजपा की नीति, नीयत और नेतृत्व को जनता के सामने रखें और भाजपा समर्थित प्रत्याशी अमिता रक्षित के पक्ष में निर्णायक जनसमर्थन तैयार करें। इस मौके पर जिला अध्यक्ष रूपेश मंडल ने कहा कि दुमका जिला संगठन पूरी एकजुटता और अनुशासन के साथ चुनावी मैदान में है और नगर परिषद चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशी की जीत के साथ दुमका नगर में परिवर्तन की शुरूआत तय है। बैठक में गोड्डा के पूर्व विधायक सह दुमका नगर परिषद चुनाव प्रभारी अमित मंडल, पूर्व सांसद सुनील सोरेन और नगर परिषद अध्यक्ष पद की भाजपा समर्थित प्रत्याशी अमिता रक्षित सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ द्वारा दो नाबालिग बालकों का सुरक्षित संरक्षण किया

साहिबगंज : मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन तथा आशिम कुमार कुल्लू, मंडल सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ, मालदा के पर्यवेक्षण में, मालदा मंडल की रेलवे सुरक्षा बल ने "ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते" के अंतर्गत तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन पर दो नाबालिग बालकों की सुरक्षा सुनिश्चित की। जहां 10 फरवरी 2026 को प्रात: लगभग 05 :20 बजे, नियमित निरीक्षण के दौरान आरपीएफ कर्मियों ने तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-02 पर दो नाबालिग बालकों को संदिग्ध अवस्था में उद्देश्यहीन घूमते हुए पाया। पूछताछ के दौरान यह ज्ञात हुआ कि दोनों नाबालिग पारिवारिक कारणों से अपने घर से निकल आए थे। बालकों की सुरक्षा एवं कल्याण को दृष्टिगत रखते हुए, बाल संरक्षण संस्था बाल संरक्षण मंथन, तीनपहाड़ के प्रतिनिधि की सहायता से उन्हें सुरक्षात्मक अभिरक्षा में लेकर आरपीएफ पोस्ट, बरहरवा लाया गया तथा सभी आवश्यक औपचारिकताएँ पूर्ण करने के उपरांत आगे की देखभाल एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु उक्त संस्था को सौंप दिया गया। ये त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई मालदा मंडल आरपीएफ की बाल सुरक्षा एवं यात्री सुरक्षा के प्रति निरंतर सतर्कता और प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

नगर निकाय चुनाव के सफल संचालन हेतु मतदान पदाधिकारियों के प्रशिक्षण का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

साहिबगंज : नगर निकाय आम निर्वाचन के सफल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-डीसी हेमंत सती ने आज उत्क्रमित उच्च विद्यालय, पुलिस लाईन परिसर में आयोजित मतदान पदाधिकारी प्रथम एवं द्वितीय के प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीसी ने बैलेट पेपर से मतदान कराने की प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता की समीक्षा की। डीसी ने उपस्थित मतदान पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निदेर्शों का अक्षरश: पालन करें। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया में सजगता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक है, ताकि मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी को मतदान के दिन पूर्ण निष्ठा के साथ लागू करें। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आज कुल 276 मतदान पदाधिकारियों को मतदान की प्रक्रिया, बैलेट पेपर के उपयोग, मतदाता पहचान तथा मतदान से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुझू कुमार मिश्रा, अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। जिला प्रशासन द्वारा नगर निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण एवं सफल बनाने हेतु सभी आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित की जा रही हैं।

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ शुभारंभ

साहिबगंज : सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कोराडीह छठ घाट से 108 कुंवारी कन्याओं ने पवित्र जल भरकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ कलश यात्रा निकाली। गाजे-बाजे, भक्ति गीतों और जयघोष के बीच निकली कलश यात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। कलश यात्रा में कोराडीह, कल्याणपुर, छोटा महगामा, सरायबिंधा एवं तालझारी सहित आसपास के गांवों की कन्याएं बड़ी संख्या में शामिल हुई। पारंपरिक वेशभूषा में सजी कन्याएं सिर पर कलश लेकर कतारबद्ध चल रही थीं, जिससे यात्रा का दृश्य अत्यंत आकर्षक बन गया। मार्ग में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही तथा जगह-जगह ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर कन्याओं का स्वागत किया। आयोजकों के अनुसार कलश यात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। इस अवसर पर पंचायत के मुखिया सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन की सफलता की कामना की और श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया। कलश यात्रा के कथा स्थल पहुंचने पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर कलश स्थापना की गई, जिसके साथ श्रीमद् भागवत कथा का विधिवत शुभारंभ हुआ। आयोजकों ने बताया कि कथा का आयोजन प्रतिदिन संध्या 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक किया जाएगा, जिसमें भजन-कीर्तन एवं प्रवचन होंगे। कथा वाचन के लिए श्रीधाम वृंदावन से पधारे भागवताचार्य श्री गोकर्ण शास्त्री जी महाराज श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराएंगे। समापन अवसर पर विशाल भंडारा एवं विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण बनता है तथा समाज में भाईचारा और एकता का संदेश मिलता है। भव्य कलश यात्रा ने पूरे लखीपुर क्षेत्र को भक्ति रस में डुबो दिया।

मैट्रिक व इंटरमीडिएट की परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में हुई संपन्न

साहिबगंज : जैक द्वारा आयोजित मैट्रिक व इंटरमीडिएट की परीक्षा मंगलवार को उधवा प्रखंड क्षेत्र के दो परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा हुई। द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट परीक्षा में भूगोल विषय की परीक्षा हुई। प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा के केंद्राधीक्षक नुसरत जहां ने बताया कि इंटरमीडिएट परीक्षा में कुल 351 परीक्षार्थी उपस्थित हुए। वहीं स्वामी विवेकानंद उच्च विद्यालय श्रीधर दियारा के केंद्राधीक्षक गौर चंद्र मंडल ने बताया कि कुल 487 में से 485 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 2 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। मौके पर दण्डाधिकारी पुलिस पदाधिकारी,शिक्षक सहित अन्य मौजूद थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार विधानसभा पहुंचे नितिन नवीन, किस मंत्री ने क्या कहा जानिए

पटना। बिहार विधानसभा में नितिन नवीन का सत्ता पक्ष के विधायकों ने जमकर स्वागत किया। भाजपा विधायकों ने भारत माता और जय श्रीराम के नारे लगाए। हालांकि, उस वक्त विपक्ष के नेता सदन में नहीं थे। पूरा विपक्ष सदन से बाहर था। इस बीच भाजपा, जदयू, लोजपा रामविलास, रालोमो और हम पार्टी ने सदन में नितिन नवीन को बधाई दी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष दो दिवसीय दौरे पर बिहार में हैं। मंगलवार दोपहर वह राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार विधानसभा पहुंचे। विधानसभा की कार्यवाही चल ही रही थी कि इसी बीच बांकीपुर से विधायक नितिन नवीन सदन पहुंच गए। उनके आते ही सभी विधायकों ने भारत माता और श्री राम के जयकारे लगाए। सभी नेताओं ने उन्हें बधाई दी। इसके बाद विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार ने कहा कि यह बहुत ही हर्ष का विषय है कि नितिन नवीन भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद सदन में आए हैं। आप सभी उन्हें बधाई दें। जदयू की ओर से मंत्री विजय चौधरी ने क्या कहा? संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि सदन के लिए यह गर्व की बात है कि हम सब के बीच से एक नेता बहुत बड़े पद पर पहुंचे हैं। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को भी बधाई देते हैं। हमलोगों को लगता है कि जिन लोगों ने नितिन नवीन को नजदीक से देखा है तो भाजपा नेतृत्व का यह चयन स्वभाविक ही है। क्योंकि उन्होंने सर्वोच्च पद पर आसीन करने के लिए व्यक्तियों के चयन के सिलसिले में जो भी मापदंड या मानदंड निर्धारित किए होंगे, उसमें हमारे नवीन न सिर्फ खड़े उतरे होंगे, बल्कि जितने भी नामों भी विचार चल रहा होगा, उन सब पर इनका स्थान अव्वल रहा होगा। नवीन जितने सरल हैं, उतने ही दक्ष हैं। जितने ही सहज हैं, उतने ही कुशल हैं। सरकार में एक मंत्री के रूप में दायित्वों का निर्वहन भी उन्होंने बखूबी किया। इससे हमलोग काफी प्रभावित हैं। इस उम्र में इतनी बड़ी उपलब्धि असाधारण है। भाजपा नेतृत्व का भरोसा भी असाधारण है। हम सदन के सदस्यों और बिहार वासियों की तरफ से भाजपा नेतृत्व को बधाई देते हैं। हम अपने नवीन को शुभकामनाएं देते हैं। हमें उम्मीद है कि नितिन नवीन भाजपा को भी उस ऊंचाई तक पहुंचा देंगे, जिससे भविष्य में भी किसी बिहारी पर भरोसा करने में हिचक न हो। नितिन नवीन बिहारियों के लिए भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज नेतृत्व और बिहार दोनों चमक रहा है। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने क्या कहा? वहीं डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार के लिए आज ऐतिहासिक दिन है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार नितिन नवीन सदन में आए हैं।

दरभंगा में डीएम ने लोगों की समस्याएं सुनी:करीब 30 आवेदनों को जल्द निपटाने का निर्देश,

दरभंगा । दरभंगा में प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़, संवेदनशील और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी कौशल कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में आम लोगों की समस्याओं पर जनसुनवाई की। जिलाधिकारी ने बताया कि आम जनता की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए प्रत्येक सप्ताह सोमवार और शुक्रवार को थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल, जिला और प्रमंडल स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में संबंधित अधिकारी जनसुनवाई करते हैं। आज आयोजित जनसुनवाई के दौरान लगभग 30 आवेदनों पर सुनवाई की गई, जिनमें मुख्य रूप से पेंशन, भूमि विवाद, पहुंच पथ और अन्य जनसमस्याएं शामिल थीं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों का विधिवत पंजीकरण किया गया और शिकायतकर्ताओं को रसीद प्रदान की गई। आम लोगों की सुविधा के लिए बैठने, पेयजल और शौचालय की व्यवस्था भी की गई। आयुक्त दरभंगा प्रमंडल हिमांशु कुमार राय ने प्रमंडलीय सभागार में जनसुनवाई कर आम लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सप्ताह सोमवार और शुक्रवार को सभी सरकारी कार्यालयों में शिकायतों का समाधान किया जाता है। जनसुनवाई के दौरान करीब 20 आवेदनों पर सुनवाई हुई, जिनमें भूमि विवाद, अतिक्रमण और अन्य जनसमस्याएं प्रमुख थीं। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को मामलों के शीघ्र और विधिसम्मत निष्पादन का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जिलाधिकारी ने सीएचसी बहादुरपुर का औचक निरीक्षण किया जिलाधिकारी कौशल कुमार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बहादुरपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं, योजनाओं के क्रियान्वयन और व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच, दवाओं की उपलब्धता और चिकित्सीय परामर्श की व्यवस्था का जायजा लिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि मरीजों को सम्मानपूर्वक बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। बैठक में सीपीग्राम, आरटीपीएस, मुख्यमंत्री जनता दरबार, भूमि चयन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सोमवार और शुक्रवार को जनसुनवाई अनिवार्य है और अधिकारियों को अपने कार्यालयों में उपस्थित रहना होगा।

अशोक चौधरी के साथ तीखी बहस; विधान परिषद में हंगामा, विपक्षी MLC एक दिन के लिए सस्पेंड

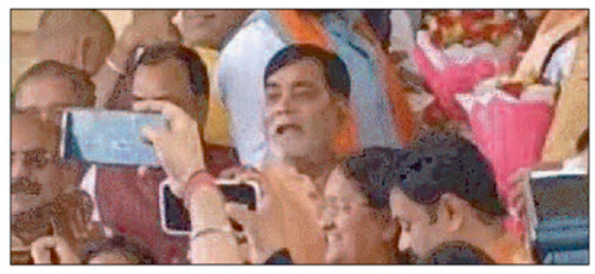

पटना। लंच ब्रेक के बाद विधानसभा में पथ निर्माण विभाग के बजट पर चर्चा हो रही है। राजद विधायक सुरेंद्र राम ने तेजस्वी यादव को नौकरी मैन ऑफ द बिहार की उपाधि दी। हंगामे को देखते हुए सभापति अवधेश नारायण सिंह ने विपक्ष के टछउ को पूरे दिन की कार्यवाही के लिए सदन से बाहर कर दिया। सभापति ने सदन में मार्शल को भी बुलाया ताकि टछउ को बाहर किया जा सके। इस दौरान अशोक चौधरी और सुनील सिंह के बीच तीखी बहस हुई। अशोक चौधरी ने सुनील सिंह से कहा, 'तुम क्या हो।' वहीं सुनील सिंह ने बेल में आकर, 'अशोक चौधरी होश में आओ' के नारे लगाए। दोनों ओर से औकात दिखाने देने तक की बातें हुईं। सुनील सिंह ने अशोक चौधरी को टपोरी कहा। उन्होंने कहा, 'टपोरी मंत्री ने मुझे गालियां दीं। प्रोसिडिंग के पेपर से मुझे मारने की कोशिश की गई।' वहीं उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा, ह्यराजद सदस्य ने लोकतंत्र के मंदिर में दलित मंत्री को गाली दी है। वीडियो फुटेज देखकर कार्रवाई हो और वो माफी मांगे ह्ल विधान परिषद की कार्यवाही 20 मिनट देर से शुरू हुई। जिसपर राजद एमएलसी ने सवाल उठाए। सभापति ने कहा- ये उनका विशेषाधिकार है। विधान परिषद में राजद एमएलसी ने कल हुई बहस को लेकर हंगामा किया और सीएम की माफी की मांग की। सभापति ने विपक्ष के एमएलसी को एक दिन के लिए सस्पेंड किया। विधान सभा में महिला अपराध को लेकर विपक्ष का हंगामा। सदन से वॉकआउट।

बीजेपी अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार विधानसभा पहुंचे नितिन नवीन, एनडीए विधायकों ने किया स्वागत। बीजेपी विधायक जीवेश मिश्रा के सांप से मौत पर मिलने वाले मुआवजे के सवाल पर घिरी सरकार। बीजेपी अध्यक्ष बनने के बाद बांकीपुर विधायक नितिन नवीन पहली बार विधानसभा पहुंचे। एनडीए विधायकों ने उनका स्वागत किया। विधानसभा में उनके आते ही भारत माता जय के नारे लगे। स्पीकर समेत सदन के सदस्यों ने उनका स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी। इधर, बजट सत्र के छठे दिन भी विपक्ष लॉ-एंड-ऑर्डर पर सरकार को घेरने की कोशिश दिखी। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। बीजेपी अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन पहली बार विधानसभा पहुंचे और एनडीए विधायकों ने उनका स्वागत किया। बीजेपी अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन पहली बार विधानसभा पहुंचे और एनडीए विधायकों ने उनका स्वागत किया। महिला अपराध पर विपक्ष का वॉकआउट माले के विधायक संदीप सौरभ ने कहा, विपक्ष एकजुट होकर कार्य स्थगन प्रस्ताव विधानसभा में लाया है।

ट्रीटमेंट के पर्चे में तेजप्रताप का नाम; अस्पताल बोलाझ्र वे कई बार अनुष्का को दिखाने आए

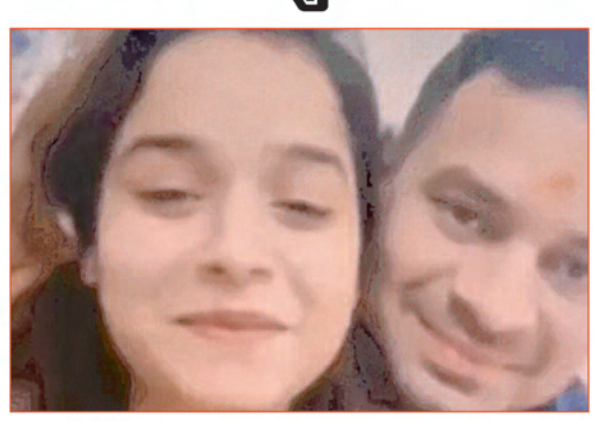

पटना। अगर बच्ची नहीं हुई है तो तेजप्रताप यादव डिप्रेशन में क्यों हैं? अनुष्का की डिलीवरी से लेकर बच्ची के नाम तक सब कुछ सार्वजनिक करूंगा। बच्ची को लेकर पूरा परिवार दहशत में है, इसी वजह से अनुष्का ने घर छोड़ दिया है। बच्चे के मामले में किसी भी बहन-बेटी के चरित्र पर आरोप कैसे लगाए जा सकते हैं? कोर्ट में सब कुछ साबित करना होगा। मैं 24 घंटे के अंदर पूरा खुलासा करूंगा, फिर उन्हें जवाब देना होगा। यह दावा अनुष्का के भाई आकाश यादव का है। अनुष्का की डिलीवरी और तेजप्रताप यादव के आरोपों की पड़ताल के दौरान आकाश यादव ने भास्कर की इन्वेस्टिगेशन टीम से कई अहम दावे किए हैं। भास्कर की पड़ताल में यह भी सामने आया है कि अनुष्का अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद घर नहीं लौटी हैं। जांच के दौरान भास्कर की टीम को एक अस्पताल की पर्ची भी मिली, जिसमें अनुष्का के पति के रूप में तेजप्रताप यादव का नाम दर्ज है।

24 मई 2025 को तेजप्रताप के सोशल मीडिया अकाउंट से अनुष्का के साथ फोटो डाली गई थी। इसमें लिखा था हम 12 साल से रिलेशन में हैं। 24 मई 2025 को तेजप्रताप के सोशल मीडिया अकाउंट से अनुष्का के साथ फोटो डाली गई थी। इसमें लिखा था हम 12 साल से रिलेशन में हैं। अनुष्का की डिलीवरी-तेजप्रताप के आरोप पर इन्वेस्टिगेशन 8 फरवरी को खबर सामने आई कि अनुष्का यादव ने एक बेटी को जन्म दिया है। यह खबर सामने आते ही तेजप्रताप यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अनुष्का की बेटी का पिता होने से इनकार कर दिया। उन्होंने इस खबर को झूठा बताते हुए कहा कि अनुष्का से उनका कोई संबंध नहीं है। तेजप्रताप यादव ने आकाश भाटी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, बच्चा आकाश भाटी का है। इन आरोपों के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया, जिसके बाद तेजप्रताप यादव के दावों की सच्चाई जानने के लिए दैनिक भास्कर ने इन्वेस्टिगेशन किया। भास्कर की इन्वेस्टिगेशन टीम को इनपुट मिला कि अनुष्का यादव की डिलीवरी पटना के कंकड़बाग स्थित बोधी हॉस्पिटल में हुई है। इस जानकारी के आधार पर टीम जब हॉस्पिटल पहुंची, तो इस हाई-प्रोफाइल मामले पर वहां का कोई भी कर्मचारी बोलने को तैयार नहीं हुआ।

जज के सामने फूट-फूटकर रोने लगे सांसद

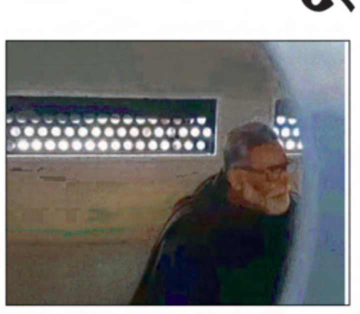

पटना। बताया जा रहा है कि कोतवाली थाना और बुद्धा कॉलोनी थाना से जुड़े मामलों में पप्पू यादव को अभी जमानत नहीं मिली है। इन मामलों में बुधवार को सुनवाई होगी। तब तक पप्पू यादव पटना के बेऊर जेल में ही रहेंगे। सुनवाई के दौरान पप्पू यादव ने जज के सामने पटना पुलिस पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। अपनी बात रखते समय वे भावुक हो गए और फूट-फूटकर रोने लगे। पप्पू यादव ने दावा किया कि बेऊर जेल के अंदर उन्हें किसी तरह का इंजेक्शन देकर जान से मारने की साजिश रची जा रही है। सांसद ने जज से गुहार लगाते हुए कहा कि उन्हें पटना पुलिस पर भरोसा नहीं है। जमानत पर सुनवाई के लिए पप्पू यादव करीब 12:30 बजे बेऊर जेल से कोर्ट पहुंचे थे। दोपहर 2 बजे जमानत याचिका पर सुनवाई शुरू हुई। इस दौरान वे कोर्ट में व्हीलचेयर पर बैठे नजर आए। 3 बजे वे वापस जेल चले गए। बुद्धा कॉलोनी केसः 6 जनवरी की रात पुलिस पप्पू यादव को गिरफ्तार करने पहुंची थी तो उनके समर्थकों ने विरोध किया था। पुलिसकर्मियों के साथ बहस हुई थी। इसे लेकर बुद्धा कॉलोनी थाने में सरकारी काम में बाधा डालने का केस दर्ज किया गया था। कोतवाली थाना केसः 27 मार्च 2017 को पप्पू यादव ने अपनी पार्टी जन अधिकार पार्टी (खअढ-छ) के बैनर तले बिहार में बिजली टैरिफ में भारी बढ़ोतरी और इररउ पेपर लीक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान सड़क जाम कर आवागमन प्रभावित किया गया था। पुलिस ने इस मामले में कोतवाली थाने में पप्पू यादव पर केस दर्ज किया था। 31 साल पुराने एक मामले हुई गिरफ्तारी पप्पू यादव की गिरफ्तारी शुक्रवार को 31 साल पुराने एक मामले में हुई थी। आरोप है कि वे छात्रा की मौत के मामले को उठा रहे थे, इसी क्रम में उनकी गिरफ्तारी की गई। सोमवार को ही उनके वकील जमानत याचिका दाखिल करने वाले थे, लेकिन कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के कारण सभी न्यायिक कार्य ठप हो गए थे। इसके चलते कोर्ट बंद कर दिया गया और पप्पू यादव की जमानत समेत अन्य मामलों की सुनवाई टाल दी गई। धर, ठएएळ छात्रा मौत मामले में पुलिस 10 नए लोगों के उ्वअ सैंपल लेगी। इससे पहले 18 लोगों की उ्वअ रिपोर्ट नेगेटिव आ चुकी है।

ज्वेलर बोला- मेरी गोद में ढाई साल का पोता था

पटना। सारण के मांझी थाना क्षेत्र के महम्मदपुर बाजार स्थित गुप्ता ज्वेलर्स एवं बर्तन भंडार में दोपहर 12 बजकर 48 मिनट पर 5 बदमाश अपाचे बाइक से पहुंचे। इनमें से 3 अपराधी बोरा लेकर दुकान में घुस गए, जबकि दो बाहर हथियार लेकर पहरा देते रहे। अंदर घुसते ही उन्होंने दहशत फैलाने के लिए फायरिंग की। उउळश्ज फुटेज में दिख रहा है कि घटना के समय दुकान में 4 ग्राहक बैठे थें। बदमाशों को देखते ही सभी डर गए। अपराधियों ने सभी को नीचे बैठा दिया और धमकाया कि जो हिला, उसकी मौत तय है। दुकानदार बृज बिहारी गुप्ता ने बताया, 'मैं दुकान में बैठकर ग्राहक को चांदी का सामान दिखा रहा था। तभी कस्टमर ने पीतल का लोटा मांगा। मेरा बेटा लोटा दिखाने उठा ही था कि 5 नकाबपोश बदमाश हमारी दुकान के पास आ गए। पहले लगा कि कोई बहरूपिया आया है, क्योंकि त्योहारों में चंदा वसूलने वाले आते रहते हैं। अक्सर इस तरह की हरकत कर बहरूपिया बाद में मजाक हैह्नमजाक हैह्नकहकर निकल जाते हैं। उन्होंने बताया, ह्यमैं गल्ले से पैसे निकालकर देने लगा, तभी बदमाशों ने बेटे पर बंदूक तान दी और गालियां देते हुए दुकान का शटर बंद कर दिया। ग्राहक डर गए थे। बदमाशों ने मेरे बेटे के सिर पर बंदूक की बट मारी। उसके सिर से खून बहने लगा। मुझे लगा आज हमारा परिवार खत्म हो जाएगा। मेरी गोद में ढाई साल का पोता बैठा था। अपराधियों ने उसके साथ भी धक्का-मुक्की की, जिससे वह जोर-जोर से रोने लगा। ानदार ने आगे बताया, ह्लदुकान के एक कोने में मेरा पोता मोबाइल देख रहा था, उसे समझ नहीं आ रहा था। बदमाश मेरे पास आए और बोले- दुकान में जो भी है, सब खोलकर रख दो। मैं पहले नहीं खोल रहा था, लेकिन जब उसने मेरे पोते पर बंदूक तानी, तो मजबूरन खोलना पड़ा। जरा सी भी देर होती तो आज हम सब खत्म हो जाता ह्व बृज बिहारी गुप्ता ने बताया, ह्लदुकान के अंदर बने लॉकर में सोना रखा था, जो बदमाशों को दिखा नहीं। दुकान के सामने रखे गहनों पर अपराधियों ने नजर रखी। इसी वजह से करोड़ों का सोना बच गया। वे केवल चांदी ही ले जा सके ह्व सोचा आज जिंदा वापस नहीं लौट पाऊंगी- ग्राहक ग्राहक शकुंतला देवी बोलीं, 'मैं बेटी की शादी के लिए गहने देखने आई थी। तभी गोली की आवाज आई। कुछ समझ पाती, उससे पहले ही गमछा बांधे तीन लड़के दुकान में घुस आए।' उन्होंने कहा- ह्यजो जहां है, वहीं बैठ जाओ, हिले तो खोपड़ी उड़ा देंगे। अपराधी गालियां देते हुए गहने बोरे में भरते रहे। मात्र 3 मिनट में सब ले गए। मुझे लगा आज मैं जिंदा घर वापस नहीं जा पाऊंगी। अरुण कुमार गुप्ता ने बताया, ह्लतीन बदमाशों के हाथ में पिस्टल और एक के पास देसी कट्टा था। मैंने शोर मचाने की कोशिश की तो एक ने मेरे माथे पर पिस्टल की बट मार दी। मैं लहूलुहान हो गया। पिता जी उठने लगे तो अपराधियों ने कट्टा तानकर धमकाया, 'चुपचाप बैठो, वरना सबको ढेर कर देंगे। 5 राउंड फायरिंग सुनकर दौड़ा, देखा खून बह रहा था बगल के दुकानदार जगत नारायण कहते है, ह्यमैं अपने दुकान पर था। तभी 5 राउंड फायरिंग की आवाज आई। दौड़कर पहुंचा तो देखा चचेरा भाई अरुण सिर पकड़कर बैठा है। पहले मुझे लगा अरुण को गोली लगी है, लेकिन बाद में पता चला बंदूक की बट से बदमाशों से उसे मारा है।नीय लोगों ने बताया कि पास में उपनयन संस्कार और शिव-चर्चा का कार्यक्रम चल रहा था। लाउडस्पीकर की तेज आवाज के कारण फायरिंग की आवाज कई लोगों ने नहीं सुनी। इसका फायदा उठाकर बदमाश पतली गलियों से फरार हो गए। लोगों का कहना है

कांग्रेसियों को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष-प्रभारी से नाराजगी:17 मार्च को पटना में महासम्मेलन

पटना। गयाजी में बिहार प्रदेश कांग्रेस एक बार फिर अपने सबसे कठिन दौर से गुजरती नजर आ रही है। शीर्ष नेतृत्व के तमाम दावों के बावजूद जमीनी हकीकत यह है कि पार्टी राज्य में अपनी सबसे कमजोर स्थिति में खड़ी है। कांग्रेस के अंदर ही जिम्मेदार पदों पर बैठे कुछ चेहरों की कार्यशैली को इस बदहाली की बड़ी वजह मानी जा रही है, जो वर्षों से संगठन की दिशा तय कर रहे हैं। यह बातें खगड़िया के पूर्व विधायक छत्रपति यादव ने गयाजी के सर्किट हाउस में मीडिया के समक्ष कहीं। खगड़िया के पूर्व विधायक ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बाद यह असंतोष और गहरा गया। चुनाव के दौरान और बाद में हुई कथित गड़बड़ियों की चर्चा आज भी आम कांग्रेसजनों के बीच होती है। कई कार्यकताओं का मानना है कि अगर समय रहते संगठनात्मक सुधार किए जाते, तो हालात इतने खराब नहीं होते। लेकिन आलाकमान तक बात पहुंचाने के तमाम प्रयासों के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं होने से निराशा बढ़ती चली गई। इसी नाराजगी और उपेक्षा के माहौल के बीच अब समर्पित कांग्रेसियों ने एकजुट होने का फैसला किया है। संगठन को नई दिशा देने और अपनी आवाज को मजबूती से शीर्ष नेतृत्व राहुल गांधी तक पहुंचाने के लिए 17 मार्च 2026 को पटना में एक महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसके लिए 7 फरवरी 2026 से प्रदेश के सभी जिलों में व्यापक जनसंपर्क अभियान की शुरूआत कर दी गई है। इस अभियान में एआईसीसी सदस्य नागेंद्र पासवान विकल, पूर्व युवा अध्यक्ष, पूर्व महासचिव प्रदेश कांग्रेस सहित कई वरिष्ठ नेता सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। आयोजकों का कहना है कि यह महासम्मेलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि संगठन को बचाने और कांग्रेस की खोई साख लौटाने की पहल है। उन्होंने कहा कि पटना में आयोजित होने वाले सम्मेलन की आवाज किसी षड्यंत्र की वजह से नहीं पहुंचती है तो दिल्ली में पुराने कांग्रेसी अपनी आवाज बुलंद करेंगे। इस मौके पर पूर्व विधायक ने बिहार के प्रभारी रहे कृष्णा वलरू व कांग्रेस के प्रदेश के अध्यक्ष राजेश राम पर पैसे लेकर टिकट देने का आरोप खुलकर लगाया। कहा कि पार्टी को डुबोने में इन दो लोगों का अहम हाथ है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर इस महासम्मेलन के जरिए पार्टी के भीतर दबे असंतोष को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो आने वाले समय में बिहार कांग्रेस की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। फिलहाल सबकी निगाहें 17 मार्च पर टिकी हैं। जब पटना में जुटने वाले समर्पित कांग्रेसी यह तय करने की कोशिश करेंगे कि पार्टी की आगे की राह क्या हो।

तेज प्रताप बोले- जयचंदों ने राजद को बर्बाद किया:सुनील सिंह को दिया चैलेंज

पटना। तेजप्रताप ने कहा, 'सुनील सिंह को यह बात समझ लेनी चाहिए कि वो कभी मेरा चेला हुआ करते थे। मेरे पीछे-पीछे घूमते थे।' तेजप्रताप ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, 'सुनील सिंह अपनी वाणी पर संयम रखें, नहीं तो सुधार देंगे।' प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तेजप्रताप ने सुनील सिंह पर भी रोहिणी आचार्य का अपमान करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा, 'ऐसे लोगों ने मेरे पिता लालू यादव को बर्बाद कर दिया और अब पार्टी में मेरे पिता की भी नहीं चलती।'तेजप्रता प ने रविवार को पहली बार पांचों जयचंदों के नाम लिए थे, इसमें रमीज का भी नाम है। इस दौरान तेजप्रताप के आरोपों को लेकर जब सवाल किया गया, तो तेजस्वी ने टाल दिया। तेजप्रताप ने पहली बार 5 जयचंदों के नाम लिए। इसमें संजय यादव के साथ-साथ लालू-राबड़ी के करीबी सुनील सिंह का भी नाम है। तेजप्रताप ने पहली बार 5 जयचंदों के नाम लिए। इसमें संजय यादव के साथ-साथ लालू-राबड़ी के करीबी सुनील सिंह का भी नाम है। यचंदों की वजह से पार्टी 25 सीटों पर सिमट गई तेज प्रताप यादव ने सुनील सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने कई बार राजद के लोगों का अपमान किया है। उन्होंने कहा, राजद का आज क्या हाल है, यह किसी से छुपा नहीं है। इन्हीं वजहों से पार्टी 25 सीटों पर सिमट कर रह गई। तेज प्रताप ने आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर ही उनकी बहन रोहिणी आचार्य का अपमान किया गया। उन्होंने कहा, इन्हीं जयचंदों ने मेरी बहन का अपमान किया है। अब वह कभी उस घर में वापस नहीं लौटेगी। सुनील सिंह को खुली चुनौती देते हुए तेज प्रताप यादव ने कहा, वो क्या बोलेंगे, उसके पास मेरे सामने खड़े होने की हैसियत नहीं है। मैं उसे ओपन चैलेंज देता हूं मेरे सामने खड़ा होकर दिखाए। अगर मेरे पिता नहीं होते, तो मैं सुनील सिंह को बताता। तेज प्रताप यादव ने दावा किया कि राजद के कई लोग अब उनकी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा, चूड़ा-दही का जो भोज हमने रखा था, उसमें हमारे पिता लालू यादव खुद पहुंचे और हमें आशीर्वाद दिया। तेजप्रताप यादव की कुछ दिनों पहले अनुष्का यादव के साथ तस्वीरें सामने आई थीं। रविवार दोपहर केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने पर पोस्ट कर तेजप्रताप यादव को अनुष्का को बेटी होने की बधाई दे दी। इसकी चर्चा शाम तक होती रही। इस चर्चा के बीच आनन-फानन में तेजप्रताप यादव देर शाम 8:30 बजे मीडिया के सामने आए और अनुष्का से संबंधों पर अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि 'अनुष्का से मुझे बेटी हुई है, यह खबर झूठी है।' तेजप्रताप ने कहा, 'हमारे साथ पिछले दिनों जो व्यवहार हुआ और मुझे राबड़ी आवास से निकाला गया, उसमें 5 जयचंद मुकेश रौशन, संजय यादव, रमीज, शक्ति सिंह और सुनील सिंह शामिल हैं।' उन्होंने कहा कि 'इन जयचंदों ने मुझे बदनाम किया है। मेरा अनुष्का यादव से कोई संबंध नहीं है। मेरा अकाउंट हैक कर इन जयचंदों ने अनुष्का यादव के साथ तस्वीर वायरल की थी।' केश रौशन मुझे फंसा रहे हैं तेजप्रताप ने कहा, 'मुकेश रोशन की ओर से मुझे फंसाया जा रहा है। सब जयचंद मिलकर मुझे फंसा रहे हैं, जिसमें संजय यादव, सुनील सिंह, शक्ति यादव, रमीज, मुकेश रोशन, आकाश भाटी शामिल हैं। मेरे पास इतनी संपत्ति देख ली है तो मुझे फंसा देंगे क्या। पहले इन जयचंदों ने मिलकर मुझे परिवार-पार्टी से अलग कर दिया और जब हम अप

पटना से दिल्ली का सफर करीब 3 घंटे में पूरा:वाराणसी-पटना-सिलीगुड़ी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का सर्वे अप्रैल से शुरू होगा

पटना। केंद्रीय बजट में सात हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा की गई है। इन कॉरिडोर पर ट्रेन की रफ्तार 300 किमी प्रति घंटा से अधिक होगी। ये कॉरिडोर 40-50 शहरों को जोड़ेंगे। इससे महानगरों के बीच यात्रा का समय कम होगा। इनमें करीब 750 किमी लंबा वाराणसी-सिलीगुड़ी कॉरिडोर शामिल है। यह कॉरिडोर पटना होकर गुजरेगा। इसके लिए अप्रैल से एलाइनमेंट सर्वे शुरू होगा। मार्च में नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड सर्वे कमेटी बनाएगा। वाराणसी से सिलीगुड़ी की यात्रा 2 घंटे 55 मिनट में पूरी होगी। वाराणसी से पटना होते सिलीगुड़ी तक फिजिकल और हवाई सर्वे होगा। पटना शहर से 15-20 किमी के दायरे में बुलेट ट्रेन स्टेशन बनेगा। यह कॉरिडोर आरा, बक्सर, पटना, मोकामा, मनेर, कटिहार और किशनगंज से गुजरेगा। घनी आबादी वाले इलाकों में एलिवेटेड ट्रैक बनेगा। ट्रैक को बुलेट प्रूफ ग्लास से कवर किया जाएगा। विमान का विकल्प बनेगी बुलेट ट्रेन बुलेट ट्रेन शुरू होने पर पटना से दिल्ली जाने वालों को विकल्प मिलेगा। विमान से दिल्ली पहुंचने में डेढ़ से दो घंटे लगते हैं। कोहरे में यह समय 4-5 घंटे से अधिक हो जाता है। बुलेट ट्रेन से यह सफर करीब 3 घंटे में पूरा होगा।

ड्रोन तकनीक से रोजगार के नए विकल्प मिले

तकनीक के इस आधुनिक युग में ड्रोन अब केवल मनोरंजन या वीडियो शूटिंग का साधन नहीं रह गया है। यह अब कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव लाने का माध्यम बन चुका है। भारत में ड्रोन तकनीक के तेजी से विस्तार ने युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोले हैं। सरकार की 'ड्रोन शक्ति योजना' और 'मेक इन इंडिया' पहल ने इस क्षेत्र में निवेश और नवाचार दोनों को प्रोत्साहित किया है। आज देश के कई उद्योग ड्रोन विशेषज्ञों और प्रशिक्षित पायलटों की तलाश में हैं, जिससे युवाओं के लिए हजारों नौकरियों के द्वार खुल रहे हैं।

ड्रोन का सबसे अधिक उपयोग कृषि क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। किसान अब खेतों की निगरानी, फसलों की सेहत का विश्लेषण, कीटनाशक छिड़काव और सिंचाई प्रबंधन के लिए ड्रोन का उपयोग कर रहे हैं। सरकार भी 'कृषि ड्रोन योजना' के तहत युवाओं को सब्सिडी और प्रशिक्षण प्रदान कर रही है ताकि वे ड्रोन ऑपरेटर के रूप में काम कर सकें। यह न केवल किसानों की उत्पादकता बढ़ा रहा है, बल्कि ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार का नया साधन बन रहा है।

ड्रोन तकनीक का दूसरा बड़ा उपयोग सर्वेक्षण और मैपिंग में हो रहा है। सड़क, रेलवे, रियल एस्टेट, खनन और शहरी विकास परियोजनाओं में ड्रोन की मदद से सटीक डेटा और 3डी मैपिंग तैयार की जाती है। इससे इंजीनियरिंग और सर्वे एजेंसियों को विशेषज्ञ ड्रोन ऑपरेटरों की जरूरत पड़ती है। इसी तरह, आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों में भी ड्रोन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बाढ़, भूकंप या आग जैसी स्थिति में ड्रोन की मदद से प्रभावित इलाकों की रीयल-टाइम जानकारी मिलती है, जिससे राहत दलों को समय पर कार्रवाई करने में मदद मिलती है।

फिल्म और मीडिया उद्योग में भी ड्रोन ने नई दिशा दी है। अब फिल्मों, विज्ञापनों, और लाइव इवेंट्स की हवाई शूटिंग के लिए प्रशिक्षित ड्रोन कैमरा ऑपरेटरों की मांग बढ़ गई है। इसके अलावा, सुरक्षा एजेंसियां, पुलिस विभाग और रक्षा संगठन सीमाओं, भीड़भाड़ वाले इलाकों और बड़े आयोजनों की निगरानी के लिए ड्रोन का उपयोग कर रहे हैं, जिससे युवाओं को टेक्निकल सपोर्ट और सर्विलांस ऑपरेटर के रूप में नौकरी मिल रही है।

ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियां भी ड्रोन डिलीवरी सेवाओं पर प्रयोग कर रही हैं। आने वाले वर्षों में दवाओं, दस्तावेजों और छोटे सामानों की डिलीवरी ड्रोन के जरिए की जाएगी, जिससे ड्रोन पायलट, मेंटेनेंस इंजीनियर और रूट मैनेजर जैसे नए पद सृजित होंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में 2030 तक ड्रोन उद्योग एक लाख से अधिक नौकरियां पैदा कर सकता है।

क्लाउड कंप्यूटिंग में कुशल पेशेवरों की बढ़ रही मांग

सूचना तकनीक के इस दौर में क्लाउड कंप्यूटिंग में कुशल पेशेवरों की सबसे ज्यादा जरूरत स्टार्टअप से लेकर बड़े व्यवसायों तक को होती है। यह पेशेवरों क्लाउड कंप्यूटिंग सिस्टम और सेवाओं को डिजाइन करने और अच्छे से प्रबंधित करना आता है। क्लाउड कंप्यूटिंग में कुशल पेशेवरों की सबसे ज्यादा जरूरत स्टार्टअप से लेकर बड़े व्यवसायों तक को होती है। यह पेशेवरों क्लाउड कंप्यूटिंग सिस्टम और सेवाओं को डिजाइन करने और अच्छे से प्रबंधित करना आता है। यही वजह है कि इन पेशेवरों की मांग बढ़ती जा रही है। ऐसे में अगर आप भी क्लाउड कंप्यूटिंग में बेहतर करियर बना सकते हैं। इसमें कौशल बढ़ाने के लिए आप पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न क्लाउड आधारित कोर्स कर सकते हैं। इन कोर्स को करने से आपको जेमिनी, जेनरेटिव एआई को समझने और स्ट्रीमलिट के साथ एप्लीकेशन बनाने का मौका मिलेगा।

क्या है क्लाउड कंप्यूटिंग

डेटा और प्रोग्रामिंग को दूरस्थ रूप से संग्रहीत और एक्सेस करने का एक तरीका है जो आपके कंप्यूटर की हार्ड ड्राइव पर जानकारी होस्ट करने के बजाय इंटरनेट का उपयोग करता है। संक्षेप में, क्लाउड कंप्यूटिंग को डेवलपर्स और गैर-डेवलपर्स दोनों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसका अंतिम लक्ष्य क्लाउड और ऑन-प्रिमाइसेस डेटा को कनेक्ट और साझा करना है। क्लाउड कंप्यूटिंग को मूल रूप से एक डिलीवरी पद्धति के रूप में सोचें। एस प्रकार से यह डेटा स्टोरेज भी है।

इंट्रोडक्शन टू लार्ज लैंग्वेज मॉडल

शुरूआती स्तर पर यह माइक्रो-लर्निंग कोर्स आपको लार्ज लैंग्वेज मॉडल की छोटी-छोटी बारीकियों के बारे में बताएगा। इस कोर्स में एलएलएम के उपयोग और इसके प्रदर्शन को अच्छा बनाने के लिए आपको प्रॉम्प्ट ट्यूनिंग का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। इस कोर्स में ऐसे गूगल टूल्स भी शामिल किए गए हैं। जिनकी मदद से आप खुद का जेनरेटिव एप बना सकेंगे।

प्रॉम्प्ट डिजाइन इन वर्टेक्स एआई

प्रॉम्प्ट डिजाइन इन वर्टेक्स एआई कोर्स में जेनरेटिव एआई आउटपुट कंट्रोल करने, प्रॉम्प्ट तैयार करने और वास्तविक दुनिया के मार्केटिंग परिदृश्यों में जेमिनी मॉडल लागू करने के विभिन्न तरीकों के बारे में सिखाया जाता है।

जेन एआई एप विथ जेमिनी और स्ट्रीमलिट

जेन एआई एप विथ जेमिनी और स्ट्रीमलिट आपको पायथन एसडीके, टेक्स्ट जेनरेशन और जेमिनी एपीआई के साथ कार्यात्मक निर्णय लेने और क्लाउड रन के साथ स्ट्रीमलिट एप्लिकेशन बनाने का तरीका सीखाएगा।

इमेज जेनरेशन

पिछले कुछ सालों में अनुसंधान और उद्योग और दोनों ही क्षेत्रों में डिफ्यूजन मॉडल कॉफी लोकप्रिया हो रहा है। इस कोर्स के जरिए आपको डिफ्यूजन मॉडल के सिद्धांतों को वर्टेक्स एआई के साथ जोड़कर सीखने से कौशल निखरेंगे।

मशीन लर्निंग सॉल्यूशंस ऑन वर्टेक्स : इसमें आपको मशीन लर्निंग के समाधान के बारे में सीखने का अवसर मिलेगा।

बीबीए या बीसीए के साथ लॉ करें

समय के साथ ही करियर विकल्प भी बदलते जा रहे हैं। अब छात्रों के पास एक ही फील्ड में कई करियर विकल्प होते हैं। आजकल इंटीग्रेटेड कोर्सेस का चलन बढ़ा है। इन कोर्सेस में दो अलग-अलग डिग्रियों की पढ़ाई एक साथ होती है। कोर्स खत्म होने के बाद स्टूडेंट को दोनों की मिलाकर एक डिग्री दी जाती है। अगर आप बीबीए या बीसीए के साथ लॉ की पढ़ाई करना चाहते हैं तो जानिए कुछ बेस्ट ऑप्शन.

बीबीए, बीसीए लॉ इंटीग्रेटेड कोर्स (पांच साल)

बीबीए एलएलबी : इस इंटीग्रेटेड कोर्स में बिजनेस मैनेजमेंट और लॉ की पढ़ाई एक साथ होती है। इसमें बिजनेस से जुड़े विषयों (मार्केटिंग, फाइनेंस, एचआर) के साथ-साथ कानून के मूल सिद्धांत (कॉन्स्टिट्यूशनल लॉ, कॉन्ट्रैक्ट लॉ) पढ़ाए जाते हैं।

बीबीए और बीसीए के बाद लॉ (3 साल का एलएलबी)

बीबीए या बीसीए कोर्स पूरा करने के बाद भी 3 साल का एलएलबी कोर्स कर सकते हैं। यह उन लोगों के लिए अच्छा है, जो पहले बिजनेस या टेक्नोलॉजी में बेस बनाना चाहते हैं और फिर कानून की पढ़ाई करना चाहते हैं।

बीबीए के बाद : कॉर्पोरेट लॉ या बिजनेस लॉ में विशेषज्ञता ले सकते हैं।

बीसीए के बाद : साइबर लॉ, डेटा प्राइवेसी लॉ या इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी लॉ में करियर बना सकते हैं।

स्पेशलाइज्ड डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स

बीबीए/बीसीए के साथ या बाद में आप लॉ से जुड़े शॉर्ट-टर्म कोर्स कर सकते हैं, जैसे :

1- साइबर लॉ (बीसीए के लिए)

2- कॉर्पोरेट लॉ (बीबीए के लिए)

3- इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर)

यह कोर्स 6 महीने से 1 साल के हो सकते हैं और ऑनलाइन/ऑफलाइन मोड में उपलब्ध हैं.

लॉ इंटीग्रेटेड कोर्स में एडमिशन इस प्रकार मिलेगा

बीबीए एलएलबी के लिए

एलिजिबिलिटी : 12वीं पास (किसी भी स्ट्रीम से), कम से कम 45-50 फीसदी अंकों के साथ. कुछ कॉलेज में मैथ्स होना अनिवार्य हो सकता है.

प्रवेश परीक्षा

कलेट टॉप नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज़ के लिए.

एआई एलईटी

एलऐट प्राइवेट लॉ कॉलेज के लिए.

एमसी सीईटी महाराष्ट्र के कॉलेज के लिए.

प्रवेश परीक्षा पास करने के बाद ही कालेजों में प्रवेश मिलेगा।

जनरल मेडिसिन की ओर बढ़ा रुझान

मेडिकल क्षेत्र में पिछले कुछ साल में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। मेडिकल ग्रेजुएट्स अब सर्जरी की जगह पर एमडी जनरल मेडिसिन कारना चाहते है। मास्टर इन सर्जरी के (एमएस) में प्रवेश में जबरदस्त गिरावट देखी गई है। टॉप 100 में से सिर्फ तीन उम्मीदवारों ने ही एमएस को चुना है जबकि 2021 में कम से कम 11 उम्मीदवारों ने एमएस कोर्स चुना।

एआई का डर

इसी तरह रेडियोलॉजी और डर्मेटोलॉजी में एमडी, जो कभी टॉप रैंकर्स के बीच सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले कोर्स थे, उनमें दिलचस्पी में भारी गिरावट देखी गई है। कैंडिडेट्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के आने को लेकर परेशान हैं, जिसके रेडियोलॉजी में डॉक्टरों की जगह लेने का डर है। डर्मेटोलॉजी में आर्टिफिशियल कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट में हालिया बढ़ोतरी ने मेडिकल ग्रेजुएट्स की दिलचस्पी बदल दी है। जनरल सर्जरी, कार्डियोथोरेसिक सर्जरी और न्यूरोसर्जरी जैसी सर्जिकल ब्रांच में दिलचस्पी बहुत ज्यादा सीखने पढ़ने, काम के बोझ, मेडिको-लीगल रिस्क, इमरजेंसी अधिक होना और वर्क-लाइफ बैलेंस की कमी की वजह से कम हुई है।

मेडिसिन सबसे बड़ी वरीयता

पिछले पांच सालों में टॉप रैंक वाले उम्मीदवारों के बीच सीट प्रेफरेंस पैटर्न में काफी बदलाव आया है। लगभग 44-47 फीसदी ग्रेजुएट्स मेडिसिन और 40-43 फीसदी रेडियोलॉजी चुन रहे हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक सर्जरी में काम के लंबे घंटे होते हैं। डॉक्टर अपने क्लिनिक खोल सकते हैं, इंडिपेंडेंट प्रैक्टिस बहुत कम होती है क्योंकि ज्यादातर सर्जिकल काम के लिए हॉस्पिटल से अटैचमेंट की जरूरत होती है। सर्जरी सेक्टर सीमित है क्योंकि सीनियर स्पेशलिस्ट के रिटायर होने तक नए लोगों के लिए कम जगह बची है। जब तक वे रिटायर नहीं होते, नए डॉक्टरों के लिए मौके कम होते हैं।और पूरे कोर्स के दौरान हैंड्स-ऑन एक्सपीरियंस पर निर्भर करती है।

ह्यूमन रिसॉर्स मैनेजमेंट में अच्छे अवसर

निजी क्षेत्र में आजकल सेल्स, ब्रैंड मैनेजमेंट या मार्केट रिसर्च में काफी संभावनाएं हैं हालांकि इसके लिए आपकी कम्यूनिकेशन स्किल्स (संवाद शैली) काफी बेहतर होनी चाहिए। मैनेजमेंट के क्षेत्र में ये विकल्प मौजूद हैं

ह्यूमन रिसॉर्स मैनेजमेंट में काम करने वाले लोगों पर पूरे ऑफिस के लोगों का मैनेजमेंट होता है। इसके लिए आपके पास अच्छा व्यक्तित्व, अच्छी तरह बात करने की क्षमता और रिश्ते बनाने की कला का होना बेहद जरूरी है।

स्पेशलाइज्ड एमबीए

कुछ इंस्टिट्यूस प्लेसमेंट्स को ध्यान में रखकर कोर्स ऑफर कर रहे हैं, जिनमें रूरल मैनेजमेंट, रिटेल मैनेजमेंट, टेलिकॉम मैनेजमेंट, इंश्योरेंस मैनेजमेंट, फॉरिन ट्रेड हैं।

इस तरह के हैं कोर्स में एमबीए में दो साल की डिग्री के अलावा, एक साल का फुल टाइम प्रोग्राम, पार्ट टाइम एमबीए, डिस्टेंस लर्निंग एमबीए जैसे विकल्प हैं हालांकि हर विषय की अपनी-अपनी खूबी और खामियां हैं।

ऑपरेशंस मैनेजमेंट

अगर आप विपरीत परिस्थितियों को आसानी से हैंडल कर लेते हैं और तकनीक में आपकी रुचि है, तो आप यह स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। यह क्वॉलिटी कंट्रोल और प्रॉडक्टिविटी इंप्रूवमेंट में अहम भूमिका निभाता है।

फाइनैंस

ये लोग बैक एंड पर काम करते हैं और इंवेस्टमेंट बैंकिंग, मर्चेंट बैंकिंग, कॉरपोरेट फाइनेंस वगैरह की रीढ़ की हड्डी होते हैं।

सिस्टम मैनेजमेंट

यह स्पेशलाइजेशन आईटी से ताल्लुक रखता है और अच्छी टेक्निकल व बिजनेस समझ रखने वालों के लिए यह बेहतर रहता है। इसके बाद आपको सिस्टम कंसल्टेंसी, अकाउंट या प्रॉजेक्ट मैनेजमेंट वगैरह में प्लेसमेंट मिल सकता है।

टी20 विश्वकप : डि लीडे के हरफनमौला प्रदर्शन से नीदरलैंड ने नामीबिया को सात विकेट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 10वें मैच में, बास डी लीडे के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत नीदरलैंड्स ने नामीबिया पर सात विकेट से जीत दर्ज की। पाकिस्तान से पहले मैच में मिली करीबी हार के बाद, नीदरलैंड्स ने नामीबिया पर शानदार जीत के साथ टी20 विश्व कप में अपनी उम्मीदों पर फिर से सवार हो गया। इस जीत के सूत्रधार बास डी लीडे रहे, जो नीदरलैंड्स के लिए बल्ले और गेंद दोनों से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी साबित हुए। उन्होंने गेंद से नामीबिया को ध्वस्त कर दिया (3 ओवर में 2/20) और फिर पांच चौकों और चार छक्कों सहित 48 गेंदों पर शानदार नाबाद 72 रनों की पारी खेलकर नीदरलैंड्स को लक्ष्य के करीब पहुंचाया।

पहले फील्डिंग करने का विकल्प चुनते हुए, डच गेंदबाजों को तुरंत सफलता मिली क्योंकि आर्यन दत्त (3 ओवर में 1/13) ने नामीबिया के सलामी बल्लेबाज लॉरेन स्टीनकैंप को जल्दी आउट कर दिया। पावरप्ले में नामीबिया को लय हासिल करने में काफी संघर्ष करना पड़ा और 6 ओवर के बाद उसका स्कोर मात्र 40/1 रहा। जान निकोल लॉफ्टी-ईटन (38 गेंदों में 42 रन) और जान फ्रायलिंक (26 गेंदों में 30 रन) ने पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन नीदरलैंड की अनुशासित गेंदबाजी ने रन रेट को नियंत्रण में रखा।

मध्य ओवर बास डी लीड और लोगान वैन बीक (3 ओवर में 2/13) के नाम रहे, जिन्होंने मिलकर चार विकेट लिए। डी लीड ने खतरनाक गेरहार्ड इरास्मस और जेजे स्मिट को आउट किया। नामीबिया अंततः 20 ओवर में 156/8 के प्रतिस्पर्धी लेकिन कम स्कोर पर समाप्त हुआ। मैक्स ओ'डॉउड के बर्नार्ड स्कोल्ट्ज़ के हाथों जल्दी आउट होने के बावजूद, डच टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की। माइकल लेविट (15 गेंदों में 28 रन) ने जल्दी बल्लेबाजी करते हुए आउट हो गए, जिससे नीदरलैंड्स का स्कोर छह ओवरों में 50/2 हो गया।

इसके बाद, बास डी लीड का जलवा रहा। कॉलिन एकरमैन (28 गेंदों में 32 रन) के साथ साझेदारी करते हुए, डी लीड ने संयम से पारी को संभाला और फिर तेजी से रन बनाने लगे। उन्होंने मात्र 38 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि एकरमैन लॉफ्टी-ईटन के हाथों आउट हो गए, लेकिन परिणाम को लेकर कोई संदेह नहीं था। डी लीड (48 गेंदों में 72*) और कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स (9 गेंदों में 18*) ने 12 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया और एक शानदार चौके के साथ मैच समाप्त किया।

सिफर्ट और एलन की ताबड़तोड़ पारी, न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से रौंदा

चेन्नई। टिम सिफर्ट (नाबाद 89) और फिन एलन (नाबाद 84) की आक्रामक पारियों और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 92 गेंद में 175 रन की रिकॉर्ड साझेदारी ने न्यूजीलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप मैच में मंगलवार को यहां 28 गेंद शेष रहते संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 10 विकेट से शिकस्त देकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। यूएई को छह विकेट पर 173 रन पर रोकने के बाद न्यूजीलैंड ने महज 15.2 ओवर में बिना किसी नुकसान के 175 रन बनाकर एकतरफा जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड की यह लगातार दूसरी जीत है। टीम ने इससे पहले अफगानिस्तान को हराया था। 'प्लेयर ऑफ द मैच' सिफर्ट ने 42 गेंद की नाबाद पारी में 12 चौके और तीन छक्के लगाये। एलन ने 50 गेंद की नाबाद पारी में पांच छक्के और इतने ही चौके लगाये, इसके साथ उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 छक्के पूरे किए। इस जोड़ी ने पारी की शुरुआत से ही आक्रामक रूख अपनाते हुए यूएई के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। दोनों की 175 रन की साझेदारी टी20 विश्व कप में किसी भी विकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। कप्तान मोहम्मद वसीम (नाबाद 66) और अलीशाह शराफू (55) की अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 107 रन की साझेदारी से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने छह विकेट पर 173 रन बनाए।

टी20 विश्वकप में परिवार को साथ नहीं रख पायेंगे भारतीय खिलाड़ी

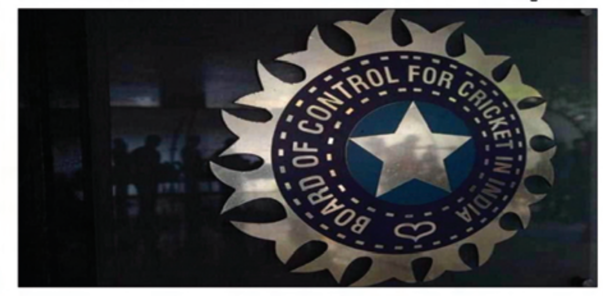

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि टी20 विश्वकप के दौरान खिलाड़ी अपने परिवारों को साथ नहीं रख पायेंगे। विश्वकप में भारतीय टीम ग्रुप स्तर के तीन मुकाबले अपनी ही धरती पर खेलेगी। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में खराब प्रदर्शन के बाद ये नियम बना दिया था कि 45 दिनों से ज्यादा चलने वाली सीरीज या टूर्नामेंट में ही परिवार के सदस्य खिलाड़ियों के साथ 14 दिनों तक रह सकते हैं। वहीं छोटे दौरे के लिए यह सीमा घटाकर केवल सात दिन कर दी गई है। टीम प्रबंधन ने क्रिकेटरों के परिवारों को उनके साथ रहने की इजाजत देने के बारे में बीसीसीआई से अनुमति मामंगी थी पर बोर्ड ने जवाब दिया कि खिलाड़ी परिवार के साथ नहीं रह सकेंगे। रहेंगे पर अगर वे चाहें तो परिवार अलग से रह सकता है।

टीम तीन चरण में खेलगी उसे तीन मैच घर पर और एक मैच कोलंबो में खेलेगा। यह मैच भारत पाकिस्तान के खिलाफ होगा। खिलाड़ियों के साथ पत्नियों और परिवारों को टूर पर जाने से रोकने का फैसला पिछले जनवरी में फिर से लागू किया गया था। इसे कोविड-19 महामारी के दौरान रद्द कर दिया गया था।

टीम के 2024-25 के ऑस्ट्रेलिया दौरे में खराब प्रदर्शन के बाद कहा गया था कि परिवार के साथ रहने से खिलाड़ी का ध्यान बंटता है और वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाता। इसके अलावा, बीसीसीआई ने एक नियम और बनाया है जिसके तहत कहा गया था कि खिलाड़ियों को हर समय टीम के साथ यात्रा करनी होगी।

पीएम मोदी से मिलने के बाद रवींद्र जडेजा की पहली प्रतिक्रिया आई सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, अपनी पत्नी रीवाबा जडेजा और गुजरात की ट्राइबल डेवलपमेंट, प्राइमरी, सेकेंडरी और एडल्ट एजुकेशन मिनिस्टर के साथ मंगलवार को नई दिल्ली में पार्लियामेंट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। जडेजा ने अपनी मीटिंग की तस्वीरें पोस्ट करते हुए X पर लिखा, 'माननीय पीएम श्री नरेंद्र मोदी सर से मिलना और बातचीत करना बहुत गर्व और सम्मान की बात है। उनके विचारों की स्पष्टता, उत्साह और बेहतरीन काम के लिए कमिटमेंट बहुत प्रेरणा देने वाला है। ऐसी लीडरशिप से सीखना गर्व की बात है।'

यह मीटिंग ऐसे समय में हुई जब जडेजा भारतीय क्रिकेट के सीनियर खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें सोमवार को घोषित BCCI की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट की एलीट A कैटेगरी में रखा गया है। वह टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह के साथ यह दर्जा पाने वाले केवल तीन खिलाड़ियों में से एक थे। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली के 20 ओवर के खेल से रिटायरमेंट के बाद जडेजा ने टी20 इंटरनेशनल मैचों से दूरी बना ली है और सबसे छोटे फॉर्मेट में अपने करियर को अलविदा कह दिया है। इस वजह से वह भारत और श्रीलंका की को-होस्टिंग में चल रहे ICC टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की टीम का हिस्सा नहीं हैं।

टी20 वर्ल्ड कप: पाकिस्तान सरकार का यू-टर्न!

15 फरवरी को खेला जाएगा भारत-पाक के बीच हाई वोल्टेज मैच

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार ने पुरुष क्रिकेट टीम को आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ अपना तय मैच खेलने की इजाजत दे दी है। यह मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है।

उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आईसीसी से अपने मुकाबले भारत के बजाय किसी अन्य वेन्यू पर शिफ्ट करने की अपील की थी, लेकिन आईसीसी ने बीसीबी की अपील को ठुकरा दिया, जिसके बाद बांग्लादेश के स्थान पर स्कॉटलैंड को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में शामिल किया गया।

इसके बाद पाकिस्तान सरकार ने पहले टीम से कहा था कि भारत के खिलाफ मैच न खेले, ताकि बांग्लादेश को समर्थन दिखाया जा सके, लेकिन आईसीसी की ओर से भारत के मैच का बहिष्कार करने की पाकिस्तान की धमकी पर कड़ा रुख अपनाने और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और श्रीलंका सरकार की ओर से पाकिस्तान से अपने फैसले पर फिर से विचार करने के अनुरोध के बाद, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान पुरुष टीम को मैच खेलने की इजाजत दे दी है।

पाकिस्तान सरकार ने कहा कि उसने बांग्लादेश और श्रीलंका के अनुरोधों के कारण अपनी टीम को 15 फरवरी का मैच खेलने की अनुमति दी है।

पाकिस्तान सरकार ने कहा, 'पाकिस्तान सरकार ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा पीसीबी को भेजे गए औपचारिक अनुरोधों के साथ-साथ श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य सदस्य देशों के समर्थन संदेशों की समीक्षा की है। इन संदेशों में हाल की चुनौतियों का एक समाधान खोजने में पाकिस्तान के नेतृत्व की मांग की गई थी। सरकार ने बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के बयान पर भी गौर किया। हमारे भाईचारे वाले देश की ओर से व्यक्त की गई गहरी कृतज्ञता को बहुत गर्मजोशी से स्वीकार किया गया। पाकिस्तान इस बात की पुष्टि करता है कि वह बांग्लादेश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।

बयान में कहा गया है, 'रविवार शाम, प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से टेलीफोन पर बात की। अपनी गर्मजोशी भरी और मैत्रीपूर्ण बातचीत के दौरान, उन्होंने याद किया कि पाकिस्तान और श्रीलंका हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं, खासकर चुनौतीपूर्ण समय में। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री से मौजूदा गतिरोध को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने पर गंभीरता से विचार करने का अनुरोध किया।'

सोमवार रात को पाकिस्तान सरकार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, 'बहुपक्षीय चर्चा के नतीजों और मित्र देशों के अनुरोध को देखते हुए, पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान नेशनल क्रिकेट टीम को आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप में अपने तय मैच के लिए 15 फरवरी 2026 को मैदान में उतरने का निर्देश देती है।'

टी20 वर्ल्ड कप के बीच श्रीलंका के लिए बुरी खबर, स्टार खिलाड़ी वानिंदु हसरंगा गंभीर चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली। श्रीलंका को बड़ा झटका लगा है। स्टार ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा आयरलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में लगी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टी20 विश्व कप 2026 के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। एमआरआई स्कैन में उनकी बाईं

हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट का पता चलने के बाद हसरंगा अब टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एमआरआई रिपोर्ट को यूके के एक विशेषज्ञ ने पहले ही देख लिया था। फिलहाल, श्रीलंका टूर्नामेंट में उनकी जगह दुशान हेमंथा को शामिल कर सकता है। हसरंगा अपनी हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझते हुए भी गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए आयरलैंड के खिलाफ श्रीलंका की 20 रन की करीबी जीत में अपने चार ओवरों में 25 रन देकर तीन विकेट लिए। मैच की दूसरी गेंद फेंकने के तुरंत बाद ही हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझते हुए हैसरंगा को परेशानी होने लगी और इस वजह से उनकी गेंदबाजी में भी दिक्कत आ रही थी। हालांकि, उन्होंने जबरदस्त प्रभाव छोड़ा और श्रीलंका की पारी में अहम भूमिका निभाई, जिससे आयरलैंड 164 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आखिरी कुछ ओवरों में ढेर हो गया। उन्होंने रॉस एडायर, हैरी टेक्टर और कर्टिस कैम्फर जैसे खिलाड़ियों को आउट किया और गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया।

डी कॉक ने धोनी के एक विश्व रिकार्ड की बराबरी की

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक कनाडा के खिलाफ हुए टी20 विश्वकप क्रिकेट मैच में बल्लेबाजी में तो असफल रहे पर उन्होंने इस मैच में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र

सिंह धोनी के एक विश्व रिकार्ड की जरुर बराबरी कर ली। डी कॉक ने कनाडा के खिलाफ हुए मुकाबले में दो कैच पकड़े। इसी के साथ उन्होंने धोनी के टी20 विश्वकप में विकेटकीपर के तौर पर सबसे अधिक 32 खिलाड़ियों को आउट करने के रिकार्ड की बराबरी कर ली। अब डी कॉक के पास अगले मैच में धोनी का रिकार्ड तोड़ने का अच्छा अवसर है।

टी20 विश्वकप में विकेटकीपर के तौर पर सबसे ज्यादा आउट करने वाले खिलाड़ियों में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल हैं। कामरान ने विकेट के पीछे 30 शिकार किये हैं। वहीं वेस्टइंडीज के दिनेश रामदीन चौथे 27 और श्रीलंके के पूर्व कप्तान कुमार संगाकारा 26 शिकार के साथ ही पांचवें पायदान पर हैं। मैच की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान एडन मार्करम के 59 रनों की पारी से निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 213 रन बनाए। वहीं कनाडा की ओर से अंश पटेल ने 31 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कनाडा की टीम 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 156 रन पर ही आउट हो गयी। केवल नवनीत धालीवाल ही 64 बना पाये। वहीं बाकि बल्लेबाज असफल रहे।

टी20 विश्वकप : वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी इंग्लैंड

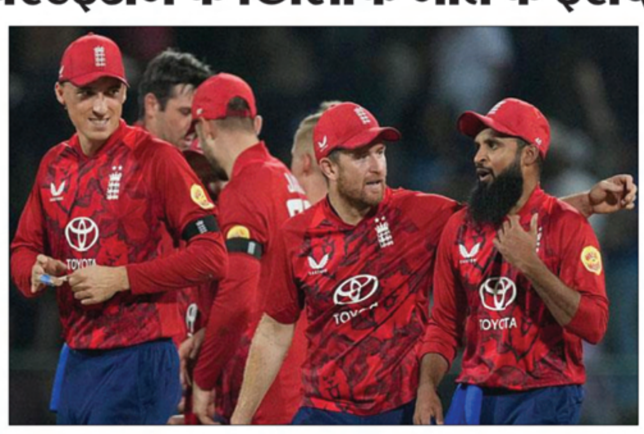

मुंबई (एजेंसी)। इंग्लैंड की टीम बुधवार को ग्रुप सी के अपने दूसरे मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड को पहले मैच में नेपाल जैसी कमजोर टीम के खिलाफ कड़ा संघर्ष करने के बाद भी केवल 4 रनों से ही जीत मिली थी। ऐसे में उसका लक्ष्य वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। उसके लिए ये इतना भी कठिन नहीं है क्योंकि वेस्टइंडीज टीम भी काफी कमजोर है और उसके खिलाड़ी लय में नहीं हैं।

टी20 में हालांकि किसी भी टीम को कम नहीं आंका जा सकता है। हैरी ब्रुक की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम के पास सैम करन जैसे अच्छा गेंदबाज है। नेपाल के खिलाफ सैम ने अंतिम ओवर में केवल 5 रन ही देकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। उन्होंने अंतिम ओवर में लाइन और लेंथ से नेपाल के बल्लेबाजों को रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने हालांकि मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था पर उसके स्पिनर आदिल राशिद और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर प्रभावित नहीं कर पाये। इससे नेपाल के बल्लेबाज मैच को अंत तक ले जाने में सफल रहे। मैच में कप्तान हैरी और युवा जैकब बेथेल ने अर्धशतक लगाए। इसके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड की टीम इस मैच में अपना रन औसत भी बेहतर करना चाहेगी। नेपाल के खिलाफ जीत के बाद भी उसका औसत 0.200 है और वह तीसरे स्थान पर हैं जबकि स्कॉटलैंड दो अंकों और 0.950 के नेट रन औसल के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं वेस्टइंडीज के भी दो अंक हैं और उसका नेट रन औसत 1.750 है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज जानता है कि इस मैच में उसे हर हाल में जीतना होगा।

वानखेड़े स्टेडियम में छोटी बाउंड्री से भी इस मैच में रनों को बनाना आसान रहेगा। वेस्टइंडीज ने अपने पहले मैच में शिमरोन हेटमायर के अर्धशतक 64 रनों के अलावा रोमारियो शेफर्ड के पांच विकेटों की सहायता से स्कॉटलैंड को हराया था पर उसे इसके लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। ऐसे में अगर उसे इस मैच में जीतना है तो सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

सूर्यकुमार ने कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया : गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मेरा काम आसान कर देते हैं। गंभीर ने कहा कि टी20 प्रारुप में कप्तान बनाये जाने के बाद से ही सूर्या ने अपनी जिम्मेदारी काफी अच्छे से निभाई है। वह हर प्रकार से सफल रहे है। दबाव के बीच भी उनकी नेतृत्व क्षमता को सभी ने देखा है। एक वीडियो में गंभीर ने कहा कि टीम में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज से भारतीय टीम को काफी लाभ होता है। टीम के लिए ये खुशी की बात है कि उसे ऐसा कप्तान और बल्लेबाज मिला है जो संयमित रहते हुए सभी का सही उपयोग करता है। इससे कोच के तौर पर मेरा काम भी आसान हो गया है। गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार ने इस प्रारूप में मेरा काम कर कर दिया है। वह लोगों के लिए एक बेहतरीन कप्तान हैं, यह केवल नहीं कि वह मैदान पर क्या करते हैं, या बल्लेबाज के रूप में कैसे हैं, या उनके शॉट्स इस प्रारूप में किस प्रकार के हैं।' कोच के तौर पर दिमाग में कई बातें चल रही होती हैं पर सूर्यकुमार माहौल को शांत बनाए रखते है, जो हर कोच चाहता है।' सूर्यकुमार ने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ पारी को संभालकर टीम को जीत दिलायी। उन्होंने एक छोर से विकेटों के गिरने के बची भी 49 गेंदों में नाबाद 84 रन बनाकर टीम को मैच में बनाये रखा। गंभीर ने कहा, 'मेरे लिए खिलाड़ी सूर्यकुमार को अलग रखा जा सकता है पर कप्तान सूर्यकुमार के तौर पर वह हर परीक्षा खरे उतरे हैं। इससे मुझे भी काफी आराम मिल गया है क्यों मेरा काफी काम वहीं कर देते हैं। वह वास्तव में एक शानदार नेतृत्वकर्ता हैं।' यह सौभाग्य की बात है कि देश का नेतृत्व उनके जैसे खिलाड़ी के हाथ में है, क्योंकि उनका दिल सही जगह पर है और दबाव में वह सही फैसला लेते हैं।' गौरतलब है कि रोहित शर्मा के टी20 से संन्यास के बाद गंभीर ने ही सूर्या को कप्तानी देने की मांग की थी।

यूएफा महिला चैंपियंस लीग खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर हैं मनीषा, एलियांजा लीमा क्लब से खेलेंगी

लीमा। भारतीय महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण मनीषा यूएफा महिला चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर हैं। इसके बाद से ही उन्हें विदेशी लीग से प्रस्ताव मिलने शुरु हुए। अब मनीषा पेरु के क्लब एलियांजा लीमा से खेलती हुई नजर आयेंगी। मिडफील्डर मनीषा ने हाल ही में इस क्लब से करार किया है। मनीषा के अनुसार इससे उन्हें काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। मनीष के अनुसार वह इस टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, ''मैं इस क्लब में आकर बहुत खुश हूं। मुझे उनका खेलने का अंदाज काफी अच्छा लगता है। मैं अब इस नई चुनौती को लेकर बेहद उत्साहित हूं। वहीं क्लब एलियांजा ने कहा, ''मनीषा के साथ करार से हमें खुशी हुई है। उनके आने से हैं टीम को मजबूत मिलेगी। उन्होंने यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेला है जिसका लाभ क्लब को मिलेगा।''साथ ही कहा, ''कल्याण ने क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके पेशेवर करियर में भारत, साइप्रस और यूनान की लीग में खेलने का अनुभव शामिल है।''वहीं मनीषा ने कहा कि उसका प्रयास क्लब के लिए बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उनका घ्यान अपना सौ फीसदी देने पर रहेगा।

कतर ओपन : झेंग की दमदार वापसी, एंड्रीएवा अंतिम-16 में

दोहा। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने चोट से वापसी करते हुए कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट में शानदार जीत दर्ज की। झेंग ने सोमवार को खेले गए मुकाबले में 2020 ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता सोफिया केनिन को तीन सेटों के संघर्षपूर्ण मैच में

4-6, 6-1, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। अब उनका सामना एलिसिया पार्क्स से होगा। सितंबर पिछले साल के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धी टेनिस में उतरीं झेंग इस समय विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर हैं। सीजन के अपने पहले ही मैच में उन्होंने 20 ऐस जमाकर जोरदार संदेश दिया। मैच के बाद झेंग ने कहा, 'चोट के बाद वापसी कभी पूरी तरह दर्द-मुक्त नहीं होती। लेकिन मुझे लगता है कि मेरी कोहनी सही दिशा में ठीक हो रही है। मैं अच्छी स्थिति में हूं और दो घंटे तक सर्व करते हुए खेल जारी रख सकती हूं।' उधर, पांचवीं वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीएवा ने राउंड ऑफ 64 में बाई मिलने के बाद अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। उन्होंने मग्दा लिनेट को 7-6 (7/0), 6-1 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। दिन के मुकाबलों में कुछ बड़े उलटफेर भी देखने को मिले। तीसरी वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा करोलिना प्लिस्कोवा के खिलाफ तीसरे सेट में पिछड़ते हुए मुकाबले से हट गईं। वहीं, पूर्व यूएस ओपन चैंपियन एमा राडुकानू को भी कैमिला ओसोरियो के खिलाफ निर्णायक सेट में रिटायर होना पड़ा। मंगलवार को शीर्ष दो वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक और एलेना रयबाकिना राउंड ऑफ 32 में अपने-अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। चौथी वरीयता कोको गॉफ भी सिंगल्स में अपना पहला मुकाबला खेलेंगी। गॉफ को सोमवार को उभरती स्टार विक्टोरिया म्बोको के साथ डबल्स में हार का सामना करना पड़ा था।

पाकिस्तान के यू-टर्न के बाद सौरव गांगुली का बड़ा बयान, टी20 वर्ल्ड कप में भारत से जीतना मुश्किल

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने 15 फरवरी को कोलंबो में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की और भारतीय टीम के अपने पसंदीदा खिलाड़ियों के नाम भी बताए। पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप ए के मैच पर प्रतिक्रिया देते हुए गांगुली ने कहा कि यह विश्व कप का एक बड़ा मुकाबला होगा। मैच 15 फरवरी को है, पाकिस्तान के लिए भारत को हराना आसान नहीं होगा। भारत एक बहुत अच्छी टीम है।

बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष की यह टिप्पणी पाकिस्तान सरकार द्वारा सोमवार को दिए गए निर्देश के बाद आई है, जिसमें उन्होंने अपनी राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में मौजूदा चैंपियन भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच के लिए मैदान में उतरने का निर्देश दिया था। पाकिस्तान सरकार द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पीसीबी, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के बीच हुई उच्च स्तरीय वार्ता के परिणामों से अवगत कराया, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया।

गौरतलब है कि पाकिस्तान ने पहले बांग्लादेश के समर्थन में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ समूह चरण के विश्व कप मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया था। बांग्लादेश को आईसीसी द्वारा सुरक्षा चिंताओं के कारण भारत से बाहर मैच आयोजित करने के अनुरोध को अस्वीकार करने के बाद टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से भी चुनौतीपूर्ण समय में देश के समर्थन पर चर्चा की। आईसीसी और अन्य देशों के साथ चर्चा के बाद, पाकिस्तान सरकार ने अपनी क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच खेलने का निर्देश दिया है।

आईसीसी ने रविवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पीसीबी और बीसीबी के साथ बैठक की, जिसमें कोलंबो में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 मैच के पाकिस्तान के बहिष्कार के फैसले पर चर्चा की गई। इसके बाद, बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने सोमवार को पाकिस्तान से 15 फरवरी को भारत के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप मैच खेलने का आग्रह किया।

अरुणाचल और सिक्किम में लगे भूकंप के झटके, सो रहे लोगों में मचा हड़कंप

-तीव्रता 3.1 मापी गई, भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वोत्तर भारत के दो राज्यों, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जब लोग रात की गहरी नींद में थे तब जमीन हिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी तक जान-माल के किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं मिली है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी कामेंग जिले में देर रात करीब 1 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया। अरुणाचल के कुछ घंटों बाद ही सिक्किम के नामची में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह 5 बजकर 38 मिनट पर लोग धरती हिलने से जाग गए। यहां भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर केवल 5 किमी की गहराई पर था। बता दें धरती के नीचे होने वाली हलचल ही भूकंप का मुख्य कारण है। हमारी धरती चार परतों से बनी है, जिनके ऊपर टैक्टोनिक प्लेट्स होती हैं। ये प्लेट्स हर साल अपनी जगह से 4-5 मिमी खिसकती हैं। खिसकने के दौरान जब ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं तो उससे पैदा होने वाली ऊर्जा ही भूकंप के रूप में सतह को हिला देती है। बता दें भूकंप के झटके महसूस होते ही तुरंत घर से बाहर किसी खुले मैदान में निकल जाएं। यदि बाहर निकलना मुमकिन न हो तो किसी मजबूत मेज या बेड के नीचे छिप जाएं। ऊंची इमारतों में रहने वाले लोग सीढ़ियों का प्रयोग करें लिफ्ट का इस्तेमाल जानलेवा हो सकता है। बिजली के खंभों, पेड़ों और कांच की खिड़कियों से दूर खड़े हों।

देहरादून में आईएमए के पास विवादित जमीन पर सियासी तकरार तेज

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून के धौलास इलाके में इंडियन मिलिट्री एकेडमी (आईएमए) के पास करीब 20 एकड़ जमीन को लेकर नया विवाद उभरा है। इस जमीन को कथित तौर पर एक इस्लामिक एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के लिए आवंटित किया गया था। अब बताया जा रहा है कि यह जमीन छोटे-छोटे रिहायशी प्लॉट में बांटी जा रही है, जिससे सुरक्षा की दृष्टि से खतरा पैदा हो सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार इस मामले में सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अगर सत्ता में होती तो मुस्लिम यूनिवर्सिटी बनाने की दिशा में काम करती। वहीं कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि मामला 2004 का है, जब नारायण दत्त तिवारी मुख्यमंत्री थे। उनका तर्क है कि इसके बाद भाजपा कई बार सत्ता में रही और इसे रोक सकती थी। भाजपा विधायक विनोद चमोली ने कहा कि यह मामला कांग्रेस की खतरनाक साज़िश को उजागर करता है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या तिवारी सरकार के दौरान दी गई जमीन हरीश रावत की देख-रेख में मुस्लिम यूनिवर्सिटी के लिए आवंटित थी। चमोली ने यह भी कहा कि अब जमीन पर लैंड माफिया कब्ज़ा कर रहे हैं। विकासनगर सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट विनोद कुमार की शुरुआती जांच में पाया गया कि जमीन को रिहायशी प्लॉट में बदलने से आईएमए की सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। जमीन विवाद राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर गरमा गया है। सरकार ने सख्त कार्रवाई का संकेत दिया है, जबकि कांग्रेस इसे पुराना मामला बताते हुए अपनी जिम्मेदारी कम करती दिख रही है।

रामपुर में अवैध प्लाटिंग पर प्रशासन का बुलडोजर, पुलिस फोर्स तैनात

रामपुर (एजेंसी)। शहजादनगर के तहसील सदर क्षेत्र में कृषि भूमि गाटा संख्या 198 पर अवैध रूप से की जा रही प्लाटिंग को प्रशासन ने बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। इस भूमि के काश्तकारों और कुछ प्लाटिंग एजेंटों ने भूमि को आकर्षक घोषित किए बिना अवैध निर्माण शुरू कर दिया था। भूमि को आकर्षक घोषित करने के लिए उप जिलाधिकारी न्यायालय में शक्कन खां आदि बनाम सरकार के अंतर्गत मामला दायर किया गया था, जिसे तीन नवंबर 2021 को निरस्त कर दिया गया। इसके बावजूद भूमि पर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। सिविल लाइंस निवासी इमरान खां ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अवैध निर्माण की शिकायत की। जांच के बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए अवैध प्लाटिंग को बुलडोजर से ध्वस्त किया। कार्रवाई के दौरान भीड़ जमा हो गई। शहजादनगर थाने की पुलिस ने मौके पर तैनाती कर नियंत्रण किया।

गड्ढे में गिरे युवक के मुंह और नाक में भर गई मिट्टी, दम घुटने से गई जान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में गड्ढे में गिरने से युवक की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक पोस्टमॉर्टम से जुड़े शुरुआती निष्कर्ष में युवक कमल ध्यानी की मौत का कारण ट्रॉमेटिक एस्फिक्सिया बताया गया है। हालांकि पुलिस सूत्रों ने बताया कि मौत की असल वजह की पुष्टि आधिकारिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कमल ध्यानी बाइक लेकर गड्ढे में गिर गया था। गड्ढे में मौजूद मिट्टी उसके मुंह और नाक में चली गई, जिससे उसे सांस लेने में दिक्कत हुई और दम घुट गया। इसके अलावा, छाती पर भारी दबाव के संकेत भी मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि किसी भारी वाहन या वस्तु के गिरने से यह दबाव पड़ा हो सकता है। पोस्टमॉर्टम में मृतक की दाहिनी जांघ पर जलने के निशान भी पाए गए हैं। डॉक्टरों का अनुमान है कि यह निशान बाइक के साइलेंसर के साथ लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण बने होंगे। डॉक्टरों का कहना है कि यह मामला दुर्घटनावश मौत का प्रतीत होता है, लेकिन मौत के समय और तरीके को लेकर अंतिम राय गहन जांच के बाद ही दी जाएगी। इस बीच, जांच में यह भी सामने आया है कि दिल्ली जल बोर्ड की तरफ से सीवर लाइन बिछाने का ठेका पाने वाली निजी कंपनी के मैनेजर को हादसे की जानकारी थी, लेकिन उसने भी पुलिस या अन्य सरकारी एजेंसियों को इसकी सूचना नहीं दी। जांच से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक वह इस मामले में हादसे की जानकारी रखने वाला छठा व्यक्ति था। पुलिस पहले ही ठेकेदार हिमांशु गुप्ता, सब-कॉन्ट्रैक्टर राजेश कुमार प्रजापति, मजदूर योगेश, सुरक्षा गार्ड देशराज और राहगीर विपिन सिंह की भूमिका की पहचान कर चुकी है। पुलिस के मुताबिक एक फोन कॉल में प्रजापति ने कंपनी के डायरेक्टर हिमांशु और प्रोजेक्ट मैनेजर को हादसे की जानकारी दी थी, लेकिन इसके बावजूद पुलिस को सूचना नहीं दी गई। इस मामले में राजेश कुमार, प्रजापति और योगेश को गिरफ्तार किया जा चुका है।

वीर सावरकर को यदि दिया गया भारत रत्न तो इससे सम्मान की गरिमा होगी कम : भाई जगताप

-संघ प्रमुख के बयान को लेकर सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। संघ प्रमुख द्वारा वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता भाई जगताप ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा, कि जिन व्यक्तियों पर गंभीर आरोप रहे हों, उन्हें देश का सर्वोच्च सम्मान देना भारत रत्न की गरिमा को ठेस पहुंचाने जैसा होगा।

भाई जगताप ने कहा कि भारत रत्न केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों की भावनाओं से जुड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा कि अब तक यह सम्मान उन्हीं महान व्यक्तित्वों को दिया गया है, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र या किसी बड़े सामाजिक उद्देश्य के लिए समर्पित किया। ऐसे में विवादित नामों को इस श्रेणी में शामिल करना समझ से परे है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न से बड़ा कोई सम्मान नहीं हो सकता। संघ प्रमुख किसी संगठन के प्रमुख हैं, पूरे देश के नहीं। वीर सावरकर को लेकर समाज में मतभेद और गंभीर आरोप मौजूद हैं, ऐसे में उन्हें यह सम्मान देना पूरे देश में बहस और सवाल खड़े करेगा। भाई जगताप ने कहा कि यदि इस तरह के नामों को भारत रत्न दिया जाता है, तो सम्मान की प्रतिष्ठा पर असर पड़ेगा और देश इसका मूल्यांकन करेगा।

मौजूदा सरकार में कई दागी मंत्री

केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि मौजूदा सरकार में ऐसे कई मंत्री हैं, जिन पर दाग होने की बातें सामने आती रही हैं। ऐसे माहौल में भारत रत्न जैसे सर्वोच्च सम्मान पर फैसला लेना बेहद संवेदनशील मामला है। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे को बेवजह हवा नहीं देना चाहते, लेकिन अंतिम निर्णय सरकार को लेना होगा और जनता अपना जवाब जरूर देगी।

संघ प्रमुख के एक कार्यक्रम में अभिनेता की मौजूदगी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाई जगताप ने कहा कि खेल और कला को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिए। उन्होंने देश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज कलाकारों को धमकियां मिल रही हैं और संगठित अपराधियों में कानून का डर नजर नहीं आता। 90 के दशक में अंडरवर्ल्ड पर काबू पाया गया था, लेकिन मौजूदा हालात फिर चिंता पैदा कर रहे हैं।

तीन बच्चों वाला बयान हास्यास्पद

संघ प्रमुख के तीन बच्चों वाले बयान को लेकर भाई जगताप ने इसे हास्यास्पद करार दिया। उन्होंने कहा कि जब भारत दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है, तब इस तरह की सलाह देना गैर-जिम्मेदाराना है। आज महिलाएं पहले से ज्यादा असुरक्षित हैं और युवा खुद यह तय करने में सक्षम हैं कि उन्हें कब और किससे विवाह करना है।

संसद में चर्चा नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण

अन्य राजनीतिक मुद्दों पर बोलते हुए भाई जगताप ने कहा कि केवल आरोप लगाने से कुछ नहीं होता, यदि कोई मामला है तो उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने संसद के कामकाज पर भी सवाल उठाए और कहा कि संसद देश का पवित्र मंदिर है, लेकिन विपक्ष को अपनी बात रखने का पूरा अवसर नहीं दिया जाता। चीन जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा न होना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछना विपक्ष का अधिकार है और सरकार को इन सवालों का जवाब देना चाहिए, न कि उन्हें दबाने का प्रयास करना चाहिए।

मनी लॉन्ड्रिंग मामला : एसआईटी ने तेज की जांच टीना अंबानी को जल्द मिलेगा ईडी का नया समन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी टीना अंबानी को मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी जांच में शामिल होने के लिए जल्द ही नया समन जारी करने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले सोमवार को उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन वह जांच एजेंसी के समक्ष पेश नहीं हुईं। सूत्रों के अनुसार, अब उन्हें दोबारा बुलाने के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा रही है। यह पूरी कार्रवाई अनिल अंबानी और उनके व्यापारिक समूह से जुड़े 40,000 करोड़ रुपये के कथित बैंकिंग और कॉर्पोरेट धोखाधड़ी के मामले से संबंधित है। मामले की गंभीरता को देखते हुए, हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया है। यह एसआईटी फेडरल जांच एजेंसी की हेडक्वार्टर इन्वेस्टिगेशन यूनिट के तहत काम कर रही है, जिसका नेतृत्व एडिशनल डायरेक्टर रैंक के एक अधिकारी कर रहे हैं। इस टीम में लगभग आधा दर्जन अनुभवी जांचकर्ता शामिल किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते अनिल अंबानी समूह के खिलाफ चल रहे मामलों की समीक्षा के बाद यह निर्देश दिया था कि एक निष्पक्ष, स्वतंत्र और त्वरित जांच सुनिश्चित करने के लिए विशेष टीम बनाई जाए। जांच एजेंसी पिछले एक साल से इस समूह की गतिविधियों पर नजर रखे हुए है। अब तक प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत तीन प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट दर्ज की जा चुकी हैं, जो पुलिस की प्राथमिकी के समान होती हैं। अब तक की कार्रवाई में जांच एजेंसी ने लगभग 12,000 करोड़ रुपये की संपत्ति भी अटैच की है। सूत्रों का कहना है कि नवनियुक्त एसआईटी आने वाले दिनों में समूह की कंपनियों और उनके अधिकारियों द्वारा किए गए संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की गहराई से पड़ताल करेगी। इस दौरान कई अन्य नई रिपोर्ट दर्ज होने की भी संभावना है, जिससे अंबानी परिवार और उनके सहयोगियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

पक्षियों को दाना खिलाना पड़ा महंगा, बुजुर्ग महिला पर लगा 2.27 लाख का जुर्माना

मुंबई (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसी खबर तेजी से सुर्खियां बटोर रही है, जिसने पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम और देश के कड़े कानूनों के बीच एक नई बहस छेड़ दी है। मामला सिंगापुर का है, जहां एक 71 साल की बुजुर्ग महिला को बार-बार जंगली पक्षियों, विशेषकर कबूतरों को दाना खिलाने के कारण भारी-भरकम आर्थिक दंड भुगतना पड़ा है। यह खबर जैसे ही सार्वजनिक हुई, इंटरनेट पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आने लगीं। जहां कुछ लोग इसे कानून की अति मान रहे हैं, वहीं कई लोग सार्वजनिक स्वच्छता और नियमों के पालन के पक्ष में खड़े नजर आ रहे हैं।

पूरा मामला सिंगापुर की निवासी सन्मुगमनाथन शमला से जुड़ा है।

अदालत ने उन पर 3,200 सिंगापुर डॉलर, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 2 लाख 27 हजार रुपये होते हैं, का जुर्माना लगाया है। महिला पर यह कार्रवाई वाइल्डलाइफ एक्ट के उल्लंघन के तहत की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, महिला ने अदालत में अपने ऊपर लगे चार आरोपों को स्वीकार कर लिया, जबकि इसी तरह की पांच अन्य घटनाओं को भी न्यायिक प्रक्रिया के दौरान संज्ञान में लिया गया। प्रशासन का तर्क है कि जंगली पक्षियों को इस तरह दाना खिलाने से न केवल इलाके में गंदगी फैलती है, बल्कि इससे पारिस्थितिक संतुलन भी बिगड़ता है और पक्षियों की आबादी अनियंत्रित रूप से बढ़ सकती है। हैरानी की बात यह है कि यह महिला के खिलाफ की गई पहली कार्रवाई नहीं थी। इससे पहले मई 2025 में भी उन्हें इसी कृत्य के लिए 1,200 सिंगापुर डॉलर का जुर्माना भरना पड़ा था। उस दौरान महिला ने अदालत में भविष्य में ऐसा न करने का लिखित वादा भी किया था। लेकिन सरकारी रिकॉर्ड और सबूतों के अनुसार, उन्होंने अपने वादे को दरकिनार करते हुए महज एक महीने के भीतर फिर से पक्षियों को दाना खिलाना शुरू कर दिया।

ओवैसी ही बीजेपी के असली लाइफलाइन, भगवान राम से ज्यादा ओवैसी का नाम लेते हैं

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने बीजेपी पर बोला तीखा हमला

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने बीजेपी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा है कि बीजेपी एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी को भगवान राम से भी ज्यादा अहमियत देती है और चुनाव जीतने के लिए ओवैसी का इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा है कि ओवैसी ही बीजेपी के असली लाइफलाइन हैं। रेड्डी ने कहा कि यह बीजेपी का इतिहास है। अगर आप इसे एनालाइज करें, तो उनके लिए सिर्फ एक ही भगवान हैं, असदुद्दीन ओवैसी। वे यूं ही भगवान राम का नाम लेते हैं, लेकिन वे हर दिन जिसके आगे झुकते हैं, वह असदुद्दीन ओवैसी हैं। उनकी लाइफलाइन असदुद्दीन ओवैसी हैं। देखिए वे कितनी बार राम को याद करते हैं और कितनी बार ओवैसी का नाम लेते हैं। इसकी पड़ताल होनी चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि बीजेपी ओवैसी को अलादीन के चिराग की तरह इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि हर बार वे ओवैसी को अलादीन का जादुई चिराग बनाकर वोट मांगते हैं। आखिर सरकार तो आपकी ही है ना? अगर ओवैसी इतने विलेन हैं, तो आप उन्हें कंट्रोल क्यों नहीं कर पा रहे हैं? रेड्डी ने एआईएमआईएम की निंदा के लिए भी बीजेपी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि डेमोक्रेसी में एआईएमआईएम भी एक पॉलिटिकल पार्टी है जो चुनाव लड़ती है। जहां वे जीतते हैं, जीतते हैं। जहां वे हारते हैं, हारते हैं। उन्होंने गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार और यहां तक ??कि पश्चिम बंगाल में भी चुनाव लड़ा, जहां उन्होंने पांच सीटें जीतीं हैं। वे भी एक पॉलिटिकल ऑर्गनाइजेशन हैं, एक पॉलिटिकल पार्टी हैं, लेकिन आप कब तक उनके नाम पर वोट मांगते रहेंगे? धार्मिक नफरत भड़काकर, कुछ पॉलिटिकल पार्टियों के नेताओं को राक्षस बताकर और उसके जरिए पॉलिटिकल रूप से जिंदा रहने की कोशिश करना आइडियोलॉजिकल गरीबी की हद है। तेलंगाना के लोगों को सोच समझ कर वोट देना चाहिए।

एसआईआर के दौरान हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, डीजीपी से मांगा व्यक्तिगत हलफनामा

-पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग के अधिकारियों को धमकियों का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ड्यूटी के दौरान चुनाव आयोग के अधिकारियों के साथ कथित हिंसा और धमकियों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को व्यक्तिगत रूप से हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही, चुनाव आयोग द्वारा दाखिल हलफनामे पर जवाब न देने को लेकर डीजीपी को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है।

अदालत ने यह निर्देश उस समय दिया, जब केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ने पीठ का ध्यान चुनाव आयोग के हलफनामे की ओर दिलाया। इस हलफनामे में पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान गंभीर अनियमितताओं, धमकियों और हिंसा के आरोप लगाए गए हैं। आयोग ने दावा किया है कि राज्य में अन्य राज्यों की तुलना में भय और दबाव का माहौल कहीं अधिक है, जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित हो रही है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को बताया कि चुनाव आयोग के अनुसार राज्य में डराने-धमकाने, बाधा डालने और भ्रामक सूचनाएं फैलाने की घटनाएं सामने आई हैं। हलफनामे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी भड़काऊ भाषण देने और भय का वातावरण बनाने के आरोप लगाए गए हैं। आयोग का कहना है कि इस तरह के बयानों से जमीनी स्तर पर काम कर रहे चुनाव अधिकारियों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है।

चुनाव आयोग ने अपनी शिकायत में यह भी उल्लेख किया है कि पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में बड़ी संख्या में फॉर्म-7 जलाए गए। इसके अलावा, पंचायत भवनों में सुनवाई के लिए पहुंचे बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ हिंसा की घटनाएं हुईं। आयोग के अनुसार, कई अधिकारियों को लोकतांत्रिक दायित्व निभाते समय अपनी जान का खतरा महसूस हुआ, जिससे वे भय के साए में काम करने को मजबूर हुए। सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों को गंभीर मानते हुए राज्य पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए। अदालत ने कहा कि चुनाव जैसी संवैधानिक प्रक्रिया में लगे अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य का दायित्व है। यदि इस दायित्व में चूक हुई है, तो इसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

पीठ ने स्पष्ट किया कि डीजीपी को व्यक्तिगत रूप से यह बताना होगा कि चुनाव आयोग के आरोपों पर अब तक क्या कार्रवाई की गई और अधिकारियों की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए गए। अदालत ने संकेत दिए कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आगे और सख्त निर्देश भी दिए जा सकते हैं। अब इस मामले में राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन के जवाब पर सबकी नजर टिकी हुई है।

सुकमा में भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद, 51 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों को एक बड़ी दोहरी सफलता हाथ लगी है। सोमवार को एक विशेष अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने न केवल नक्सलियों के एक गुप्त ठिकाने का भंडाफोड़ किया, बल्कि भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री भी जब्त की। पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, रायगुडेम गांव के पास स्थित पहाड़ी जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और स्थानीय पुलिस की एक संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया। इस कार्रवाई के दौरान सुरक्षाबलों ने 65 बैरल ग्रेनेड लॉन्चर (बीजीएल) सेल और कमर पर बांधी जाने वाली दो विशेष थैली बरामद कीं। इतनी बड़ी संख्या में बीजीएल सेल की बरामदगी को सुरक्षाबल नक्सलियों की किसी बड़ी और घातक साजिश की विफलता के रूप में देख रहे हैं।

इस सैन्य सफलता के साथ-साथ बस्तर संभाग में एक ऐतिहासिक रणनीतिक कामयाबी भी देखने को मिली है। सुकमा और बीजापुर जिलों में कुल 51 सक्रिय नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता त्याग कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है। आत्मसमर्पण करने वाले इन नक्सलियों पर सामूहिक रूप से 1.61 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को पूरी तरह जड़ से समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

अधिकारियों का मानना है कि नक्सलियों के इस सामूहिक आत्मसमर्पण के पीछे हाल ही में शीर्ष नक्सली नेता एल. प्रभाकर राव का खात्मा एक बड़ा कारण रहा है। अबूझमाड़ के जंगलों में हुई मुठभेड़ में प्रभाकर राव और उसके छह साथियों के मारे जाने के बाद नक्सलियों का मनोबल बुरी तरह टूट गया है। राव को एक खतरनाक एंबुश रणनीतिकार माना जाता था, जिसकी मौत ने नक्सली संगठन के ढांचे को कमजोर कर दिया है। बस्तर रेंज के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में 2,400 से अधिक नक्सली हथियार डाल चुके हैं। सरकार की पूना मारगेम (नई राह) और नियद नेल्लानार (आपका अच्छा गांव) जैसी पुनर्वास योजनाओं का जमीनी स्तर पर सकारात्मक प्रभाव दिख रहा है। इन पहलों के माध्यम से प्रशासन अब उन दुर्गम इलाकों तक सीधी पहुंच बना रहा है, जहाँ कभी नक्सलियों का दबदबा हुआ करता था। फिलहाल, सुरक्षाबलों ने इलाके में चौकसी और अधिक बढ़ा दी है और आसपास के जंगलों में गहन तलाशी अभियान जारी है ताकि बचे हुए नक्सलियों पर दबाव बनाया जा सके।

12 फरवरी को 35 साल बाद बांग्लादेश को नया प्रधानमंत्री मिलेगा... भारत की पैनी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में 12 फरवरी 2026 को संसदीय चुनाव होने वाले हैं। पूर्व पीएम शेख हसीना के देश छोड़ने और खालिदा जिया के निधन के बाद यह पहला चुनाव है। 1991 से 2024 तक बांग्लादेश की राजनीति में इन दो नेताओं का दबदबा रहा। इसके बाद 35 साल बाद देश को नया प्रधानमंत्री मिलेगा। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को चुनाव में हिस्सा लेने की इजाजत नहीं है। चुनाव आयोग का कहना है कि 2024 में हुए छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में पार्टी की भूमिका की वजह से यह फैसला लिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक एक्सपर्ट्स का कहना है कि बांग्लादेश के ये चुनाव सिर्फ देश की राजनीति ही नहीं, बल्कि पूरे साउथ एशिया की डिप्लोमेसी और पावर बैलेंस को बदल सकते हैं। इसलिए भारत, पाकिस्तान और चीन भी इन चुनाव पर नजर बनाए हुए हैं। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश की विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया है। भारत के साथ रिश्ते अब अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुके हैं, जबकि पाकिस्तान के साथ संबंध बेहतर हुए हैं और चीन के साथ रणनीतिक रिश्ते और मजबूत हुए हैं। इस दौरान बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले, मंदिर तोड़ने और हिंसा की खबरें आने लगीं, जिस पर भारत ने चिंता जाहिर है। बांग्लादेशी सोशल मीडिया पर ग्रेटर बांग्लादेश के नक्शे और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर भड़काऊ बातें फैलीं।

भारत और बांग्लादेश की बॉर्डर पर बीएसएफ और बीजीबी के बीच तनाव बढ़ा, तस्करी और बाड़ को लेकर बहस हुई। छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद हिंसा फैली और भारत के खिलाफ माहौल बना। दोनों देशों के बड़े नेताओं और अधिकारियों ने आपस में सीधे बात करना शुरू किया, इससे पुराने तनाव धीरे-धीरे कम होने लगे। 2025 में कराची और चटगांव के बीच कॉर्गो जहाज फिर से चलने लगे, जिससे समुद्री व्यापार आसान हुआ। 2026 की शुरुआत में ढाका और कराची के बीच कई साल बाद सीधी फ्लाइट्स शुरू हुईं। पाकिस्तान और बांग्लादेश ने वीजा के नियम आसान करने पर बात की, खासकर सरकारी काम से आने-जाने वालों के लिए। अंतरराष्ट्रीय बैठकों में पाकिस्तान और बांग्लादेश कई मुद्दों पर एक-दूसरे के साथ खड़े नजर आए, जिससे तालमेल बढ़ा।

चीन से और करीबी बढ़ी

2025 में बांग्लादेश के नेताओं और चीन के राष्ट्रपति की मुलाकात हुई, जिसमें रिश्तों को और आगे बढ़ाने पर खुलकर बात हुई। दोनों देशों ने व्यापार बढ़ाने के लिए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट और निवेश से जुड़े समझौतों पर बातचीत शुरू करने का फैसला किया। चीन ने बांग्लादेश से आने वाले ज्यादातर सामान पर टैक्स नहीं लगाने की सुविधा आगे भी जारी रखने की बात कही। रक्षा के मामले में भी दोनों देश करीब आए और ड्रोन व दूसरी सैन्य तकनीक से जुड़े समझौते किए गए। बांग्लादेश का आम चुनाव तय करेगा कि देश आगे भारत के करीब रहेगा या पाकिस्तान और चीन की तरफ झुकेगा। इससे साउथ एशिया का पावर बैलेंस बदल सकता है। इसी वजह से इस चुनाव को बेहद अहम माना जा रहा है। बांग्लादेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लगभग चारों तरफ से घेरता है। भारत का नॉर्थ-ईस्ट सिलीगुड़ी कॉरिडोर के जरिए भारत से कनेक्ट होता है। इसके बाद बांग्लादेश की भूमिका भारत के लिए कनेक्टिविटी, सुरक्षा और सप्लाई लाइनों के लिहाज से बेहद संवेदनशील हो जाती है।

दूसरी बड़ी वजह है भारत-चीन की रणनीतिक खींचतान। चीन पिछले कुछ सालों में बांग्लादेश में बंदरगाह, सड़क, बिजली और इंफ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश कर चुका है। बांग्लादेश अगर चीन के ज्यादा करीब जाता है, तब यह भारत के लिए सीधा रणनीतिक झटका होता है, खासकर बंगाल की खाड़ी और इंडियन ओशन रीजन में। बांग्लादेश की समुद्री सीमा इस इलाके को रणनीतिक रूप से बहुत अहम बना देती है। यह इलाका ग्लोबल शिपिंग, एनर्जी रूट्स और नौसैनिक गतिविधियों के लिए बेहद संवेदनशील है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902